



भारत गजट

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 52] नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 30, 1978 (पौष 9, 1900)
No. 52] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 30, 1978 (PAUSA 9, 1900)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 30 नवम्बर 1978

सं० ए० 32013/1/77-प्रश्ना० I—राष्ट्रपति द्वारा निम्न-लिखित अधिकारियों को उनमें से प्रत्येक के सामने दर्शाई गई अवधि के लिए या आगामी आदेशों तक, इनमें जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड-I में अवसर सचिव के रूप में तदर्थ आधार पर स्था-नापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है :—

क्रम सं०	नाम	अवधि
1.	श्री टी० एन० चन्ना (के० सं० से० के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी)	18-10-78 से 17-1-79 तक
2.	श्री बी० आर० वर्मा (के० सं० से० के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी)	3-11-78 से 2-2-79 तक
3.	श्री बी० बी० मेहरा (के० सं० स्टे० से० के ग्रेड क के स्थायी अधिकारी)	18-10-78 से 17-1-79 तक
4.	श्री बी० एस० कपूर (के० सं० से० के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी)	9-10-78 से 23-11-78 तक

सं० पी०/1048-प्रश्ना० I—सांख्यिकी विभाग में अवसर सचिव के पद पर नियुक्ति हेतु चयन हो जाने के फलस्वरूप केन्द्रीय सचिवालय सेवा ग्रेड I के अधिकारी श्री एस० पी० शर्मा को 30-11-78 (अपराह्न) से संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है।

एस० बालचन्द्रन
अवसर सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 5 दिसम्बर 1978

सं० ए-19036/16/76-प्रश्ना०-5—उड़ीसा राज्य पुलिस के अधिकारी श्री एन० पटनायक, पुलिस उप-अधीक्षक, जो केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में प्रतिनियुक्ति पर थे, ने दिनांक 24-11-78 के अपराह्न में केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में पुलिस उप-अधीक्षक के पद का कार्यभार त्याग दिया। उनकी सेवायें राज्य प्राधिकरण को वापस सौंप दी गईं।

यह इस कार्यालय की दिनांक 24-11-78 की समसंख्यक अधिसूचना के अधिक्रमण में है।

दिनांक 6 दिसम्बर 1978

वित्त मन्त्रालय

सं० ए-20014/228/77-प्रशासन-I—पुलिस उप-महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा पश्चिम बंगाल पुलिस के अधिकारी श्री टी० के० राय को दिनांक 23-10-78 के पूर्वान्त से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना की कलकत्ता (सामान्य अपराध स्कन्ध) शाखा में अस्थायी रूप से प्रतिनियुक्ति पर पुलिस निरीक्षक नियुक्त करते हैं।

रिपुदमन सिंह
प्रशासनिक अधिकारी (लेखा)

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 7 दिसम्बर 1978

सं० ओ० दो० 1100/78-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर (श्रीमती) मंगला राजन को 4-11-1978 के पूर्वान्त से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

दिनांक 8 दिसम्बर 1978

सं० ओ०-दो० 992/72-स्थापना—श्री कुलदीप सिंह, पुलिस उपअधीक्षक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति के फलस्वरूप, उनकी सेवायें दिनांक 4-10-78 से राष्ट्रीय पुलिस आयोग को सौंपी जाती हैं।

ए० के० बन्द्योपाध्याय
सहायक निदेशक (प्रशासन)

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 2 दिसम्बर, 1978

सं० ई-16013(2)/1/78-कार्मिक—प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरित होने पर श्री अजय कुमार सिंह, आई० पी० एस० (संघ शासित क्षेत्र-64) ने दिनांक 6 नवम्बर, 1978 के अपरान्त से के० ओ० सु० ब० यूनिट बी० एस० एल० बोकारो के कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

दिनांक 5 दिसम्बर 1978

सं० ई-17017/6/74-कार्मिक—श्री एस० पी० बाग, अग्निशमन अधिकारी, एलाय स्टील प्लांट, दुर्गापुर, इसी समय से के० ओ० सु० ब० के सहायक कमांडेंट की पदेन-नियुक्ति को छोड़ेंगे।

रा० ब० गोपाल
महानिरीक्षक/के० ओ० सु० ब०

प्रतिभूति कागज कारखाना

होशंगाबाद (म० प्र०), दिनांक दिसम्बर 1978

सं० पी० डी०/27/7706—श्री आर० जी० कुलथे, फोरमैन (मोल्ड आफिस) को तदर्थ आधार पर दिनांक 27-11-78 (पूर्वान्त) से 6 माह की अवधि के लिए स्थानापन्न रूप से सहायक कार्य प्रबन्धक (मोल्डकवर मेकिंग प्लांट) के पद पर वेतनमान रु० 840-40-1000-द० रो०-40-1200 में नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 5 दिसम्बर 1978

सं० पी० एफ०-7 (36)/7688—इस कार्यालय की अधिसूचना क्र० 7(36) 5641 दिनांक 17-10-78 के आगे श्री एस० टी० सिरसट को स्थानापन्न रूप से दिनांक 31-3-79 तक अग्निशमन अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर कार्य करने की अनुमति दी जाती है या जब भी यह पद नियमित आधार पर भरा जावे। इनमें से जो भी पहले हो।

दिनांक 6 दिसम्बर 1978

सं० ए० डी०/4/7867—श्री पी० के० शर्मा लेखापाल स्थानापन्न रूप से दिनांक 4-12-78 से 6-1-79 तक 34 दिनों के लिए लेखा अधिकारी के पद पर वेतनमान रु० 840-40-1000-द० रो०-40-1200 में तदर्थ आधार पर नियुक्त किए जाते हैं। यह जगह श्री ए० के० धोषाल लेखा अधिकारी के प्रशासनिक एवं मुख्य लेखा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से उपरोक्त अवधि के लिए कार्य करने से हुई है।

श० रा० पाठक
महाप्रबन्धक

भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग

भारत के नियन्त्रक-महालेखापरीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 6 दिसम्बर 1978

सं० 1627-सी० ए० 1/66-78—अपर उपनियन्त्रक-महालेखापरीक्षक (वाणिज्यिक) ने श्री एस० सुब्रामनियम आयर, लेखापरीक्षा अधिकारी (वाणिज्यिक) को भारत सरकार, गृह मन्त्रालय के कार्यालय ज्ञापन संख्या 25013/7/77-स्थापना/ए०/ दिनांक 26-8-77 के उपबन्ध के अधीन तारीख 11-10-78 (पूर्वान्त) से सरकारी सेवा से स्वेच्छा पूर्वक सेवा निवृत्त होने की अनुमति दे दी है।

सुशील देव भट्टाचार्य
संयुक्त निदेशक (वा०)

कार्यालय महालेखाकार, हरियाणा

चण्डीगढ़, दिनांक 7 नवम्बर 1978

सं० प्रशासन-1/72-टी० एस०/78-79/5073—केन्द्रीय सिविल सेवायें (अस्थाई सेवायें) नियम 5, उपनियम (1) के अन्तर्गत श्री वेद प्रकाश गुप्ता, लेखा परीक्षक को नोटिस जारी करता हूँ कि यह नोटिस दिए जाने के एक महीने बाद की तारीख

से या जैसी स्थिति उसे निवेदित हो, से उसकी सेवा समाप्त समझी जाएगी।

(ह०) अपठनीय
उप महालेखाकार (प्र०)

महालेखाकार, बिहार का कार्यालय
रांची-2, दिनांक 5 दिसम्बर 1978

सं० स्था०-1-ओ० डी० 3573—महालेखाकार बिहार रांची अपने कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री मृदुल कुमार दत्ता को अपने कार्यालय में ही दिनांक 31-8-78 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष प्रोन्नत करते हैं।

सं० स्था० 1-ओ० डी०-3601—महालेखाकार बिहार रांची अपने कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री गिरीश चन्द्र लाल श्रीवास्तव को अपने कार्यालय में ही दिनांक 31-8-78 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष प्रोन्नत करते हैं।

सं० स्था० 1-ओ० डी०-3582—महालेखाकार बिहार रांची अपने कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री दिलीप कुमार दत्त को अपने कार्यालय में ही दिनांक 31-8-78 (एफ० एन०) के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष प्रोन्नत करते हैं।

सं० स्था०-1-ओ० डी०-3592—महालेखाकार बिहार रांची अपने कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री प्रशान्त कुमार राय को अपने कार्यालय में ही दिनांक 29-4-78 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष प्रोन्नत करते हैं।

(ह०) अपठनीय
वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशा०)
बिहार

महालेखाकार का कार्यालय मध्यप्रदेश
ग्वालियर, दिनांक 6 दिसम्बर 1978

सं० स्थापना-ग्यारह/एस० बाला०/300—श्री एस० बालाकृष्णनन् स्थायी लेखा अधिकारी कार्यालय महालेखाकार (द्वितीय) मध्य प्रदेश ग्वालियर, अधिवार्षिकीय प्राप्त होने पर दिनांक 30 नवम्बर, 1978 अपराह्न से शासकीय सेवाओं से सेवा निवृत्त हुए।

पी० एस० भागर
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार का कार्यालय केरल
तिरुवनन्तपुरम, दिनांक 7 दिसम्बर 1978

सं० स्थापना/हकवारी/6/10-3—महालेखाकार का कार्यालय, केरल के लेखा अधिकारी श्री सी० आर० माधव वारियर अधिवार्षिकता प्राप्त होने के कारण 30 नवम्बर 1978 अपराह्न को सेवानिवृत्त हो गए।

आर० के० ए० सुब्रह्मण्या
महालेखाकार

कार्यालय निदेशक, लेखा परीक्षा
रक्षा सेवायें

नई दिल्ली, दिनांक 1978

सं० 4370/ए/प्रशासन/130/75-78—निदेशक लेखा परीक्षा, रक्षा सेवायें अधिनस्थ लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री डी० के० सेन गुप्ता को वरिष्ठ उप मुख्य लेखा परीक्षक आयुध फैक्टरी कार्यालय जबलपुर में दिनांक 16-10-78 (पूर्वाह्न) से स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में अगले आदेश तक सहर्ष नियुक्त करते हैं।

के० बी० दास भौमिक
वरिष्ठ उप निदेशक लेखा परीक्षा
रक्षा सेवायें

रक्षा मन्त्रालय

डी० जी०ओ० एफ० मुख्यालय, सिविल सेवा
महानिदेशालय, आर्डेनेन्स फैक्ट्रियां
कलकत्ता, दिनांक 5 दिसम्बर 1978

सं० 15/78/ए/ई-1—वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्तकर, श्री अनिमेश दास गुप्त, मौलिक एवं स्थायी ए० एस० ओ० दिनांक 31-11-1978 (अपराह्न) सेवा निवृत्त हुए।

डी० पी० चक्रवर्ती
ए० डी० जी० ओ० एफ०/प्रशासन
कृते महानिदेशक, आर्डेनेन्स फैक्ट्रियां

कलकत्ता, दिनांक 6 दिसम्बर 1978

सं० 81/जी/78—राष्ट्रपति जी, श्री डी० एन० सरकार को अस्थायी ए० डी० जी० ओ० एफ० ग्रेड-II के पद पर, दिनांक पहली जनवरी, 1978 से 30 सितम्बर, 1978 तक नौ माह की अवधि के लिए पुनः नियुक्त करते हैं।

सं० 82/जी/78—स्वेच्छापूर्वक सेवा निवृत्ति के निमित्त प्रदत्त तीन माह की सूचना की समाप्ति पर, श्री एस० एन० ए० अय्यर, स्थानापन्न ए० डी० जी० ओ० एफ० ग्रेड-II (मौलिक एवं स्थायी वरिष्ठ डी० ए० डी० जी० ओ० एफ०) (सर्वश्री लासको स्टील लिमिटेड, डोड्डम्पट्टी में प्रति नियुक्ति पर), दिनांक 17 नवम्बर, 1977 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 83/जी/78—राष्ट्रपति जी, श्री आर० एन० महेन्द्र मौलिक एवं स्थायी वरिष्ठ डी० ए० डी० जी० ओ० एफ० 1 सहायक निदेशक का त्यागपत्र दिनांक पहली अप्रैल, 1976 (पूर्वाह्न) से स्वीकार करते हैं।

वी० के० मेहता
सहायक महानिदेशक

वाणिज्य, नागरिक आपूर्ति एवं सहकारिता मन्त्रालय

मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 7 दिसम्बर 1978

आयात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण
(स्थापना)

सं० 8/873/69-प्रशासन(राज)/8598—श्री एम० एम० सोलंकी को 18-3-1976 (अपराह्न) से संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, बम्बई में सहायक लोहा और इस्पात नियंत्रक के पद पर (नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में पुनः नामोद्दिष्ट) बहाल किया जाता है।

श्री सोलंकी को 18-3-76 (अपराह्न) को सेवा निवृत्ति से पूर्व निलम्बित कर दिया गया था और इस प्रकार वे निलम्बित ही रहेंगे।

इस कार्यालय की अधिसूचना सं० 6/873/69-प्रशासन (राज०) दिनांक 19-7-1976 एतद्वारा रद्द की जाती है।

का० वें० शेषाद्वि,
मुख्य नियंत्रक

इस्पात और खान मन्त्रालय
(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 1978

सं० 6609ए० 32/69/19सी०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक भूवैज्ञानिक श्री पूर्णेंद्रु सिन्हा ने सहायक भूवैज्ञानिक के पद का कार्यभार 16-5-1977 के पूर्वाह्न से त्याग दिया है ताकि वे पश्चिम बंगाल सरकार के राज्य जल बोर्ड में, वरिष्ठ भूवैज्ञानिक के पद का कार्यभार प्रतिनियुक्ति पर प्रथमतः एक वर्ष की अवधि के लिए प्रतिनियुक्ति की सामान्य शर्तों पर ग्रहण कर सकें।

बी० एस० कृष्णस्वामी,
महा-निवेशक

कलकत्ता-700016, दिनांक 1 दिसम्बर 1978

सं० 8470बी० 2222 (आर० एन० जी०)/19ए०—श्री रथीन्द्र नाथ घोष को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रु० प्रतिमाह के प्रारम्भिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 25 सितम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 8490बी० 2222 (आर० बी० एन०)/19ए०—श्री आर० वेनुगोपालन नरयण को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रु० प्रतिमाह के प्रारम्भिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-

1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 28 अगस्त, 1978 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

दिनांक 2 दिसम्बर 1978

सं० 8527 बी० 2222 (आर० के०)/19ए०—श्री राजेश कुमार को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रु० प्रतिमाह के प्रारम्भिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 16 सितम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 8537बी० 51/62/19ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के प्रशासनिक अधिकारी श्री ए० चटर्जी सरकारी सेवा से, वार्धक्य निवर्तन पर 31 अगस्त, 1978 (अपराह्न) से निवृत्त हो गए।

सं० 8549बी० 2222 (सी० जे० के०)/19ए०—श्री सी० जे० कुमार को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रु० प्रतिमाह के प्रारम्भिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 19 अक्तूबर, 1978 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 8561बी० 2222 (बी० के० एम०)/19ए०—श्री विनोद कुमार माथुर को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रु० प्रतिमाह के प्रारम्भिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 16 सितम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 8574बी० 2222 (आर० आर० एस०)/19ए०—श्री राधिका रंजन शरण को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रु० प्रतिमाह के प्रारम्भिक वेतन पर रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 18 सितम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 8586बी० 2222 (एस० बी०)/19ए०—श्री सोमनाथ भट्टाचार्य को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रु० प्रतिमाह के प्रारम्भिक वेतन पर 650-30-740-36-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 18 सितम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 8598 बी० 2222 (एस० एस०)/19ए०—श्री श्यामल सिन्हा को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय

भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रु० प्रतिमाह के प्रारम्भिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 24 अक्टूबर, 1978 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 8610-बी०-2222 (डी०बी०)/19ए०—श्री दीपक बेल्लूर को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रु० प्रति माह के प्रारम्भिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 11 सितम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 8622-बी०-2222 (बी०पी०पी०)/19ए०—श्री बाल-मीकि प्रसाद पाण्डेय को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रु० प्रति माह के प्रारम्भिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 13 सितम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

दिनांक 5 दिसम्बर 1978

सं० 8701-बी०-36/76/19सी०—ग्रंडमान श्रीर निकोबार द्वीप समूह प्रशासन के मुख्य कमिश्नर सचिवालय, से उसी क्षमता में परावर्तन पर श्री एम० रामचन्द्रन ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में प्रशासनिक अधिकारी के पद का कार्यभार 14-8-78 के पूर्वाह्न से संभाल लिया है।

दिनांक 6 दिसम्बर 1978

सं० 8737-बी०-2222 (बी० वी० एस०)/19ए०—श्री बी० वी० श्री निवासन को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रु० प्रति माह के प्रारम्भिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 27 सितम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 8749-बी०-2222 (एम० के० के०)/19ए०—श्री मोहम्मद कमल काजीम को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रु० प्रति माह के प्रारम्भिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 4 अक्टूबर 1978 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 8792-बी०-40/59 (ए० एस०/19ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण महा निदेशक ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक प्रशासनिक अधिकारी श्री ए० सम्पथ को त्याग-पत्र देने पर 30 जून, 1978 के अपराह्न से मुक्त कर दिया है ताकि वे रक्षा मंत्रालय के केन्द्रीय प्रूफ इस्टाब्लिशमट

में वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी ग्रेड-II के रूप में अपनी नियुक्ति पर कार्यभार ग्रहण कर सकें।

दिनांक 7 दिसम्बर 1978

सं० 8823-बी०-2222 (एन० के० एस०)/19ए०—श्री तौरी कुमार साहू को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रु० प्रति माह के प्रारम्भिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 16 अक्टूबर, 1978 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

बी० एस० कृष्णास्वामी,
महानिदेशक

राष्ट्रीय अभिलेखागार,

नई दिल्ली-1, दिनांक 15 नवम्बर 1978

सं० एफ० 11-9/77-ए०-I—अभिलेख निदेशक, भारत सरकार, एतद द्वारा श्री सी० पी० माथुर, सहायक अभिलेखाधिकारी (ग्रेड-I) (सामान्य) और इस समय जो हरियाणा सरकार में प्रतिनियुक्ति पर अभिलेखाधिकारी (सामान्य) है, उनको राष्ट्रीय अभिलेखागार, नई दिल्ली में 24-8-77 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक एफ० आर०-30(1) (आगामी निम्न नियम) के निम्न परन्तुक के अन्तर्गत विहित पदोन्नति की सस्वीकृति देते हैं।

श्री नन्दन प्रसाद,
अभिलेख निदेशक

सूचना आर प्रसारण मंत्रालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 8 दिसम्बर 1978

सं० 8/21/50-सिबन्दी-I—श्री महेन्द्र कुमार जै, स्थायी अधीक्षक आर स्थापनापन्न सहायक प्रशासकीय अधिकारी फिल्म प्रभाग बम्बई वार्धक्य वय प्राप्त होने के वजह, दिनांक 30-11-1978 के अपराह्न से सेवा से निवृत्त हुए।

एम० चन्द्रन नायर,
प्रशासकीय अधिकारी,
कूले मुख्य निर्माता

परमाणु ऊर्जा विभाग

परमाणु विद्युत परियोजना इंजीनियरिंग प्रभाग

बम्बई-5, दिनांक 21 नवम्बर 1978

सं० पी० पी० ई० डी०/3(235)/76-एड-15965—नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना के अस्थायी सहायक कार्मिक अधिकारी श्री पी० वेणुगोपालन की उस परियोजना से स्थानान्तरित हो जाने पर, 10 नवम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से

अगले आदेश तक के लिये विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग में सहायक कार्मिक अधिकारी ग्रेड (650-960 रुपये) का अधिकारी नियुक्त किया जाता है।

आर० बी० बाजपेयी,
सामान्य प्रशासनिक अधिकारी
कृते निदेशक

नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैदराबाद-500762, दिनांक 7 दिसम्बर 1978

सं० पी० ए० आर०/0704/2789—मुख्य कार्यपालक, नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, श्री बी० एच० एल० जी० शास्त्री, औद्योगिक अस्थायी आशुलिपिक (प्रवरण कोटि) को 6-12-78 से 5-1-79 अथवा आगामी आदेशों जो भी पहले घटित हों, तक के लिये नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, हैदराबाद, में छुट्टी की रिक्ति पर स्थानापन्न रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

यु० वासुदेव राव,
प्रशासन अधिकारी

राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना

अणुशक्ति, दिनांक 6 दिसम्बर 1978

सं० राप्पिप/04627/1(400)/78/स्थल/प्रशा०-216—नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना, परमाणु ऊर्जा विभाग, डा० नरोरा (उ० प्र०) में स्थानान्तरण के फलस्वरूप राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना के स्थायी सहायक फोरमैन तथा स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस०बी० श्री वी० के० श्रीवास्तव ने इस परियोजना में अपने पद का कार्य-भार तारीख 30 नवम्बर, 1978 (अपराह्न) को छोड़ दिया।

गोपाल सिंह
प्रशासन अधिकारी (स्थापना)

तारापुर परमाणु बिजली घर

थाना-401504, दिनांक 17 नवम्बर 1978

सं० टी०ए०पी०एस०/1/34(1)/77-आर० (जि०-II)—मुख्य अधीक्षक तारापुर परमाणु बिजलीघर, परमाणु ऊर्जा विभाग, निम्नलिखित व्यक्तियों को, उनकी पदोन्नति अगले ग्रेड में हो जाने पर, 1 अगस्त, 1978 के पूर्वाह्न से, 650-30-740 35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में उसी बिजलीघर में वैज्ञानिक

अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० के पदों पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं:—

क्रम सं०	नाम तथा पदनाम
1.	श्री डी० एन० घोष, वैज्ञानिक सहायक 'सी'
2.	श्री एस० बी० अमर्यंकर, ड्राफ्ट्समैन, 'सी'
3.	श्री एच० एम० अग्रवाल, ड्राफ्ट्समैन, 'सी'

ए० डी० देसाई,
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र

कलपाक्कम, दिनांक 22 नवम्बर 1978

सं० ए० 32023/1/77-आर०-20937—रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र के परियोजना, निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थायी आशुलिपिक और इस केन्द्र के स्थानापन्न प्रवरण कोटि आशुलिपिक श्री शचीन्द्रम रामासुब्बा अय्यर सम्बन्धित को 1 नवम्बर, 1978 से अगले आदेश तक के लिये इस केन्द्र में सहायक प्रशासनिक अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

ए० सेतुमाधवन,
प्रशासनिक अधिकारी
कृते परियोजना निदेशक

पर्यटन और नागरविमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 7 दिसम्बर 1978

सं० ई० (1) 07419—मौसम विज्ञान के महानिदेशक, मौसम विज्ञान के उप महानिदेशक, (पूर्वानुमान), पुणे के कार्यालय के व्यावसायिक सहायक श्री जैस एन्थोनी को भारत मौसम विज्ञान सेवा में ग्रुप 'बी' (केन्द्रीय जन सेवा, ग्रुप 'बी') में 2 नवम्बर, 1978 पूर्वाह्न से स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री एन्थोनी स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी, निदेशक, (उपकरण), पुणे के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

जी० आर० गुप्ता,
मौसम विज्ञानी
कृते मौसम विज्ञान के महानिदेशक

महानिदेशक नागरविमानन का कार्यालय

सं० ए० 32014/1/78-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित दो संचार सहायकों को उनके नाम के सामने दी गई तारीख से तदर्थ आधार पर सहायक संचार अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है और उन्हें वैमानिक संचार स्टेशन बम्बई में तैनात किया है। ये नियुक्तियां श्री पी० एस०

आर० पिल्लै और श्री वी० एस० पिल्लै सहायक संचार अधिकारियों के स्थान पर की गई है जिन्हें क्रमशः दिनांक 1-5-78 से 92 दिन और 10-5-78 से 50 दिन की अर्जित छुट्टियां मजूर की गई है :—

क्रम सं०	नाम	कार्यभार संभालने की तारीख
1.	श्री ए० एन० नायर	22-5-78 (पूर्वाह्न)
2.	श्री के० पी० स्वामी	21-5-78 (पूर्वाह्न)

दिनांक 8 नवम्बर 1978

सं० ए० 2025/1/78-ई०सी०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित दो अधिकारियों को नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन में उनके नाम के सामने दी गई तारीख से स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया है और उन्हें उनके नाम के सामने अंकित स्टेशन पर तैनात किया है :—

क्र० सं०	नाम	पदनाम	तैनाती स्टेशन	कार्यभार ग्रहण करने की तारीख
----------	-----	-------	---------------	------------------------------

सर्वश्री :

1.	अरुण कुमार सरकार	तकनीकी अधिकारी	वैमानिक संचार स्टेशन कलकत्ता	6-11-78 (पूर्वाह्न)
2.	वीरेन्द्र बहादुर सिंह	संचार अधिकारी	वैमानिक संचार स्टेशन इलाहाबाद	13-11-78 (पूर्वाह्न)

सं० ए० 32014/1/78-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री कृष्ण लाल, तकनीकी सहायक, वैमानिक संचार स्टेशन, कोटा को दिनांक 11-10-78 (पूर्वाह्न) से तदर्थ आधार पर सहायक तकनीकी अधिकारी के रूप में नियुक्त किया है और उन्हें वैमानिक संचार स्टेशन, वाराणसी, में तैनात किया है।

सं० ए० 38012/1/77-ई० सी०—नागर विमानन विभाग के निम्नलिखित दो अधिकारियों ने निवर्तन आयु प्राप्त करने के परिणाम स्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर उनके नाम के सामने दी गई तारीख से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है :—

क्रम सं०	नाम	पदनाम	तैनाती स्टेशन	कार्यभार छोड़ने की तारीख
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)

सर्वश्री :

1.	पी० पालोस	संचार अधिकारी	वैमानिक संचार स्टेशन बम्बई	31-10-78 (अपराह्न)
----	-----------	---------------	----------------------------	--------------------

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
2.	के० श्रीनिवासन	वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी	वैमानिक संचार स्टेशन मद्रास	31-10-78 (अपराह्न)

सं० ए० 38013/1/77-ई० सी०—श्री पी० जी० साठे, सहायक तकनीकी अधिकारी वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई ने निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने के परिणामस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर 31 अक्टूबर, 1978 (अपराह्न) से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

सत्य देव शर्मा,
उपनिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 2 दिसम्बर 1978

सं० ए-12032/5/75-ई० ए०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री जी० एस० बट्टरा, सहायक विमान क्षेत्र अधिकारी, सफदरजंग एयरपोर्ट नई दिल्ली का दिनांक 19 जनवरी, 1976 से सरकारी सेवा से त्याग पत्र स्वीकार कर लिया है।

2. एतद्वारा, इस विभाग की दिनांक 20 फरवरी, 1976 को सप्त संश्लेषक अधिसूचना रद्द की जाती है।

वी० बी० जोहरी,
सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 6 दिसम्बर 1978

सं० ए-19013/5/72-ई०-1—श्री ए० के० सरकार, उप-महानिदेशक, नागर विमानन विभाग, नई दिल्ली का दिनांक 29 नवम्बर, 1978 को स्वर्गवास हो गया है।

सी० के० बत्स
सहायक निदेशक प्रशासन

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 7 दिसम्बर 1978

सं० 16/69/66-स्थापना-I—अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, श्री एस० पी० मिश्रा को दिनांक 6 नवम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक सहर्ष पुनः अध्यक्ष के पद पर वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून में पुनः स्थापित करते हैं।

गुरदयाल मोहन,
कुल सचिव,
वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के समामर्त का कार्यालय
(उत्पादन शुल्क विभाग)

कोचीन-11, दिनांक 6 जून 1978

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

सं० I/3/77—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नियमावली 1944, के नियम 232क के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए,

में, टी० एस० स्वामीनाथन समाहर्ता, सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क कोचीन, उस व्यक्ति का नाम पता तथा अन्य विवरण प्रकाशित करता हूँ जिसे केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली 1944 के उपबन्धों का उल्लंघन करते हुए पाया गया है। तथा जिस पर 10,000 रु० (दस हजार रुपये केवल) का जुर्माना लगाया गया है।

- (i) व्यक्ति का नाम श्री के० एस० इब्राहिम रायैर
- (ii) पता कालुंगल हाऊस,
कानजीरापाली पोस्ट,
जिला कोटयाम,
केरला ।
- (iii) फर्म का नाम कालुंगल चाय फैक्टरी,
एस०-4 सं० 10/59,
कानजीरपल्ली ।
- (iv) अधिनियम या नियमों के उपबन्धों का उल्लंघन किया गया । केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली 1944 के नियम 52क, 173 जी, 173एफ-9(1)
- (v) कितनी राशि की शस्ति 10,000 रु० (केवल दस हजार रुपये) अधिरोपित की गई ।
- (vi) शुल्क माल या अन्य सम्पत्ति का मूल्य जिसे अधिनियम की धारा 100 के अधीन जब्त किए जाने का आदेश दिया गया है या संबंधित अधिकारी द्वारा धारा 33 के अन्तर्गत जब्त किए जाने के योग्य समझा गया है । 21104 किलोग्राम चाय पर शुल्क मांगा गया ।
- (vii) जब्त करने के बदले में जुमनि की राशि । शून्य
- (viii) नियम 181 के अन्तर्गत किसी भी रद्द किये गये लाइसेंस का विवरण । शून्य

टी० एस० स्वामीनाथन
समाहर्ता,
सीमा तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, कोचीन

कानपुर, दिनांक 17 अक्तूबर 1978

सं० 36/78—श्री राम धन स्थानापन्न अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग 'ख' ने अधीक्षक एम० ओ० आर० -III मेरठ के पद का कार्यभार दिनांक 31-7-78 (अपराह्न) को श्री अमरीक सिंह को सौंप दिया और अधिवापिता की आयु प्राप्त होने पर

सरकारी सेवा से दिनांक 31-7-78 (अपराह्न) को सेवा निवृत्त हो गए ।

कृ० ला० रेखी,
समाहर्ता

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय

सीमा तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

नई दिल्ली, दिनांक 13 दिसम्बर 1978

सं० 19/78—निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के नयी दिल्ली स्थित मुख्यालय में कार्यालय अधीक्षक के पद पर कार्यरत श्री ए० आर० शर्मा को, श्री बी० के० हाजरा का स्थानान्तरण होने से रिक्त हुए स्थान पर, दिनांक 13 नवम्बर, 1978 के (पूर्वाह्न) से 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40- ई० बी०-40-1200 रु० के वेतनमान में स्थानापन्न रूप में सहायक मुख्य लेखा अधिकारी नियुक्त किया जाता है ।

एम० बी० एन० राव,
निरीक्षण निदेशक

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 12 दिसम्बर 1978

सं० ए-19012/734/78-प्रशा०-पांच—विभागीय पदोन्नति समिति (ग्रुप 'बी') की सिफारिश पर अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, श्री एम० पी० एस० पुरी अभिकल्प सहायक को अतिरिक्त सहायक निदेशक के रूप में पूर्णतया तदर्थ आधार पर रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 19-8-78 की पूर्वाह्न से 6 महीने की अवधि के लिये अथवा जब तक यह पद नियमित आधार पर नहीं भरा जाता, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं ।

2. श्री एम० पी० एस० पुरी की नियुक्ति पूर्णतया तदर्थ एवं अस्थायी आधार पर है तथा इस प्रकार की गई सेवा के आधार पर वे पदोन्नति अथवा वरिष्ठता के दावेदार नहीं होंगे ।

जे० के० साहा, अवर सचिव

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

निर्माण महानिदेशक कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 6 दिसम्बर, 1978

सं० 23/2/77-ई० सी० II—केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के निम्नलिखित अधिकारी वार्धक्य की आयु प्राप्त

करने पर सरकारी सेवा से, दिनांक 30 नवम्बर, 1978 (अप्रराह्ण) को सेवा-निवृत्त हो गए—

नाम	वर्तमान पदनाम
सर्वश्री	
1. पी० जे० चैतानी	कार्यपालक इंजीनियर (मूल्यन) एकक सं०-8, आयकर विभाग (सी० बी० डी० टी०), बम्बई-400002।
2. डी० डी० मलिक	कार्यपालक इंजीनियर, दिल्ली विकास प्राधिकरण, आवास प्रभाग सं०-3, नई दिल्ली।
3. डी० बी० राय	इंजी० अधि० मुख्य इंजीनियर (उ० अंचल), केलोनिवि, रामकृष्ण पुरम, नई दिल्ली।
4. के० एस० सुन्दर राजन	कार्यपालक इंजीनियर, केन्द्रीय भंडार मंडल सं०-1 के लो नि वि नई दिल्ली।

सु० सू० प्रकाश राव,
प्रशासन उपनिदेशक,
कृते निर्माण महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 27 अक्तूबर 1978

शुद्धि-पत्र

सं० 33/1/78-ई० सी०-9—इस कार्यालय के दिनांक 26-9-1978 की अधिसूचना में आंशिक संशोधन करते हुए, श्री आई० के० पोषली, उप वास्तुक के नाते नियुक्त होने पर, वेतन 845 रु०/- प्रतिमास (रु० 820—25) वैयक्तिक वेतन के रूप में जो आगे आने वाली वेतनवृद्धि में समजित होंगे वेतन लेंगे।

कृष्ण कान्त,
प्रशासन उपनिदेशक

संपदा निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 6 दिसम्बर 1978

सं० 1600-प्रशा०-“ख०”—निर्माण और आवास मंत्रालय के काडर में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड-1 अधिकारी श्री आर० डी० भाटिया ने तारीख 18 सितम्बर, 1978 (पूर्वाह्न) से संपदा निदेशालय में संपदा उप निदेशक के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

पी० एस० अग्रवाल,
संपदा उप निदेशक (प्रशासन)

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय
(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

पांडिचेरी, दिनांक 4 दिसम्बर 1978

कम्पनी अधिनियम 1956 और कामस्वरा चिट फंड ऐंड फिनांस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

सं० 74—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसार एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि कामस्वरा चिट फंड ऐंड फिनांस प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से हटा दिया गया है और उक्त कम्पनी भंग हो गई है।

एस० आर० बी० बी० सत्यनारायण,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार, पांडिचेरी

कम्पनी अधिनियम 1956 और जे० बी० ट्रेडिंग कार्पोरेशन प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

जालंधर, दिनांक 6 दिसम्बर 1978

सं० जी०/स्टेट/560/2126/9173—कम्पनी अधिनियम, 1956 के धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि जे० बी० ट्रेडिंग कार्पोरेशन प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

सत्य प्रकाश तायल,
कम्पनी रजिस्ट्रार,
पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं चण्डीगढ़

कम्पनी अधिनियम, 1956 और कलकत्ता (एलेक्ट्रीकल और मैकेनिकल) इंजिनियर प्राईवेट लिमिटेड (समापन अन्तर्गत) के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 6 दिसम्बर 1978

सं० एल०/11464/एच० डी० (1974)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 445 की उपधारा 2 के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि आदरणीय उच्चन्यायालय कलकत्ता ने दिनांक 18-9-1975 के आदेशानुसार उपरोक्त कम्पनी के समापन का आदेश दिया है और राजकीय समापक, उच्चन्यायालय, कलकत्ता को उसका राजकीय समापक नियुक्त किया है।

आर० के० भट्टाचार्या,
कम्पनियों का सहकारी रजिस्ट्रार,
पश्चिम बंगाल, कलकत्ता

कार्यालय, आय-कर अपील अधिकरण

बम्बई-400020, दिनांक 7 दिसम्बर 1978

सं० एफ० 48-ए० डी० (ए० टी०)/78 खण्ड II—

1. श्री निरंजन दास, स्थानापन्न सहायक अधीक्षक, आय-कर अपील अधिकरण, दिल्ली न्यायपीठ, दिल्ली, जिन्हें आय-कर अपील अधिकरण, अमृतसर न्यायपीठ, अमृतसर में तदर्थ आधार पर सहायक पंजीकार के पद पर से तीन महीने के लिए अर्थात् 17-7-1978 से 16-10-1978 तक कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की गयी थी, देखिये, इस कार्यालय के दिनांक 11-7-1978 की अधिसूचना क्रमांक एफ० 48-ए० डी० (ए० टी०)/1978, को अब आय-कर अपील अधिकरण, अमृतसर न्यायपीठ, अमृतसर में ही उसी क्षमता में तदर्थ आधार पर सहायक पंजीकार के पद पर स्थानापन्न रूप से दिनांक 17-10-1978 (पूर्वाह्न) से 28-2-1978 तक या जबतक जबतक कि उक्त पद हेतु नियमित नियुक्ति नहीं हो जाती, जो भी शीघ्रतर हो, कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की जाती है।

उपर्युक्त नियुक्ति तदर्थ आधार पर है और यह भी श्री निरंजन दास को उसी श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिए कोई दावा नहीं प्रदान करेगी और उनके द्वारा तदर्थ आधार पर प्रदत्त सेवाएं न तो बरीयता के अभिप्राय से उस श्रेणी में परिगणित की जायंगी और न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोन्नत किये जाने की पात्रता ही प्रदान करेंगी।

2. श्री एम० के० दलवी, जो आय-कर अपील अधिकरण (के उत्तरी क्षेत्र) नई दिल्ली के उपाध्यक्ष के वैयक्तिक सहायक है, जिन्हें आय-कर अपील अधिकरण बम्बई न्यायपीठ, बम्बई में तदर्थ आधार पर सहायक पंजीकार के पद पर स्थानापन्न रूप से दिनांक 10-2-1978 से 13-11-1978 तक कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की गयी थी, देखिये, इस कार्यालय के दिनांक 9-2-1978 की अधिसूचना क्रमांक एफ० 48-ए० डी० (ए० टी०)/77-भाग II और दिनांक 11-7-1978 की अधिसूचना क्रमांक एफ० 48-ए० डी० (ए० टी०)/78, को अब आय-कर अपील अधिकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई में ही उसी क्षमता में तदर्थ आधार पर सहायक पंजीकार के पद पर स्थानापन्न रूप से दिनांक 14-11-1978 (पूर्वाह्न) से 28-2-1979 तक या जबतक जबतक कि उक्त पद हेतु नियमित नियुक्ति नहीं हो जाती, जो भी शीघ्रतर हो, कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की जाती है।

उपर्युक्त नियुक्ति तदर्थ आधार पर है और यह श्री एम० के० दलवी को उसी श्रेणी में नियुक्ति के लिए कोई दावा प्रदान नहीं करेगी और उनके द्वारा तदर्थ आधार पर प्रदत्त सेवाएं उसी श्रेणी में न तो बरीयता के अभिप्राय से परिगणित की जायंगी और न उससे निकटतर उच्चतर श्रेणी में पदोन्नत किये जाने की पात्रता ही प्रदान करेंगी।

पी० डी० माथुर,
अध्यक्ष

विनियमावली

(1) सूचना और प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के फिल्म समारोह निदेशालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय फिल्म समारोह का प्राप्त वाक्य 'सत्यम् शिवम् सुन्दरम्' है।

इस समारोह के आयोजन के उद्देश्य निम्नलिखित हैं—

- (i) कलात्मक सौंदर्य से पूर्ण, तथा सामाजिक, महत्व की फिल्मों के निर्माण को प्रोत्साहन देना।
- (ii) विभिन्न क्षेत्रों की फिल्म-संस्कृति के बोध एवं विवेचन में योगदान देना तथा,
- (iii) राष्ट्रीय एकता एवं संगठन की भावना को विकसित करना।

(2) भारत में 1978 के दौरान निर्मित, केन्द्रीय फिल्म सेंसर बोर्ड द्वारा प्रमाणन के लिए प्राप्त और 31 जनवरी, 1979 से पहले प्रमाणित कोई भी फिल्म जो समारोह के उद्देश्य के अनुरूप हो, इस समारोह में शामिल की जा सकती है। भारत सरकार द्वारा मान्य किसी भी फिल्म संस्थान द्वारा 1978 में निर्मित फिल्में इसमें शामिल हो सकती हैं, किन्तु सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए इन फिल्मों के मामलों में भी सेंसर बोर्ड का प्रमाणपत्र आवश्यक है। प्रविष्टि के लिए भेजी गई फिल्में 35 मि० मी० या 16 मि० मी० गेज की होनी चाहिए। लघु फिल्मों की लम्बाई 35 मि० मी० के लिए 1000 मी० और 16 मि० मी० के लिए 400 मी० से आमतौर पर अधिक नहीं होनी चाहिए।

(3) समारोह में प्रविष्टि के रूप में भेजी गई फिल्में नियम-2 के अधीन बिल्कुल उसी रूप में होनी चाहिए जिस रूप में फिल्म सेंसर बोर्ड द्वारा प्रमाणित की गई हो।

(4) कोई भी फिल्म जिसके साथ फिल्म समारोह निदेशालय का कोई पदाधिकारी किसी भी रूप में सम्बन्ध रखता हो, समारोह में शामिल नहीं हो पायेगी।

(5) समारोह के लिए प्रविष्टि, सरकारी विभाग सरकार द्वारा मान्य संस्थान निजी-निर्माता/निर्माता कम्पनी, कोई भी भेज सकता है। संलग्न प्रवेश पत्र (दो प्रतियों में) पूरी तरह भर कर 15 मार्च 1979 तक हर हालत में फिल्म समारोह निदेशालय में पहुंच जाना चाहिए।

(6) राष्ट्रीय फिल्म समारोह में शामिल करने के लिए फिल्मों के प्रिन्ट 15 मार्च, 1979 तक फिल्म समारोह निदेशालय में अवश्य पहुंच जाने चाहिए। यदि संभव हो तो फिल्मों के प्रिन्ट प्रवेश पत्रों के साथ ही भेज देने चाहिए। प्रिन्ट भेजने के साथ ही प्रेषक को फिल्म का शीर्षक, भाषा, रोलों की संख्या, प्रिन्ट कब और किस प्रकार भेजा गया, इस बारे में डाक या तार द्वारा तुरन्त सूचना दे देनी चाहिए।

(7) फिल्म समारोह में प्रविष्ट कथा चित्र तथा लघु फिल्म से सम्बन्धित निम्नलिखित सामग्री प्रवेश पत्र के साथ निदेशालय में 15 मार्च 1979 के पूर्व पहुंच जानी चाहिए।

- (i) कथाचित्र के साथ अंग्रेजी में कथासार की 40 प्रतियां और लघु फिल्म के साथ कमेंटरी की 15 प्रतियां;
- (ii) प्रचार सामग्री—छ: बड़े पोस्टर, एवं छ: फोटो सेट्स;
- (iii) फिल्म की मूल भाषा में स्क्रिप्ट की 5 प्रतियां तथा अंग्रेजी या हिन्दी में अनदित स्क्रिप्ट की 5 प्रतियां;
- (iv) निर्माता, निर्देशक एवं मुख्य कलाकारों की संक्षिप्त जीवनियां;
- (v) निर्माता, निर्देशक एवं मुख्य कलाकारों के दो-दो फोटोग्राफ।

(8) 35 मि० मी० में 1,000 मीटर तथा 16 मि० मी० में 400 मीटर से अधिक लम्बी फिल्मों की प्रत्येक प्रविष्टि के साथ 100 रुपये और उस से कम लम्बाई की फिल्मों की प्रत्येक प्रविष्टि के साथ 50 रुपये प्रवेश शुल्क भेजना होगा। यह शुल्क वापस नहीं किया जाएगा। प्रवेश शुल्क की राशि सहायक निदेशक फिल्म समारोह निदेशालय के नाम डिमांड ड्राफ्ट द्वारा स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, रेल भवन, नई दिल्ली में भुगतान योग्य हो और प्रवेश पत्र जके साथ भेजी जानी चाहिए।

(9) भारत सरकार द्वारा दो ज्यूरियां गठित की जायेंगी— एक कथा चित्रों के लिए, दूसरी लघु फिल्मों के लिए।

(10) कथाचित्रों के लिए ज्यूरी का गठन निम्नलिखित ढंग से होगा।

(क) अध्यक्ष, भारत सरकार द्वारा मनोनीत और

(ख) कला, मानविकी और फिल्म के क्षेत्र में प्रविष्टित व्यक्ति जिनकी संख्या 24 से अधिक नहीं होगी और जो फिल्मों की विषय-वस्तु, कलात्मकता और तकनीकी गुण दोष परखने की योग्यता रखते हों। इन सदस्यों को सरकार नामजद करेगी।

(11) कथा चित्र ज्यूरी के अध्यक्ष अपने विवेक से विभिन्न भाषाओं के अकथाचित्रों तथा बालचित्रों को परखने हेतु ज्यूरी के सदस्यों में से आवश्यकतानुसार अलग-अलग नामिकाएं गठित कर सकते हैं।

(12) प्रत्येक नामिका कथाचित्रों के लिए ऊपर निर्दिष्ट ज्यूरी को पुरस्कारों के लिए उपयुक्त समझे जाने वाले अधिक से अधिक तीन कथा चित्रों की सिफारिश श्रेष्ठता क्रम का उल्लेख किए बिना करेगा। फिर भी, नामिका की राय में यदि कोई विशिष्ट फिल्म अन्य फिल्मों से नियम 24-1(vi) से (xvi) तक के अन्तर्गत व्यक्ति विशेष की उपलब्धियों के लिए नियम पुरस्कार पाने की अधिकारी हैं, तो उस अवस्था में फिल्म के शीर्षक के साथ विशिष्ट श्रेणी भी निर्दिष्ट करनी होगी।

(13) तत्पश्चात् कथाचित्रों के लिए ज्यूरी विभिन्न नामिकाओं और बाल चित्रों सम्बन्धी नामिका द्वारा सिफारिश की गई सभी फिल्मों को देखेंगी तथा नियम 24-1 के अन्तर्गत विभिन्न श्रेणियों के पुरस्कारों के लिए फिल्मों की सिफारिश करेगी।

(14) कथाचित्रों के लिए ज्युरी सर्वप्रथम निम्नलिखित तीन पुरस्कारों के लिए फिल्मों का ध्यान करेगी।

—सर्वोत्तम कथाचित्र, नियम 24-1 (I) के अन्तर्गत।

—लोकप्रियता, स्वस्थ मनोरंजन तथा कलात्मक सौंदर्य वाला सर्वोत्तम कथाचित्र नियम 24-1 (II) के अन्तर्गत।

—राष्ट्रीय एकता पर सर्वोत्तम कथाचित्र नियम 24-1 (III) के अन्तर्गत।

इन पुरस्कारों के लिए चुनी गई फिल्म इन विनियमों के नियम 24-1 () के अन्तर्गत प्रादेशिक भाषा पुरस्कार प्राप्त करने की पात्र नहीं होंगी।

(15) लघुचित्रों के लिए ज्युरी में अध्यक्ष और 4 से अधिक सदस्य होंगे। यह ज्युरी सरकार द्वारा गठित की जाएगी। यह ज्युरी विनियम 24-11 के अन्तर्गत पुरस्कार श्रेणी के लिए सिफारिश करेगी।

(16) राष्ट्रीय फिल्म समारोह में सम्मिलित किसी भी फिल्म से प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सम्बन्ध रखने वाला व्यक्ति, कथाचित्रों के लिए ज्युरी और लघुचित्रों के लिए ज्युरी, जो भी हो, उसका सदस्य मनोनीत नहीं हो सकता।

(17) दोनों ज्यूरियों फिल्मों को परखने हेतु अपनी-अपनी प्रतियाएँ स्वयं निर्धारित करेंगी।

(18) दोनों ज्यूरियों का 'कोरम' मनोनीत सदस्यों की संख्या के आधे से कम नहीं होगा।

(19) निर्देशक, फिल्म समारोह निदेशालय या उनके द्वारा मनोनीत कोई व्यक्ति राष्ट्रीय फिल्म समारोह की योजना के बारे में आवश्यक जानकारी और स्पष्टीकरण देने हेतु दोनों ज्यूरियों की बैठकों में भाग ले सकता है।

(20) ज्यूरियों के सदस्य बैठकों की कार्यवाही को विलकुल गोपनीय रखेंगे। साथ ही, उनके काम के दौरान, उन्हें जो सामग्री उपलब्ध कराई गई है, उसका राष्ट्रीय फिल्म समारोह के परिणामों की औपचारिक घोषणा से पहले किसी भी प्रचार माध्यम जैसे समाचार पत्र, रेडियो, दूरदर्शन आदि के जरिये प्रचार के लिए इस्तेमाल नहीं करेंगे।

(21) इन नियमों में निहित कोई बात कथाचित्रों की ज्युरी तथा लघु फिल्मों के लिए ज्युरी के लिए यह सिफारिश करने में बाधक नहीं होगी कि किसी विशिष्ट भाषा या श्रेणी की फिल्मों में से कोई भी फिल्म या उनके द्वारा परखी गई फीचर फिल्मों का कोई भी पटकथा लेखक, निर्देशक, कला निर्देशक, कैमरामन, अभिनेता, अभिनेत्री बाल अभिनेता, अभिनेत्री, पाश्वर्गायक ध्वनि आलेखक, सम्पादक और संगीत निर्देशक पुरस्कार के लिए समुचित स्तर का नहीं है।

(22) यदि किसी प्रविष्ट फिल्म के पक्ष में किसी भी प्रकार की पैरवी होगी तो वह पुरस्कार के अयोग्य ठहरा दी जाएगी। यदि दोनों ज्यूरियों का कोई भी सदस्य किसी विशिष्ट फिल्म के लिए पैरवी करता हुआ पाया गया तो वह

ज्युरी की सदस्यता के लिए अयोग्य घोषित किया जा सकता है।

(23) दोनों ज्यूरियों के सदस्य नियमों के अन्तर्गत स्वीकार्य यात्रा भत्ते के अलावा राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्रतियोगिता से सम्बन्धित बैठकों में उपस्थित होने/अथवा फिल्मों के प्री-व्यू के लिए सरकार द्वारा निर्धारित परामर्श फीस पाने के हकदार होंगे।

(24) राष्ट्रीय फिल्म समारोह में शामिल फिल्में निम्नांकित पुरस्कारों के लिए प्रतियोगी हो सकती हैं।

I. कथा चित्र

(i) सर्वोत्तम कथाचित्र

सर्वोत्तम कथाचित्र के निर्माता को स्वर्ण कमल तथा 40,000 रुपये का नकद पुरस्कार, निर्देशक को स्वर्ण कमल तथा 20,000 रुपये का नकद पुरस्कार।

(ii) लोकप्रिय, स्वस्थ मनोरंजन और कलात्मक सौंदर्य वाले सर्वोत्तम कथाचित्रों के लिए पुरस्कार :—

निर्माता को स्वर्ण कमल, निर्देशक को रजत कमल।

(iii) राष्ट्रीय एकता पर सर्वोत्तम कथाचित्र

निर्माता को रजत कमल तथा 30,000 रुपये का नकद पुरस्कार, निर्देशक को रजत कमल तथा 10,000 रुपये का नकद पुरस्कार।

यह पुरस्कार न केवल उन फिल्मों के लिए दिए जाएंगे जिनमें साम्प्रदायिक सद्भाव और देशभक्ति का चित्रण हो बल्कि उन फिल्मों के लिए भी दिए जाएंगे जिनमें दलित वर्गों के उत्थान या विभिन्न क्षेत्रों के बीच एकता की भावना को दिखाया गया हो।

(iv) प्रत्येक प्रादेशिक भाषा के सर्वोत्तम कथाचित्र के लिए पुरस्कार

निम्नलिखित भाषाओं में सर्वोत्तम कथाचित्र के निर्माता को रजत कमल और 10,000 रुपये का नकद पुरस्कार और निर्देशक को रजत कमल और 5,000 रुपये का नकद पुरस्कार :—

हिन्दी (उर्दू, हिन्दुस्तानी और भोजपुरी, राजस्थानी, तथा मैथिली जैसी बोलियों सहित), मराठी (कोंकणी सहित), गुजराती, पंजाबी, कश्मीरी, सिन्धी, अंग्रेज़ी, बंगला, असमिया, उड़िया, मणिपुरी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम।

(v) सर्वोत्तम बाल फिल्म

निर्माता को स्वर्ण कमल और 15,000 रुपये का नकद पुरस्कार तथा निर्देशक को रजत कमल और 10,000 रुपये का नकद पुरस्कार।

(vi) सर्वोत्तम निर्देशन

सर्वोत्तम निर्देशक को रजत कमल और 20,000 रुपये का नकद पुरस्कार।

(vii) सर्वोत्तम स्त्रीन प्ले लेखक

सर्वोत्तम स्त्रीनप्ले लेखक को रजत कमल तथा 10,000 रुपये का नकद पुरस्कार।

(viii) सर्वोत्तम अभिनय

(क) सर्वोत्तम अभिनेता को रजत कमल तथा 10,000 रुपये का नकद पुरस्कार।

(ख) सर्वोत्तम अभिनेत्री को रजत कमल तथा 10,000 रुपये का नकद पुरस्कार।

(ग) सर्वोत्तम बाल अभिनेता/अभिनेत्री (जिनकी आयु 14 वर्ष से अधिक न हो) को रजत कमल तथा 5,000 रुपये का नकद पुरस्कार।

(ix) सर्वोत्तम फोटोग्राफी (रंगीन)

रंगीन फिल्मों के सर्वोत्तम फोटोग्राफर को रजत कमल तथा 5,000 रुपये का नकद पुरस्कार।

(x) सर्वोत्तम फोटोग्राफी (सादी)

सादी फिल्मों के सर्वोत्तम फोटोग्राफर को रजत कमल तथा 5,000 रुपये का नकद पुरस्कार।

(xi) सर्वोत्तम ध्वनि आलेखन

सर्वोत्तम ध्वनि आलेखक को रजत कमल एवं 5,000 रुपये का नकद पुरस्कार।

(xii) सर्वोत्तम सम्पादन

सर्वोत्तम सम्पादक को रजत कमल एवं 5,000 रुपये का नकद पुरस्कार।

(xiii) सर्वोत्तम कला निर्देशन

सर्वोत्तम कला निर्देशक को रजत कमल और 5,000 रुपये का नकद पुरस्कार।

(xiv) सर्वोत्तम संगीत निर्देशक

सर्वोत्तम संगीत निर्देशक को रजत कमल एवं 10,000 रुपये का नकद पुरस्कार।

(xv) सर्वोत्तम पार्श्वगायक

सर्वोत्तम पार्श्वगायक को रजत कमल एवं 10,000 रुपये का नकद पुरस्कार।

(xvi) सर्वोत्तम पार्श्वगायिका

सर्वोत्तम पार्श्वगायिका को रजत कमल एवं 10,000 रुपये का नकद पुरस्कार।

लघु चित्र

(i) सर्वोत्तम सूचना फिल्म (वृत्त चित्र) निर्माता को रजत कमल और 5,000 रुपये का नकद पुरस्कार, निर्देशक को रजत कमल और 4,000 रुपये का नकद पुरस्कार।

(ii) सर्वोत्तम शिक्षाप्रद/ज्ञानवर्धक फिल्म :—इस श्रेणी में शिक्षाप्रद, ज्ञानवर्धक तथा प्रशिक्षण सम्बन्धी फिल्मों शामिल होंगी।

निर्माता को रजत कमल और 5,000 रुपये का नकद पुरस्कार, निर्देशक को रजत कमल और 4,000 रुपये का नकद पुरस्कार।

(iii) सर्वोत्तम प्रेरक फिल्म (अव्यावसायिक/व्यावसायिक)

(राष्ट्रीय महत्व जैसे राष्ट्रीय एकता, सामाजिक न्याय, सहयोग, वचन, कृषि कार्य सहित विकास की प्रगतिशीलता आदि विषयों पर सर्वोत्तम प्रेरक फिल्म वा सर्वोत्तम व्यावसायिक विज्ञापन फिल्मों) निर्माता और निर्देशक को रजत कमल।

(iv) सर्वोत्तम प्रयोगात्मक फिल्म

निर्माता को रजत कमल और 5,000 रुपये का नकद पुरस्कार, निर्देशक को रजत कमल और 4,000 रुपये का नकद पुरस्कार।

(v) सर्वोत्तम कार्टून फिल्म

निर्माता को रजत कमल और 5,000 रुपये का नकद पुरस्कार, 'कार्टूनकार' को रजत कमल और 5,000 रुपये का नकद पुरस्कार, निर्देशक को रजत कमल और 4,000 रुपये का नकद पुरस्कार।

(vi) सर्वोत्तम न्यूजरील कैमरामैन

सर्वोत्तम न्यूजरील कैमरामैन को रजत कमल एवं 5,000 रुपये का नकद पुरस्कार।

(vii) सर्वोत्तम भारतीय समाचार चित्र

निर्माता को रजत कमल और 5,000 रुपये का नकद पुरस्कार।

स्पष्टीकरण :

यहाँ पर निर्माता, निर्देशक, स्त्रीन प्ले लेखक अभिनेता, अभिनेत्री, बाल अभिनेता/अभिनेत्री, कैमरामैन, ध्वनि आलेखक, सम्पादक, कला निर्देशक, संगीत निर्देशक, तथा पार्श्वगायक/गायिका, शब्दों से अभिप्राय क्रमशः उस निर्माता, निर्देशक, स्त्रीन प्ले लेखक, अभिनेता, अभिनेत्री, बाल अभिनेता, अभिनेत्री, कैमरामैन, ध्वनि आलेखक, सम्पादक, कला निर्देशक संगीत निर्देशक, तथा पार्श्वगायक/गायिका से होगा जिनके नामों का उल्लेख केन्द्रीय फिल्म सेन्सर बोर्ड द्वारा विधिवत् प्रमाणित प्रतियोगिता में प्रविष्ट फिल्म के शीर्षकों में होगा।

(25) दादा साहेब फालके पुरस्कार

नियम 24 में उल्लिखित पुरस्कारों के अतिरिक्त भारतीय सिनेमा के क्षेत्र में सर्वोत्कृष्ट योगदान के लिए भारत सरकार अपने विवेक से एक विशेष पुरस्कार देगी। यह पुरस्कार एक स्वर्णकमल, 40,000 रुपये का नकद और एक शाल के रूप में होगा।

(26) विनियम 24 की श्रेणी -(1) से (iv) के अन्तर्गत पुरस्कार जीतनेवाले कथा चित्र के निर्माता को अपनी फिल्म उपशीर्षक मूल भाषा से किसी भारतीय या विदेशी भाषा में करवाने पर केन्द्रीय सरकार द्वारा 5,000 रुपये की अतिरिक्त राशि दी जाएगी।

(27) सरकार को यह अधिकार होगा कि वह पुरस्कारों के लिए प्रविष्ट उस फिल्म के एक प्रिन्ट को, जिसे पुरस्कार मिला हो, अपने पास रख सकेगी। उस फिल्म की लागत अर्थात् कच्चे माल की लागत और उसके परिष्करण के खर्चों की प्रतिपूर्ति निर्माता को दी जाएगी, बशर्ते कि प्रिन्ट बिल्कुल नया होगा तथा पुरस्कार की घोषणा के तीन माह के अन्दर दे दी जाए। यदि पुरस्कार घोषणा के तीन माह के अन्दर नया प्रिन्ट निदेशालय को नहीं दिया जाता तो निर्माता को किसी भी प्रकार की प्रतिपूर्ति नहीं दी जाएगी तथा समारोह में सम्मिलित प्रिन्ट को बिना किसी प्रतिपूर्ति के सरकार रख सकेगी।

(28) यदि कोई फिल्म नियम 24(1) से () के अन्तर्गत स एक अधिक पुरस्कार पाती है तो उसके निर्माता और निर्देशक को केवल वही एक पुरस्कार दिया जाएगा जिसकी राशि सर्वाधिक होगी तथापि उसी निर्माता और उसी निर्देशक को विभिन्न श्रेणियों में विभिन्न फिल्मों के लिये एक से अधिक पुरस्कार दिये जा सकते हैं।

(29) पुरस्कार के लिये प्रविष्ट फिल्मों के निर्माता को उस फिल्म को जूरियों या उनकी किसी भी नामिका के सामने या सरकार द्वारा आयोजित सार्वजनिक प्रदर्शन या किसी विशेष प्रदर्शन के लिये कोई प्राप्ति नहीं होगी। यदि इससे कोई आय होगी तो वह सरकार के राजस्व खाने में जमा करवाई जाएगी।

(30) फिल्म और प्रचार सामग्री के लाने ले जाने पर जो खर्च होगा वह साग प्रतियोगी को देना होगा।

(31) पुरस्कारों और इन नियमों के सही निर्वहन का जहां तक संबंध है, केन्द्रीय सरकार के निर्णय अंतिम होंगे और उसके विरुद्ध कोई अपील नहीं की जा सकेगी।

(32) जो व्यक्ति इन नियमों के अन्तर्गत फिल्म समारोह में भाग लेगा तो यह समझा जाएगा कि उसे यह नियम स्वीकार हैं।

(33) समारोह में प्रविष्ट फिल्में प्रचार सामग्री और उनसे संबंधित सभी पत्राचार के लिये पता :—

फिल्म समारोह निदेशालय,
विज्ञान भवन एनेक्सी,
मौलाना आजाद रोड़,
नई दिल्ली-110011

तार का पता :—फिल्मोत्सव, नई दिल्ली।

26वां राष्ट्रीय फिल्म समारोह 1979

प्रविष्टि फार्म

(दो प्रतियों में भर कर फिल्म निर्देशक, फिल्म समारोह निदेशालय, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, विज्ञान भवन, एनेक्सी, मौलाना आजाद रोड़, नई दिल्ली-110011 के पास 15 मार्च, 1979 तक पहुंच जाना चाहिए।

1. फिल्म का नाम

2. भाषा

3. *श्रेणी कथा चित्र/बालचित्र/लघु फिल्म

4. फिल्म की लम्बाई (मीटरों में)

5. चलने का समय : घंटे मिनट

6. रीलों की संख्या

7. गेज 35 मि० मी०/16 मि० मी०

8. सादी/रंगीन

9. सेन्सर प्रमाणपत्र की संख्या तथा तारीख

10. सेन्सर प्रमाण पत्र में फिल्म की श्रेणी (ए या यू)

11. निर्माता का नाम और पूरा पता (यदि टेलीफोन नं० और तार का पता हो तो वह भी दे दें)

12. निर्देशक का नाम और पूरा पता

13. स्क्रीन प्ले लेखक/पट कथा लेखक का नाम और पूरा पता

*जो लागू न हो उसे काट दें—

प्रविष्टि के लिये भेजी गई लघु फिल्म के बारे में इस बात का स्पष्ट उल्लेख होना चाहिए कि लघु फिल्म नियम 24-11 के अन्तर्गत किस श्रेणी के लिये भेजा गया है।

14. नायक का नाम और पूरा पता

15. नायिका का नाम और पूरा पता

16. 14 वर्ष से कम आयु का कोई बाल अभिनेता/अभिनेत्री हो तो उसका नाम और पूरा पता

17. कैमरामैन का नाम और पूरा पता

18. ध्वनि आलेखक का नाम और पूरा पता

19. संपादक का नाम और पूरा पता

20. कला-निर्देशक का नाम और पूरा पता

21. संगीत निर्देशक का नाम और पूरा पता

22. पार्श्वगायक का नाम और पूरा पता

23. पार्श्वगायिका का नाम और पूरा पता

24. लघु फिल्मों की श्रेणी में प्रविष्टि कार्टून फिल्म के एनीमेटर का नाम और पूरा पता

25. रिलीज होने की तारीख

26. यदि फिल्म किसी दूसरी फिल्म का डब किया हुआ रूप, रूपान्तर या रिटेक है तो जिस फिल्म का डब किया हुआ रूप, रूपान्तर या रिटेक है उसका व्योरा।

27. समारोह के बाद प्रिंट किस पते पर लौटाई जाए (कृपया पूरा नाम तथा पता लिखिए)

पूरा पता प्रविष्टि भेजने वाले के नाम
दिनांक

हस्ताक्षर—
विक्रमसिंह

प्ररूप आई० टी० एन० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 18 नवम्बर 1978

निर्देश स० 26/एन०/अर्जन—अतः मुझे, अमर सिंह विसेन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसको संख्या एक प्लॉट स्थित बंगला न० 129
सिविल लाइन्स बरेली है तथा जो बरेली में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय बरेली में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
13-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिशो
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राधा रमन अग्रवाल (अन्तरक)

2. श्री निर्मल गोहन सिंह बेदी (अन्तरिती)

3. राधा रमन अग्रवाल (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आराजी ईकबई तीन सौ इस वर्गमीटर 310 बाके
बंगला न० 129 सिविल लाइन्स बरेली व सम्पत्ति का वह
सब विवरण जो सेलडीड व फार्म संख्या 37-
जी स० 1623/1 में वर्णित है जोकि सब रजिस्टार बरेली
के कार्यालय में दिनांक 15-3-1978 को दर्ज है।

अमर सिंह विसेन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, लखनऊ।

तिारीख 18-11-1978

मोहर :

प्रकृष्य आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 25 नवम्बर 1978

निर्देश सं० सी० ए० 5 /नंदुरबार/अगस्त 1978/ 375—

यतः मुझे, श्रीमति पी० ललवानी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या सी० टी० सं० कं० 2958-बी है तथा नंदुरबार में स्थित है (और इससे उपोद्विष्ट दस्तावेजों में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नंदुरबार में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थना—

1. श्री फिरोज सखदवाला और आदर्श नंदुरबार तह० धनिया (अन्तरक)

2. श्री मांगीलाल मिश्रीमल वाफना नंदुरबार तह० धुलिया (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रार्थी : क० 167-ए०/2-ए/167-ए०/2-बी०/167-ए०-1/सी० टी० एस० कं० 2958 बी, नंदुरबार जि० धुलिया।

क्षेत्रफल :—928 वर्ग मीटर

(जैसे की विलेख क० 12/2 अगस्त 1978 को सब रजिस्ट्रार नंदुरबार के दफतर में लिखा है)

श्रीमति पी० ललवानी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, पूना।

तारीख 25-11-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 25-11-78

निर्देश सं० सी० ए० 5/हवेली-I/जून 78/376—यतः
मुझे, श्रीमति पी० ललवानी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या सी० टी० एन० क० 759/118 ए० है तथा
जो डेक्कन जिमखाना, पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी
के कार्यालय हवेली I में, रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-6-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की वास्तव उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
3—396 GI/*8

1. डा० आर० व्ही० गोखले, 373/74, नारायण
पेठ, पूना 30 (अन्तरक)

2. श्री के० एन० देसाई, 1117-ए०/ लकाकि रोड,
पूना 30 (अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सी०टी० एस० क० 759/118 ए, डेक्कन
जिमखाना, पूना-4

क्षेत्रफल : जमीन 767-84 : वर्गमीटर

ऊपर का मकान:—183-47 वर्ग मीटर

(जैसे कि रजिस्ट्रिकृत विलेख क्र० 917, 6 जून 1978
को सब रजिस्ट्रार हवेली I के दफ्तर लिखा है)

श्रीमति पी० ललवानी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज पूना

तारीख : 25-11-78

मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०

1. सूर्यमणी स्वाड

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

2. (1) तारण बेहेय, (2) लोकान्त बेहेय (3) प्रथम बेहेय
(अन्तरिती)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भुवनेश्वर

भुवनेश्वर, दिनांक 8 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० 79/78-79/आई० ए० सी० (ए० आई०
आर०) —अतः मुझे बि०, मित्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० खाता नं० 36 है, जो लिक रोड, कलकता
में स्थित है (और इससे उबावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
जिला सब-रजिस्ट्रार कटक भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 20-3-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और इसमें यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उसके करने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान कटक टाउन लिक रोड में स्थित
है। उसका खाता नं० 36 और खसरा नं० 1438 है।
वह जमीन कटक जिला सबरजिस्ट्रार आफिस में 20-3-
1978 तारीख में रजिस्टर हुआ जिसका डाकुमेन्ट नं०
2391।

बि० मित्र
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, भुवनेश्वर।

तारीख: 8-12-1978
मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती सतीदेवी कुन्जम्मा

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री मोनू अलियास अबूरहिमान

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम,

एरणाकुलम-16, दिनांक 15 नवम्बर 1978

निवेश सं० एल० सी० 262/78-79—यतः मुझे, के० नारायण मेनोन, आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार जो त्रिचूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, त्रिचूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-3-978।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में; मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

17 Cents of Land with buildings ide document No. 1408 of S.R.O. Trichur.

के० नारायण मेनोन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 15-11-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 24 नवम्बर 1978

निर्देश संख्या राज०/सहा० आ० अर्जन/474—यतः मझे,
हरी शंकर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है,

और जिसकी सं० है तथा जो कोटा में स्थित है, (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय कोटा में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
31-3-1978।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री जगदीप सिंह पुत्र श्री सरदार बलवन्त सिंह,
गुमानपुरा, कोटा (अन्तरक)

(2) श्री तेजमल पुत्र श्री थारूमल सिंघी कालोनी रोड,
गुमानपुरा, कोटा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

गुमानपुरा कोटा में सूरजपोल से गोरधनपुरा के भेन रोड
पर स्थित दो दुकानें जो उप पंजीयक, कोटा द्वारा क्रमांक
399 दिनांक 31-3-1978 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और
विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

हरी शंकर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 24-11-1978
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 24 नवम्बर 1978

निर्देश संख्या राज०/सहा० आ० अर्जन/475—यतः मुझे,
हरी शंकर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो कोटा में स्थित है, (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय कोटा में, रजिस्ट्रकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31 मार्च,
1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
(अन्तरिती) अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक कम से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री जगदीप सिंह पुत्र सरदार बलवन्त सिंह,
गुमानपुरा, कोटा (अन्तरक)

(2) श्री सखीराम पुत्र श्री मियामल, सिधी कालोनी
गुमानपुरा, कोटा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गुमानपुरा कोटा में सूरजपोस से गोरधनपुरा के मैन् रोड पर
स्थित दो दुकानें जो उप पंजीयक, कोटा द्वारा क्रमांक 404
दिनांक 31-3-78 द्वारा पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत
रूप से विवरणित है।

हरी शंकर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जयपुर,

तारीख : 24-11-1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक : 24 नवम्बर, 1978

निर्देश संख्या राज०/सहा० आ० अर्जुन/477—यतः मझे हरी शंकर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 1-ए है तथा जो कोटा में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोटा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27 मार्च 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री तेजकरण बगड़िया पुत्र श्री प्यार चन्द जी द्वारा मख्तार आम मंसूर विनोदीराम बालचन्द एण्ड कम्पनी, इन्दौर (अन्तरक)

(2) श्री गोवरधन लाल एवं अन्य द्वारा कराची इण्डस्ट्रीज, इण्डस्ट्रीयल एस्टेट, कोटा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आवन प्लॉट जिसकी संख्या 1 ए० है और गुमानपुरा में स्थित है और उप पंचायक, कोटा द्वारा क्रमांक 372 दिनांक 27-3-1978 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप विवरणित है।

हरी शंकर
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, जयपुर

तारीख : 24-11-1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 24 नवम्बर 1978

निर्देश संख्या राज० सहा० आ० अर्जन/476—यतः मुझे,
हरी शंकर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 1-बी० है तथा जो कोटा में स्थित है,
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोटा में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 27 मार्च 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री तेजकरण बगड़िया पुत्र श्री प्यारचन्दजी द्वारा
मुख्तारआम मसर्स विनोदीराम बालचन्द एण्ड कम्पनी,
इन्दौर (अन्तरक)

(2) श्री सुन्दर दास पुत्र श्री जीवतराम द्वारा कराची
इण्डस्ट्रीज इण्डस्ट्रीयल एस्टेट, कोटा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ओपन प्लॉट नं० 1-बी गुमान पुरा कोटा जो उप
पंजियक, कोटा द्वारा क्रम संख्या 372 दिनांक 27-3-78 पर
पंजिबद्ध विक्रय पत्र में विस्तृत रूप से विवरणित है।

हरी शंकर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 24-11-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 24 नवम्बर 1978

निर्देश संख्या राज०/सहा० आ० अर्जन/481—यतः मुझे, हरी शंकर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो कोटा में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोटा में, रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्:—

(1) श्री हकीमद्दीन पुत्र श्री अब्दुल कादर मुसलमान बोहरा भीमगंज मंडी, कोटा (अन्तरक)

(2) सरदार गुलतारन सिंह पुत्र श्री जगतारन सिंह निवासी कोटा जंक्शन, कोटा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्राउण्ड फ्लोर पर स्थित एक दुकान, भीमगंज मंडी में स्थित मकान की जो उप पंजियक, कोटा द्वारा क्रमांक 479 दिनांक 14-4-1978 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

हरी शंकर

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जयपुर

तारीख: 24-11-1978

मोहर:]

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 24 नवम्बर 1978

निर्देश संख्या राज०/सहा० आ० अर्जन/480—यतः

मुझे, हरी शंकर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो कोटा में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारियों के कार्यालय कोटा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रेषित :—

4—396GJ/78

(1) हकीमुद्दीन पुत्र श्री हाजी अब्दुल कदीर मुसलमान वोहरा भीमगंज मंडी, कोटा

(2) श्री सरदार गुलतारन सिंह पुत्र श्री जगतारन सिंह निवासी कोटा जंकशन, कोटा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भीमगंज मंडी, कोटा में स्थित मकान के ग्राउन्ड फ्लोर पर स्थित एक दुकान जो उपवर्जित, कोटा द्वारा पंजिबद्ध विक्रय पत्र क्रमांक 488 दिनांक 15-4-78 में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

हरी शंकर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 24 नवम्बर 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 24 नवम्बर 1978

निर्देश संख्या राज०/सहा० आ० अर्जन/479—यतः मुझे, हरी शंकर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो कोटा में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोटा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हकीमदीन पुत्र हाजी अब्दुल कदीर मुसलमान बोहरा भीमगंज मंडी, कोटा (अन्तरक)

(2) श्री बजराज सरन टणन पुत्र श्री केशव सरन द्वारा मैसर्स जग ब्रादर्स, कोटा जंक्शन, कोटा (अन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भीमगंज मंडी, कोटा में स्थित मकान का फर्स्ट फ्लोर जो उप पंजियक, कोटा द्वारा क्रमांक 471 दिनांक 13-4-78 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

हरी शंकर

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 24 नवम्बर 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 24 नवम्बर 1978

निर्देश संख्या राज०/सहा० आ० अर्जन/578—यतः

मुझे, हरी शंकर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी म० है तथा जो कोटा में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोटा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-4-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या धन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हकीमुद्दीन पुर श्री हाजी अब्दुल कदीर मुसल मान बोहरा भीमगंज मंडी, कोटा (अन्तरक)

(2) श्री डालूमल एवं दीपचन्द पुत्र श्री बासूमल, कोटा जंक्शन, कोटा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि भाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भीमगंजमंडी, कोटा में स्थित मकान के ग्राउन्ड फ्लोर में स्थित एक दुकान जो उप पंजियक, कोटा द्वारा क्रम संख्या 518 दिनांक 20-4-78 पर पंजिबद विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

हरी शंकर
सक्षम अधिकारी
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक 24 नवम्बर 1978

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० ए० पी० नं० 1853—यतः मुझे बी० एस० दहिया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में है तथा जो बजार शेखा जलन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जलन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1978। को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बलराम पुत्र जावंदा मल 185 आदर्श नगर जालन्धर (अन्तरक)

2. दर्शन कुमार पुत्र चुनीशाल 3/3 अली मुहला, जलन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में तथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 3/3 जो बजार शेखा में स्थित है जैसा कि विलेख नं० 546 अप्रैल के महिने में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

बी० एस० दहिया

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

तारीख : 5-12-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० पी० पी० जं० 1854—यतः मुझे बी० एस० दाहिया,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है। तथा जो मास्टर मोतीसिंह नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 17) के अधीन, तारीख अप्रैल 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों धर्षातः—

1. श्री बाचिन्त कौर बेवा जसवंत सिंह गांधी (अन्तरक) मुख्तयार आर० अजैब सिंह पुत्र जसवंत सिंह 132 सैक्टर 11-एक्स० चण्डीगढ़ (अन्तरिक)

2. श्री जगतार सिंह पुत्र विशन सिंह मान हाऊस गली नं० 4 सैटल टाउन, जलन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 128 जो मास्टर मोती सिंह नगर में स्थित है जैसा कि विलेख नं० 536 अप्रैल 78 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

बी० एस० दाहिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जलन्धर

तारीख : 5-12-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक

निर्देश सं० ए० पी० नं० 1855—यतः, मुझे बी० एस०
दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है। जो जी० टी०
रोड गाल परागपुर जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जगतसिंह पुत्र लाभू सिंह पुर सावन मल मोहल्ला
गोविन्द गढ़, जलन्धर (अन्तरक)

2. श्री भूपिन्द्र सिंह पुत्र करतार सिंह 146 लाजपत-
राय, नगर जलन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा ऊपर में 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधि-
भोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन 6 कनाल 1 मरला साथ फैक्टरी भैंड और (बजही
को भेजन जैसा कि विलेख नं० 271 अप्रैल 1978 को
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

बी० एस० दहिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जलन्धर

दिनांक 5-12-1978

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जलन्धर

जलन्धर, दिनांक 7 दिसम्बर 1978

निर्देश नं० ए० पी० नं० 1856—यतः मुझे, बी० एस० दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है। तथा जो मावगढ़ा, तहसील में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जलन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती गुर बंत कौर बेवा अमर सिंह ई० एच-195 सिविल लाइनज जलन्धर। (अन्तरक)

2. (1) श्री मनमोहन सिंह पुत्र नारंजन सिंह ई० एच-35 लाडोवियली रोड जलन्धर, (2) परमिन्द्र कौर पत्नी गुरचरन सिंह पुत्र राम सिंह गांव सोरोया तहसील गढ़ संकर (3) रतन कुमार पुत्र बारमानंद बंडाला तहसील फलीर (4) रकेश कुमार पुत्र मोहन लाल पुत्र रामचन्द्र गांव जाडिआला (अन्तरिती)

3. जैसा ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-अ में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन 46 1/2 अरले जो गांव गढ़ा में स्थित है जैसा कि विलेख नं० 104 अप्रैल 1978 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जलन्धर में लिखा है।

बी० एस० दहिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जलन्धर

तारीख : 7-12-1978
मोहर :

प्रकट धार्मिक टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जलन्धर

जलन्धर, दिनांक 7 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० ए० पी० नं० 1857—यतः मुझे, बी० एस० दहिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जलन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जलन्धर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-4-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अन्तर्गण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री गुरबख्श सिंह पुत्र नौद सिंह पुत्र सुरेण सिंह गाँव गुदाई पुर तहसील जलन्धर ।

(अन्तरक)

2. श्री (1) गुरबचन सिंह पुत्र पुना सिंह (2) गुरमीत कौर पत्नी संता सिंह रंधावा मासदा (3) बलबीर सिंह पुत्र गायीया राम (4) बलकार सिंह पुत्र सेवा सिंह जलन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा ऊपर नं० 2 में है ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो आदमी सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

8 कनाल, 10 मरले, जमीन जो जलन्धर में स्थित है जैसा कि विलेख नं० 542—अप्रैल 1978 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जलन्धर में स्थित है ।

बी० एस० दहिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जलन्धर

तारीख : 7-12-1978 ।

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, जलन्धर

जलन्धर, दिनांक 7 दिसम्बर 1978

निर्देश नं० ए० पी० 1858—यमः मुखे बी० एस०
दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है। तथा जो
हुसियारपुर रोड जलन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय जलन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल 1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर, अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रार्थित:—

1. श्रीमती ऊशा बिज बेवा किशन कुमार एन० बी०
307 हुसियारपुर रोड जलन्धर (अन्तरक)

2. श्री राजिन्द्र कुमार कोहली पुत्र जगदीश चन्द्र मलक
राजिन्द्रा कोलि डिपू हुसियारपुर रोड जलन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों, पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

20 मरला प्लॉट जो हुसियारपुर रोड जलन्धर पर
स्थित है जैसा कि विलेख नं० 280 अप्रैल 1978 को
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जलन्धर में लिखा है।

बी० एस० दहिया,
सक्षम प्राधिकारी

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, जलन्धर

तारीख: 7-12-1978

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जलन्धर

जलन्धर, दिनांक 7 दिसम्बर 1978

निदेश सं० प्र० प० नं० 1859—यतः मुझे बी० एस० दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो गांव चक हुसैना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जलन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख, अप्रैल 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों), के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त, अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अवतार सिंह पुत्र अमर सिंह खुद और मुख्तयारआम
2. गुरमीत कौर पुत्री अमर सिंह 3. सुरिन्दर कौर पुत्री
अमर सिंह 4. जगतार सिंह पुत्र अमर सिंह चक हुसैना
जलन्धर (अन्तरक)

2. आसानाद, रमेश कुमार पुत्र अनंत राम गांव चक,
हुसैन जलन्धरा (अन्तरिती)

3. जैसा ऊपर नं० 2 में है ? (वह व्यक्ति जिसके अधि-
भोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जनता है कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति के हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

8 कनाल 17 1/2 मरखे जमीन जो चक हुसैना में स्थित
है। जैसा कि विलेख नं० 120 अप्रैल 1978 को रजिस्ट्रार
कर्ता अधिकारी जलन्धर में लिखा है।

बी० एस० दहिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जलन्धर

तारीख : 7-12-1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार

पटना, दिनांक 7 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० 111-291/अर्जन०/78-79—यतः मुझे

जे० नाथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० तौजी नं० डा० 86 खाता नं० 106 है, तथा जो खसरा नं० 5175, मौजा खिलचीपुर दीधा पटना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री टेक नारायण राय पुत्र स्वर्गीय पुनितमोप निवासी ग्राम खिलचीपुर दीधा पी० ओ०/पी० एस० दीधा जिला पटना (अन्तरक)

(2) श्री ऐडवीन ऐन्वोनी सिरील पुत्र स्वर्गीय सेराफीन ऐन्डरन सिरील ग्राम प्रानन्दपुरी बोरिंग कैनल रोड, पश्चिम पटना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरारी जमीन का रकबा 5 कट्टा 10 धूर जिसका तौजी नम्बर 5175 खाता नम्बर 1036 खसरा नम्बर 2201 थाना नम्बर 1 फुलवारी जो मौजा खिलचीपुर दीधा पटना के अन्तर्गत है जो पूर्ण रूप से दस्तावेज नम्बर 1676 दिनांक 16-3-78 में वर्णित है और जो जिला अवसर निबन्धक पदाधिकारी पटना द्वारा पंजीकृत है।

जे० नाथ
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, परिक्षेत्र बिहार, पटना

तारीख : 7 दिसम्बर 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 नवम्बर 1978

निदेश सं० 205/78-79—यतः, मुझे के० एस० वेंकट रामन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० शाप नं० 2 है, जो सारार-बु-दोमलगुडा में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
मार्च 1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
की, जिन्हें भारतीय, आयकर अधिनियम, 1922
(1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में
मे उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री स्वातीक वीलडर्स 1-2-524/3 दोमलगुडा
हैदराबाद (अन्तरक)

(2) श्री रमेश कुमार अग्रवाल घर नं० 21-2-663
उरदुशरीफ धारकमान हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

शाप नं० 2 जमीन का सत्ता सारार-बु-दोमलगुडा हैदराबाद
रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1069/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय
हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-11-78

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

हैदराबाद, अर्जन रेंज

हैदराबाद, दिनांक 16 नवम्बर 1978

सं० 206/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० आफिस नं० 215 है, जो सारार बु०
दोमलगुडा स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन मार्च 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है;

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धार्यातः—

(1) श्री स्वातीक बुलर्डस धर नं० 1-2-524/3 दोमल
गुडा हैदराबाद (अन्तरक)

(2) मास्टर राजेन्द्रा कुमार अग्ररवाल 21-7-69
रामसीबाजार हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रज्ञा के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

आफिस नं० 215 II मनजीला सारार वें 1-2-524/3
मकान नं० दोमलगुडा हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 965/78
उपरजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-11-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 नवम्बर 1978

सं० 207/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० आफिस 216 है, जो दोमलगुडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसे किसी प्राय या कर्जा वन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 1—

(1) श्री स्वास्तीक बुलडर्स 1-2-524/3 दोमलगुडा हैदराबाद (अन्तरक)

(2) श्री मास्टर राजेन्द्रा कुमार अगरवाल (मैजर) इकेरकवाले पीता स्त्री ईश्वर लाल अगरवाल 21-7-69 धानसीवाजर, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अफिस नं० 216 II मनजीला सारास्व 1-2-524/3 दोमलगुडा हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 967/78 उप-रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16 नवम्बर, 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री स्वास्तीक बुलडर्स 1-2-524/3 दीमलगुडा
हैदराबाद (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 नवम्बर 1978

निर्देश सं० 208/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० आपीस नं० 10 है, जो सागरबु-दीमलगुडा स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1978।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे है अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है : —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया गया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

(2) श्री कुमारी शीतल देवी (मैज्रर) पीता जे० शनकरलाल अमरवाल घर नं० 15-1-53 उसमान गांव हैदराबाद। (अन्तरिती)

(अन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शाप नं० 10 आर० सी० सागरबु मकान नं० 1-2-524/3 दीमलगुडा हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1075/78 उपरजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 16-11-78

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

हैदराबाद, दिनांक 16 नवम्बर 1978

सं० 209/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० साफ नं० 11 है, जो सारस्वु दोमलगुडा स्थित है (और इस पाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1978।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित शक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री स्वामीक ब्रुलडर्स 1-2-524/3 बीमलगुडा हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) कुमारी मीनाशी देवी (मैवर) रकवाला पीता है जं० शतुकारलाल अरावलाल 15-1-53, पवालन रानध हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शाफ नं० 11 मेय सी० सारस्वु मकान नं० 1-2-524/3 दोमलगुडा हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1076/78 उप रजिस्ट्रीकार्यालय हैदराबाद में

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज हैदराबाद

तारीख : 16-11-78
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) स्वावीक बुलडस 1-2-524/3 दीमलगुडा हैदराबाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

भारत सरकार

(2) श्रीमती मरबदा बाई (2) श्री मुकुन्दलाल पीती
(3) लक्ष्मीनीवास तीती 4-1-10 तीलक रास्ता हैदराबाद

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(अन्तरिती)

अर्जन रेंज,

हैदराबाद, दिनांक 16 नवम्बर 1978

सं० 210/78-179—यतः मेसे के० एस० वेंकट रामन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सशम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये
से अधिक है

और जिसके सं० शाफ नं० 1 है, जो सागरबु दीमलगुडा
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में
भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन मार्च 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीमें) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्राप्त नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
निम्नलिखित व्यक्तियों, के अधीन प्रार्थित :—

6—396जी०आई०/78

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

संश्लोकणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

शाफ नं० 1 सारार बु जमीनका सता नं० 1-2-524/3
दीमलगुडा हैदराबाद रजिस्ट्री वस्तावेज नं० 96 6/78 ऊपरजिस्ट्री
कार्यालय हैदराबाद में

के० एस० वेंकट रामन
सशम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-11-1978

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री स्वातीक नील इस्ट्री, धीमलगुडा हैदराबाद
1-8-519/8

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(अन्तरक)

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

हैदराबाद, दिनांक 16 नवम्बर 1978

(2) श्री डाक्टर के राजेश्वर 1-8-529/8 धीकडपली
हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

सं० 211/78-79—यतः मुझे के० एस० बेकट रामन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० आपीस नं० 217/2 है, जो खासतः बु
दीमलगुडा स्थित है (और इससे पाबद्ध अनुसूची में और
पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन मार्च 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायिदग में
कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए ;

यद्यः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, नै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, कथितः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आपीस नं० 217 (50%) बीस्टेन 556 वर्ष फीट
सारारबु 1-2-524/3 दीमलगुडा हैदराबाद रजिस्ट्रीकरण
दस्तावेज नं० 951/78 ऊपरजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद

के० एस० बेकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16-11-1978
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एच० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

हैदराबाद, दिनांक 16 नवम्बर 1978

सं० 212/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकट गरामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० अपरीस न० 217/2 है, मूल्य 2500/- से अधिक है (और जिसकी सं० अपरीस न० 217/2 है, जो समरबु दीमलगुडा स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-सूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1978।

पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री स्वातीक बुलडर्स 1-2-524/3 दीमलगुडा हैदराबाद (अन्तरक)

(2) श्रीमती लक्ष्मी सुब्रमनयम 1-2-412/2 रामनमहल कालोनी हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अपरीस न 217 (50%) II सतीपर साराह बु दीमलगुडा हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज न० 960/78 रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी,
निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त,
अर्जन रेंज हैदराबाद

तारीख: 16-11-1978।

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

हैदराबाद, दिनांक 16 नवम्बर 1978

निर्देश सं० 213/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन),

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० आपीस नं० 109 है, जो सागर वे० दीमलगुडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णतया से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1978।

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) स्व स्तीक बुलडॉस 1-2-524/3 दीमलगुडा हैदराबाद (अन्तरक)

(2) श्रीमती श्री हेमलता घर नं० 6-3-609/170 हैदराबाद हैरदा, आनन्दनगर कलोनी हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कार्यालय नं० 109 I सागर सामग दीमला हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1072/78 उपरजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 16-11-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 नवम्बर 1978

स० 214/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी स० कार्यालय नं० 206 है, जो सागर बु० दीमलगुडा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16), के अधीन मार्च 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल का लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थित:—

(1) श्री स्वास्तीक बुलडर्स धर न० 1-2-524/3 दीमलगुडा हैदराबाद (अन्तरक)

(2) श्री एन० मोहन रेडी 3-6-198 हीमार्पतनगर हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20—क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कार्यालय नं० 206 II मजीलेपर सागर बु० धर नं० 1-2-524/3 दीमलगुडा हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1070/78 उप राष्ट्रीय कार्यालय हैदराबाद में

के० एस० वेंकट रामन
 सक्षम अधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 16-11-1978

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री स्वास्तिक बुलडर्स 1-2-524/3 दोमलगुडा हैद्राबाद (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एस० श्रीगणकुमार 553 सीमाजीगुडा हैद्राबाद (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज,

हैदराबाद, दिनांक 16 नवम्बर 1978

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :—

सं० 215/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० आपीस नं० 208 है, जो सारावरु दोमलगुडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पुनरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैद्राबाद में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के अन्तर्गत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाधत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

कार्यालय घर नं० 208 II मनजेलेपर सारावरु दोमलगुडा हैद्राबाद में घर नं० 1-25-24/3 है रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 688/78 उपरजिस्ट्री कार्यालय हैद्राबाद में।

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

प्रतः धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार न, न, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्तः—

तारीख : 16-11-1978।

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 नवम्बर 1978

सं० 216/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी

सं० कार्यालय में दुकान सं० 15 आर० सी० सागर वीयु० कुमलागुडा में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1978।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री स्वास्तीक बुलडर्स 1-2-524/3 दीमलगुडा हैदराबाद (अन्तरिक)

(2) श्रीमती लीला पेस संकलीधा पती पेस, यन संकलोधा 6 ये "सुकबीवास" 3 मांघीला पास्टेलन कोलाबु बामबे 400005। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क, में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कार्यालय नं० 15 आर० सी० सागरबु घर नं० 1-2-524/4 वीमलगुडा हैदराबाद रजिस्ट्रीकरण बेज नं० 1071/78 उपरजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 16-11-1978
सोहर :

प्ररूप भाई० डी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 नवम्बर, 1978

सं० जे० 217/78-79—यस: मुझे के० एस० वेंकट रामन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है,
और जिसकी सं० शाफ 13 है, जो सागर बुदीमलगुड़ा स्थित है
(और जिससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
मार्च 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या धन्य प्राप्तिओं
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) मैसर्स स्वास्तीक बुलडर्स 1-2-524/3 दीमलगुड़ा
हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पी० कृष्णावेली पत्नी पी० लक्ष्मीनारायणा
15-8-417/ फीलकाना, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करना हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोटोस्टाशरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम
के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रर्थ
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलगी नं० 13 जमीन का सतापर सागर बु 1-2-524/3
दीमलगुड़ा हैदराबाद में दस्तावेज नं० 964/78 उपरजिस्ट्री
कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-11-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 नवम्बर 1978

सं० 218/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० शाफ नं० 14 है, जो सागर वु दीमलगुडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) 24-3-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

7—396GI/78

1. मैसर्स स्वास्तीक बुलडर्स 1-2-524/3 दीमलगुडा, हैदराबाद। (अन्तरक)

2. श्रीमती पी० लक्ष्मीनरसम्मा घर नं० 15-8-417/1 फौलकाना, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 14 जमीन की सता पर 1-2-524/3 दीमलगुडा रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 962/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी;
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण).
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-11-78

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 नवम्बर 1978

निर्देश सं० 219/83/78-79— यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मलगी नं० 8 है, जो सागरबु दीमलगुडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रस्तुति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स स्वाछित बुलडसं 1-2-524/3 दीमल गुडा हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमती शकुनतला बाई 21-2-663 अरदु शरीफ धारकमान हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाकोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलगी नं० एम० सी० नं० 8 सागरबु नं० 1-2-524/3 दीमलगुडा हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1074/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16 नवम्बर 1978
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 नवम्बर 1978

सं० 220/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मलगी नं० 12 है, जी सागर बुदीमलगुडा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मैसर्स स्वास्तीक बुलडॉर्स घर नं० 1-2-524/3 दीमलगुडा हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० रामचन्द्रा रेड्डी अडवकेट जेनरल 3-6-467/1 हरडीकर बाग हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलगी नं० 12 एफ० सी० सामनेका बाग सागरबु 1-2-524/3 दीमलगुडा हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1073/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16-11-1978

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 नवम्बर, 1978

सं० 221/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है,

और जिसकी मलगी नं० 6 है, जो सागर बुदीमलगुडा
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख मार्च 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
एसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या।

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनांश
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स स्वास्तीक बुलडर्स 1-2-524/3 दीमलगुडा
हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. (1) श्री ईन्द्र सिंह

(2) श्री रघुबीर सिंह।

(3) श्री आनन्द सिंह — घर नं० 105-आद नगर
हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलगी नं० 6 सागर बु- 1-2-524/3 दीमलगुडा हैदराबाद
में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 779/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय
हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-11-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 नवम्बर 1978

निर्देश सं० 222/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकटरामन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मलगी नं० 7 है, जो सागर बु-दीमलगुडा में स्थित है (और इससे उपायध्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) स्वास्तीक बुलडर्स 1-2-524/3 दीमलगुडा हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. (1) श्री इन्दर सिंह।

(2) श्री रघुबीर सिंह।

(3) श्री आनन्द सिंह घर नं० 105 आदर्श नगर हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलगी नं० 7 सागर बु- 1-2-524/3 दीमलगुडा हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 778/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-11-78
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 नवम्बर 1978

सं० 223/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० मलगी नं० 9 है, जो सागर बु-दीमलगुडा में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन 1 मार्च 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री स्वास्तीक बुलडर्स दीमलगुडा नं० 1-2-524/3
हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती श्रीकांत गंगमल घर नं० 8-2-678/1
रास्ता नं० 12-बनजारा हीसल हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वह
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलगी नं० 9 जमीन के सतह पर सागर बु-धर नं० 1-2-
524/3 दीमलगुडा हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज 963/78
उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-11-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 नवम्बर 1978

सं० 224/78-79—यतः, मुझे, के० एस० वेंकट रामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 9/1 एफ है, जो ससकुनगर गड में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद इस्ट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-3-78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः—

1. श्री वल्लुरी धीनमामनी ललीतेश्वर राजु पिता बी० वेंकटेश्वरलु 5-6-कीतापेट, हैदराबाद।
(अन्तरक)

2. मैसर्स वेंकटेश्वर श्वापरेटीय हाउस बिलडींग सोसाइटी लिमिटेड सखरनगर-अदीकानेट नं० राम मोहन शास्त्री 3-5-1140 रामकोटे हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

5/12 भाग जीरायती जमीन में इस नकसे में सर्वे नं० 9/1/ फ सखरनगर गई हैदराबाद तुपे में हैदराबाद जिला बीस्टन 4 एकड़-07 गुनटास रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1711/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद तुपे में।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 19-11-1978
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 नवम्बर 1978

सं० 225/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० एस० नं० 9/1/एफ है, जो सकुनगर गाउ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद तुपे में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-3-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान, प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीवलुरीसीवाकोटेश्वरराजपुल्लवलुरीवेनकटेश्वलु वेनकटेश्वलु-1 कीतपिट हैदराबाद-500035।
(अन्तरक)

(2) वेनकटेश्वरा कोआपरेटिव हौज-बीलडीनग सोसाइटी लिमिटेड सकुनगर उसका सेक्रेटरी नं० राममोहन हैदराबाद।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

5/12 शेर बेचने वाले का जीरायती जमीन में 10 एकड़ में से सर्वे नं० 9/1/एफ सकुनगर गाउ ये हैदराबाद तुपे हैदराबाद जिला 4.07 एकड़ रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1712/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद तुपे में।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16-11-1978

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 नवम्बर 1978

निर्देश सं० 226/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 11 है, जो बेगमपेट हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्भूत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
8—396 GI/78

1. मैसर्स जब्बार रीएल इस्टेट कार्यालय नं० 54
मल्लागुड़ा, सीकिन्द्राबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमती ऊषा बाई पिता डाक्टर गुरुदत्तमल एच०
ए० एल० कालोनी बालारामू हैदराबाद।

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 11 दूसरा मंजिला 1-11-252/1 बेगमपेट
हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 640/78 उप रजिस्ट्री
कार्यालय सिकन्दराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 17-11-78
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर का कार्यालय

बंगलूर, दिनांक 8 नवम्बर 1978

सं० सी० आर० सं० 62/17368/78-79/एक्यू/बी०—
यतः मुझे जे० एस० राव
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 6/18, है, जो 1st मेन रोड, वयालीकावल
एकस्टेशन बंगलूर-3 (दावा सं० 45) में स्थित है और
(इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गांधी नगर बंगलूर,
दस्तावेज सं० 154/78-79 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12-4-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1. (1) श्री गोविन्दा राव भोजागडे
- (2) श्री रामचन्द्रा राव भोजागडे, पुत्रान श्री शामा
राव भोजागडे दोनों का पता सं० 192, 5 मैन रोड
वयालीकावल, बंगलूर-3।

(अन्तरक)

2. (1) श्री रामायह षट्टी पुत्र स्वर्गीय अद्रेप्पा षट्टी
- (2) श्री सत्यनारायना षट्टी पुत्र रामायह षट्टी
- (3) श्री ननजुन्डा षट्टी पुत्र रामायह षट्टी सब
सं० 16, फस्ट करास नेहरू नगर सेशादरीपूरम
बंगलूर-560020 में रहते हैं।

(अन्तरिती)

3. श्री नरसिमहन

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 154/78-79 ता० 12-4-78)

सम्पत्ति सं० 6/18, फस्ट मैन रोड वयालीकावल एकस्टेशन
बंगलूर-3 (डीवीजन सं० 45)।

बानडारीस:—

उत्तर: रोड

दक्षिण: वरोषाबेन्द्रा का घर सं० 7

पूर्व: रोड।

पश्चिम: घान्तयड सं० बना हुआ घरसाईट का सं० 50

जी० एस० राव

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

तारीख: 8-11-1978

मोहर:

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 8 नवम्बर, 1978

निदेश सं० 62/17380/78-79/ए०सी०क्यू०बी—यतः

मुझे जे० एस० राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० पुराना, 983 और नया 48 है, तथा जो ऊलद कचेरी रोड, नरथपेट बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय (डोवी सं० 2), गांधीनगर, बेंगलूर दस्तावेज सं० 185/78-79 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्थात्:—

1. (1) श्री एस० सी० मुनियप्पा सुपुत्र श्री चन्नारायप्पा
- (2) श्रीमती रयनममा पत्नी एस० सी० मुनीयप्पा
- (3) श्री एस० एम० सुरेन्द्र कुमार सुपुत्र „

(4) मिस मंजुला सुपुत्री एस० सी० मुनियप्पा

(5) मिस एह० एम० शोभा सुपुत्री „

(6) श्री एस० एम० चन्द्राशेकर सुपुत्र „

(7) श्री एस० एम० मुराली सुपुत्र „

(सं० 6 और 7 माइनरस है और उनके पिता एस० सी० मुनीयप्पा, रिप्रेजेन्ट कर रहे हैं।

पता सं० 49, सुबरामा चट्टी, रोड, बसावनगुडी, बेंगलूर-4 (अन्तरक)

2. श्री एन० एस० कृष्णामूर्थी

सुपुत्र स्व० एन० के० सुब्बेयह सेट्टी,

सं० 584 सषकन राव रोड

विषयेश्वरम, बेंगलूर-4 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 185/78-79 ता० 15-4-78)

खाली साइट और एक छोटा बनाया हुआ घर तथा सं० पुराना 983 और नया 48 ऊलद कचेरी रोड, नगरथपेट, बेंगलूर (डिजीजन सं० 2)।

बोनडारी:—

पूर्व : रोड

पश्चिम : पुट्टप्पा का घर

उत्तर : मैन रोड

दक्षिण : कनसरवेनसी रोड।

जे० एस० राव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर।

तारीख 8-11-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 8 नवम्बर 1978

निदेश सं० 62/17398/78-79/ए० सी० ब्यू०/बी—यतः
मु० जे० एस० राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है
और जिसकी सं० 52/1-बी, घर के साथ सं० 16-128 से
16-151 है तथा जो शीताली विलेज मनीपाल, उड़ीसा तालुक
एस० के० डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-
सूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
कार्यालय उड़ीपी, दस्तावेज सं० 34/78-79 में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-3-78
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स जनरल इन्वेस्टमेंट और कमरशियल कारपोरेशन
लिमिटेड, जिनकी रजिस्टर्ड आफिस सिन्डीकेट होज,
मनीपाल में है, तथा उनके चेयरमैन पी० वेनकटेश
नायक उड़ीपी कम्पनी कि और से है।

(अन्तरक)

2. मैसर्स केनारा लयन्ड इन्वेस्टमेंट लिमिटेड कम्पनी
जिनका रजिस्टर्ड आफिस, सिन्डीकेट होज, मनीपाल
में है, कम्पनी की ओर से जनरल मयानेजर टान से
मोहम्मद दास पाथ मनीपाल उड़ीपी तालुक एस० के०
डिस्ट्रिक्ट रेपरसन्ट कर रहे हैं।

(अन्तरिती)

3. (1) मैसर्स मनीपाल पातर परेस, सं० 16-129,
130, 131, 132, 134, 135, 136, 137,
138, 139, 140, 141, 144, 146, 148,
149, 151,

(2) श्री डेविड वेदामुथ्या सं० 16-128

(3) श्री टी० प्रभाकर पाथ 116-133

(4) टी० रामचन्द्रा पाथ 16-142

(5) श्री टी० वेनेडिकटा 16-143

(6) दी अकाडेमी आफ जनरल यवोकेशन 16-145

(7) मनीपाल टायिल वर्कर्स

(8) श्री बी० नारायणा नायक 16-150

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 34/78-79 तारीख 13-4-78)।

जमीन 1 ए 30 सी, तथा जो सरवे सं० 52/1बी, घर के
साथ दरवाजा सं० 16-128 से 16 151 शीवाली विलेज,
मनीपाल उड़ीपी, तालुक एस० के० डिस्ट्रिक्ट।

जे० एस० राव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 8-11-78

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 8 नवम्बर 1978

निवेश सं० 62/17633/78-79/एक्यू०/बी—अतः मुझे, जे०

एस० राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी नया सं० 2% है, तथा जो गांधी बाजार रोड, बसावनगुडी, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दस्तावेज सं० 3353/77-78 बसावनगुडी, बेंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-3-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में; मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री यू० एस० सुन्दर सुपुत्र यू० के० पनमोगप्पा सं० 153/2, ओल्ड मदरास रोड, अलसूर, बेंगलूर-8। (अन्तरक)

2. मैसर्स दक्षिणा बेंगलूर, थावासर, आतरीया समाधा सं० 151/2, डाक्टर डी० पी० जी० रोड, बसावनगुडी बेंगलूर,

Reply this President श्री टी० एरप्पा, सुपुत्र लेट वेनकोबा राव योन्ट रोड, हनुमान नगर, सुनकेनाहल्ली, एक्सटेन्शन, बेंगलूर-19 सचिव, श्री बी० एम० कृष्णा राव, सन्नेयी सुपुत्र स्व० मुनीसामी राव, महालक्ष्मी टमपल कुमार पारक, वेस्ट बेंगलूर और कोषाध्यक्ष : श्री बी० एस० वेनूगोपाला, राव सुपुत्र स्व० श्री बी० सागप्पा राव सं० 19, II मेन रोड, एन० आर० कालोनी, बेंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3353/77-78 ता० 30-3-78)

सम्पत्ति नया 2 गांधी बाजार, रोड, बसावनगुडी, बेंगलूर-4
बानडारीस :

पूर्व : सम्पत्ति

श्री यू० एस० विरोपाकषपय

श्री यू० एस० षन्मालिन्गप्पा

और डाक्टर मनोहर

पश्चिम : श्री जी० बी० रुद्रप्पा की सम्पत्ति

उत्तर : सम्पत्ति सं० नये 1, 3 और 4 गांधी बाजार
रोड पर।

दक्षिण : कासरवेनसा लेन।

जे० एस० राव,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, बेंगलूर।

तारख : 8-11-78

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 23 नवम्बर 1978

निदेश सं० सी० आर० 62/17591/78-79/ए० सी० क्यू०/बी—यतः मुझे, पी० रंगानाथन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 43/1, तथा जो हेच, बी० समाजा रोड, 4th फ़्लास, बसावनगुडी, बेंगलूर-4 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय बसावनगुडी, बेंगलूर-4 दस्तावेज सं० 3159/77-78, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13-3-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री बी० बी० रामायण पट्टी, सुपुत्र बी० वेंकटरामन
- (2) श्री बी० आर० नागराज वही
- (3) श्री बी० आर० नारायणामुर्ती वही

(4) श्री बी० आर० सरिनीवासामुर्ती सबका पता, सं० 608, 6th फ़्लेन रोड, 6th फ़्लास, डनुमंताननगर, बेंगलूर-560019, श्री बी० बी० रायमह पट्टी, अपने महानर लड़के सगपा को रेप्रेजेंट कर रहे हैं।

(अन्तरक)

2. (1) श्री एस० बी० रथनयया, सुपुत्र श्री वेंकटप्पा सं० 65, गोविन्दप्पा, रोड, बसावनगुडी, बेंगलूर-4।

(2) श्री एस० आर० मोहन सुपुत्र एस० बी० रथनययापट्टी, सं० 14, पहली मंजिल, पीबागंगा, यह रोड, चामराजपेट, बेंगलूर-18।

(अन्तरिती)

* (3) श्री राम रास बरहमापचारी
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 3159/77-78 ता० 13-3-78]

संपत्ति सं० 43/1 एच० बी० समाजा रोड, 4th फ़्लास बसावनगुडी, बेंगलूर-4 (डिवीजन सं० 33)।

चक्रबन्दी :

पूरब : श्रीराम कृष्णा पट्टी की सम्पत्ति।

पश्चिम : गोविन्दप्पा रोड।

उत्तर : श्री के० छलापाती की सम्पत्ति

दक्षिण : एच० बी० समाजा रोड,

पी० रंगानाथन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 23-11-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 22 नवम्बर 1978

निर्देश सं० 62/16677/78-79/ए० सी० ब्यू० (एम)—यतः
मुझे पी० रंगनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1442/41 ए०, 39/2, फ़ास, है तथा जो 4 ब्लॉक
जयनगर, बेंगलूर, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयनगर,
बेंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन 27-3-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, विधान में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थीतः—

1. (1) श्रीमती लक्ष्मी देवध्या, पत्नी श्री वि० टि० शंकर
(2) कुमार बि० एस० सेमशेखर
(3) कुमारी बि० एस० सौभाग्या
(4) कुमारी बि० एस० देवी
(5) कुमार बि० एस० हरीश
(6) कुमारी बि० एस० तारादेवी और
(7) कुमारी बि० एस० लोकी,
सं० 176, तीसरा ब्लॉक,
जयनगर, बेंगलूर-11

I, No. 2 to 7 are
Minors vep by
यां श्री लक्ष्मीदेवध्या

(अन्तरक)

2. श्री पटेल बंजा रेड्डी, सुपुत्र स्वर्गीय सिम्या
रेड्डी, चीमनडूल्ली गांव, कसबा डोबली, चित्तौरी
तालुक, कोलार जिला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज, सं० 3275/77-78 ता० 27-3-78)

सारी सम्पत्ति का नं० 1442/41/ए, 39 फ़ास 4 ब्लॉक,
जयनगर, बेंगलूर-11

चकबन्दी :

उत्तर : 39 फ़ास,

दक्षिण : प्राइवेट प्रापर्टी (प्रापर्टी)।

पूर्व : प्राइवेट प्रापर्टी और

पश्चिम : प्राइवेट प्रापर्टी

पी० रंगनाथन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 22-11-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 23 नवम्बर, 1978

निर्देश सं० सी०आर० 62/17645/78-79/ए०सी०क्यू०/
—यतः मुझे पि० रंगनाथन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 837, 5 में, है तथा
जो 5 फ़ास रोड पश्चिम चार्ड रोड, विजय नगर बेंगलूर-40
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण
रूप वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
श्री रामपुरम, बेंगलूर, दस्तावेज नं० 263/78-79 में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-4-78
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
सिद्धि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री एन० एस० मल्लदेवय्या सुपुत्र सिद्धरायय्या
सं० 837, 5 में, 5 फ़ास, मागडि रोड, चार्ड रोड,
विजयनगर, बेंगलूर-40

(अन्तरक)

2. श्रीमती दुर्गम्बा, पत्नी स्वर्गीय ऊनुयन्तय्या,
सं० 837, 5 में, 5 फ़ास, मागडि रोड, चार्ड रोड,
विजयनगर, बेंगलूर-40

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 263/78-79 ता० 21-4-78)

सारा सम्पत्ति का नं० 837, 5 में, 5 फ़ास रोड, पश्चिम
चार्ड रोड, विजयनगर, बेंगलूर-40

चकबन्दी :

पूर्व : रोड
पश्चिम : जगह का नं० 820
उत्तर : जगह का नं० 836 और
दक्षिण : जगह का नं० 838

पि० रंगनाथन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख 23-11-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बंगलूर, दिनांक 22 नवम्बर, 1978

निर्देश सं० सी० ए० 62/16762/78-79/ए० सी० क्यू०/बी—

यतः मुझे पि० रंगनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० पुराना नं० 5/91, नया नं० 1, कुंभारपेट, बेंगलूर है तथा जो 4 फ़ास, सादर पथर्था रोड, में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गांधीनगर, बेंगलूर सं० नं० 3875/77-78 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथमः—

— 396GI/78

1. (1) श्री गुमीबुखरीन शरीफ सुपुत्र स्वर्गीय एस० सियाजुद्दीन शरीफ श्री नसीरुद्दीन, मोहम्मद शरीफ यानु (उर्फ) आशीफ पाशा ।

(2) श्रीमती शकिला बानु पति मय्यद, आमीर अली, और

(3) श्रीमती शशीबा बानु नं० 2103 मंडी मोहल्ला मैसूर-1 (अन्तरक)

2. (1) श्रीमती वाय् एवमसुद्धिन्मा सुपुत्री सैय्यद याकूब साहेब,

(2) वाय् फातियुन्निसा सुपुत्री सैय्यद सूकूब साहेब सं० 8, 4 फ़ास, सादर पथर्था रोड, कुंभारपेट, बेंगलूर-2

(अन्तरिती)

3. श्री एच० के० आबदुला बाशा

(यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3875/77-78 ता० 23-3-78)

सारा सम्पत्ति का पुराना नं० 5/31, नया नं० 1, 4 फ़ास सादरपथर्था रोड, कुंभारपेट, बेंगलूर डिवीजन सं० 40) ।

चक्रवर्ती :

पूर्व : प्रायवेट प्रापर्टी

पश्चिम : रोड

उत्तर : प्रायवेट प्रापर्टी और

दक्षिण : लेन और फायन्ना का घर ।

पि० रंगनाथन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 22-11-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बंगलूर

बंगलूर दिनांक 22 नवम्बर 1978

निर्देश सं० सी० आर० 62/16741/78-79/ए०सी०क्यू०/ (बी) —यतः मुझे पि० रंगनाथन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थवर सम्पत्ति, जिस का उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 13 अंदाजनामा गली है तथा जो काबड़ी रेवणा सट्टी पेट बंगलूर-560002 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गांधीनगर बंगलूर-दस्तावेज सं० 3774/77-78 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या धन्य वास्तवियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ख की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों/व्यक्तियों :—

1. (1) श्रीमती गगम्मा पत्नी श्री कृष्णप्पा सं० 80-81 कानटीना कृष्णप्पा गली काटनपेट बंगलूर 1
- (2) शनकम्मा पत्नी श्री वैकुण्ठय्या सं० 13 अंदाजनामा गली काबड़ी रेवणा सट्टी पेट बंगलूर-2
- (3) हुलियप्पा सुपुत्र स्वर्गीय एच० मुनीयप्पा सं० 80-81 कानटीना कृष्णप्पा गली काटनपेट बंगलूर-2 (अन्तरक)
2. (1) टी० अन्नययप्पा पुत्र श्री टी० थिमययह
- (2) श्री टी० नारायणप्पा अवेध दोनों का पता है : सं० 17 सधीवानायक हल्ली आवेनियो रोड कास बंगलूर-2 (अन्तरिती)
3. (1) श्री शिवाराध
- (2) पेरमाल
- (3) श्रीमती चिन्मम्मा
- (4) वेलियम्मा श्री पन्थप्पा ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3774/77-78 ता० मार्च 78)

सम्पत्ति सं० 13 अंदाजनामा गली काबड़ी रेवणा सट्टी पेट, बंगलूर-2

चक्रवर्ती :

उत्तर : प्राइवेट सम्पत्ति

दक्षिण : प्राइवेट सम्पत्ति

पूरब : प्राइवेट सम्पत्ति और

पश्चिम : रोड

पि० रंगनाथन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बंगलूर

तारीख 22-11-1978

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 नवम्बर 1978

निदेश सं० एनओएल/7/77-78—प्रतः मुझे नत्थू राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इससे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान का भाग जो राजस्थान भवन से जाना जाता है और जिसकी भूमि का क्षेत्रफल 6322 वर्ग मीटर है तथा जो गांव थोड़ी दी० माल सोलन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध आयुक्तों में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकारि अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती फूलन देवी पत्नी निहाल चन्द गंगवाल वासी 9-सी लौरड सिन्हा रोड, कलकत्ता-16 (अन्तरक)
2. (1) श्री बन्सीधर पुत्र श्री जौहरी लाल दी माल सोलन
(2) श्री इन्दरसख पुत्र श्री प्रकाश चन्द सी० ए० 18/39 शक्ति नगर, दिल्ली।
- (3) श्री महिन्दर दास जैन पुत्र श्री महावीर प्रसाद जैन जैन हाउस दी माल सोलन।
- (4) श्री यादव चन्दर जैन पुत्र राम चन्द्र जैन प्रोफेसर एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी राजस्थान भवन सोलन।

(5) श्री नारायण लाल सुथर पुत्र मोहन लाल सुथर वासी 9 सखर्ग डाकघर महतापुर जिला ऊना (हि० प्र०)

(6) श्री जौहरी लाल पुत्र श्री मुख राम मारफत मैसर्स जौहरी लाल बन्सीधर दी माल सोलन।

(7) श्री अरविन्द कुमार पुत्र चन्द्र भान मारफत चन्द्रभान आनन्द प्रकाश 31-ए कमला नगर नई दिल्ली।

(8) श्री अभी सेख मनु संघवी, पुत्र श्री एल० एल० संघवी, बकील वासी 30 लोधी इस्टेट, नई दिल्ली।

(8) श्री समपत राज रानका पुत्र चन्द्र मल वासी रायपुर, मारवार, जिला पाली, राजस्थान।

(अन्तरिती)

3. (1) वी डीन, एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, सोलन।
- (2) श्री हरिसिंह, बाबा, प्रोफेसर एजुकेशन, कालिज, राजस्थान, भवन सोलन।
- (3) श्री सुरेश कुमार गुप्ता, मालिक फ्रेंड्स जनरल स्टोर, दी माल, सोलन।
- (4) श्री राम करण गुप्ता, टी स्टाल, राजस्थान भवन, दी माल, सोलन।
- (5) श्री अमृत लाल खन्ना, मालिक नीलम फरनीचर इन्डस्ट्रीज, रेड क्रॉस रोड, सोलन।
- (6) मैसर्स हरि सरन व सब्ज, रेड क्रॉस रोड, सोलन।
- (7) श्री हरि सरन पुत्र श्री लोखा राम, रेड क्रॉस रोड, सोलन।
- (8) श्री आर० एल० मून्जल, बोटेनी व पलान्ट का प्रोफेसर, राजस्थान भवन, सोलन।
- (9) श्री दलीया, राजस्थान भवन, दी माल, सोलन।
- (10) श्री वाई० सी० जैन, इसोसाइटेड, प्रोफेसर, राजस्थान, भवन, सोलन।
- (11) श्री आर० के० यादव, सहायक प्रोफेसर, बोटेनी व पलान्ट पथोलोजी, राजस्थान भवन, सोलन।
- (12) श्री जे० पी० चथ रथ सहायक प्रोफेसर, इन्टोमोलोजी, राजस्थान भवन सोलन।
- (13) श्री डी० आर० चौहान, सुपरिन्डेंडेंट/ सहायक (ग्राडीट) एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी, राजस्थान भवन, सोलन।
- (14) श्री काला सिंह खपरसी, एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी, राजस्थान, भवन, सोलन।
- (15) श्री जे० सी० वर्मा, स्टोनोग्राफर, एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी, सोलन, राजस्थान भवन।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध किसी

अन्य व्यक्ति द्वारा, अछोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान का भाग जो राजस्थान भवन के नाम से जाना जाता और गांव थोड़ी, बी माल, सोलन में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, कलकत्ता के कार्यालय के विलेख संख्या 1603 मार्च, 1978 में दर्ज है।)

नत्थूराम
समक्ष प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 16 मार्च 1978

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 289 (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 नवम्बर 1978

निदेश सं० सोलन/8/77-78 अतः मुझे नत्थूराम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान का भाग जो राजस्थान भवन के नाम से जाना जाता है और जिसकी भूमि का क्षेत्रफल 6322 वर्ग मीटर है तथा जो गांव थोड़ी, बी माल, सोलन में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और पूर्ण से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य प्राप्ति को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922

(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती गिनीया देवी पत्नी श्री प्रकाश चन्द सरोगी वासी 68-नलनी सेठ, रोड, कलकत्ता-16 (अन्तरक)
2. (1) श्री बल्लोच चन्द पुत्र श्री हरि राम दी माल, सोलन।
(2) श्री रती राज कुलारी, पत्नी श्री तारा चन्द वासी राजगढ़, रोड, सोलन।
(3) श्री बाबू लाल पुत्र श्री रामेश्वर दास, जनरल मरसेन्टस, उदो मण्डी, सूरजगढ़, राजस्थान
(4) श्री जवाला प्रसाद पुत्र श्री रामेश्वर दास वासी अनाज मण्डी रीवारी
(5) श्रीमती रामजीबानी, कन्वर पत्नी श्री इन्दर चन्द टी० नगर, मवरास, मारफत राजस्थान भवन, दी माल, सोलन। (अन्तरिती)
3. (1) दी डीन, एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, सोलन।
(2) श्री हरि सिंह वावा, प्रोफेसर एजुकेशन कालिज, राजस्थान भवन, सोलन।
(3) श्री सुरेश कुमार गुप्ता, मालिक फ्रेन्ड्स, जनरल स्टोर, बी माल, सोलन।
(4) श्री राम करण गुप्ता टी स्टाल, राजस्थान भवन, बी माल सोलन
(5) श्री अमृत लाल खन्ना, मालिक नीलम फरनीचर, इन्डस्ट्रीज, रैड, क्रास रोड, सोलन।
(6) मैसर्स हरिसरन व सन्ज, रैड क्रास रोड, सोलन।
(7) श्री हरिसरन पुत्र श्री लोखा राम रैड, क्रास रोड, सोलन।
(8) श्री आर० एल० मून्जल, बोटनी व पलान्ट का प्रोफेसर, राजस्थान भवन, सोलन।
(9) श्री बलीरा राजस्थान भवन, दी माल, सोलन।
(10) श्री वाई० सी० जैन, एसोसाइटेड, प्रोफेसर राजस्थान भवन, सोलन।
(11) श्री आर० के० यादव, सहायक प्रोफेसर, (बोटनी) व पलान्ट पथोलोजी, राजस्थान भवन सोलन
(12) श्री जे० पी० चय रथ, सहायक प्रोफेसर, इन-टोमोलोजी, राजस्थान भवन, सोलन।
(13) श्री डी० आर० चौहान, सुपरिडेंट सहायक (ब्राइट) एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी, राजस्थान भवन, सोलन
(14) श्री काला सिंह चपरासी, एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी राजस्थान भवन, सोलन।
(15) श्री जे० सी० वर्मा, स्टैनोग्राफर, एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी, टी सोलन, राजस्थान भवन।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी

अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान का भाग जो राजस्थान भवन, के नाम से जाना जाता है और जो गांव थोड़ी, दी माल सोलन में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, बल्लवस्ता के विलेख संख्या 1604 मार्च, 1978 में दर्ज है।)

नत्थू राम,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 16 नवम्बर 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 नवम्बर 1978

निदेश सं० चन्डीगढ़/114/77-78 अतः मुझे नत्थूराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एस० सी० एफ० न० 7/11, सैक्टर 27-सी, है तथा जो चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई आय किसी की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा लिए ; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य व्यक्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 299-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेजर सत्यवान, सिंह (रिटायर्ड) पुत्र स्वर्गीय लगुरदिया सिंह, वासी

11-ए, बिन्डसन पेलेस, लखनऊ 1

मारफ्त : सोहन सिंह सन्धावालिया पुत्र श्री लाभ सिंह वासी मकान न० 21, सैक्टर, 2, चन्डीगढ़।

(अन्तरक)

1. श्री भगवान वास पुत्र श्री राम लाल वासी, मकान न० 254, गुरुनानक पुरा, लुधियाना। (अन्तरिती)

3. (1) श्रीमती के० कटीयाल
(2) श्री एम० एल० कटीयाल,
(3) श्री नन्द किशोर

सब वासी एस० सी० एफ० 7/11, सैक्टर 27-सी चन्डीगढ़। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :—

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एस० सी० एफ० 7/11 सैक्टर-28 सी चन्डीगढ़

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1378 मार्च, 1978 में दर्ज है)

नत्थूराम

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 16 नवम्बर 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 नवम्बर 1978

निर्देश सं० सीएचडी/132/77-78—यत् मुझे नत्थू राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एस० सी० ओ० नं० 89, 90, 91 है तथा जो सैक्टर 17 डी, चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्री में अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उममे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-धर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः—

1. श्री पवन कुमार, अभय कुमार पुत्र श्री अमृत लाल श्रीमती बलबीर कुमारी पत्नी श्री तरसेम चन्द द्वारा श्री तरसेम चन्द (जैनरल एटोर्नी), श्रीमती कमला देवी पत्नी पवन कुमार, श्रीमती प्रोमिला देवी पत्नी अभय कुमार, राजेश जैन, राजेश जैन पुत्र तरसेम चन्द द्वारा श्री तरसेम चन्द (नैचरल गारडीयन), वासी मकान नं० 1621, सैक्टर 18 डी, चन्डीगढ़। (अन्तरक)
2. श्री बाबा तीर्थ सिंह पुत्र बाबा सावन सिंह, सर्वश्री हरिन्दर सिंह बाबा, सुखिन्द्र सिंह बाबा पुत्र श्री तीर्थ सिंह, रणजीत कौर पत्नी तीर्थ सिंह, परमजीत कौर पत्नी बाबा हरिन्दर सिंह, बाबा निहाल सिंह पुत्र बाबा किशन सिंह, श्रीमती चरणजीत कौर पत्नी बाबा गुरमीत सिंह, श्री अनूपाल सिंह सर्वपाल सिंह, सुखपाल सिंह पुत्र गुरमीत सिंह बाबा वासी मुक्तसर,

जिला फरीदकोट, मारफत मैसर्स बाबा निहाल सिंह गुरमीत सिंह मुक्तसर। (अन्तरिती)

3. (1) मैसर्स सिंह सौग, प्रोपराइटर श्री कंवलजीत सिंह
- (2) मैसर्स डसकुपर प्रोपराइटर श्री जतिन्दर सिंह।
- (3) मैसर्स थामसन, प्रोपराइटर, श्री राम नाथ।
- (4) मैसर्स दर्शन इम्मबौडरी, प्रोपराइटर जोगिन्दर सिंह।
- (5) मैसर्स सुपरीम वूलन मिलज प्रोपराइटर प्रेम चन्द।
- (6) मैसर्स चन्डीगढ़ स्पोर्ट्स प्रोपराइटर अमृत लाल।
- (7) मैसर्स लखनऊ पान कारनर प्रोपराइटर नरंगी प्रसाद
- (8) मैसर्स बीमा इलैक्ट्रीकल वर्क्स प्रोपराइटर रुपिन्दर सिंह।
- (9) मैसर्स एम० जी० इलैक्ट्रीक प्रोपराइटर सत पाल।
- (10) मैसर्स रौकसी हेयर डरैसर प्रोपराइटर अदिश अहमद।
- (11) मैसर्स कौशिल जयलज प्रोपराइटर पवन कुमार।
- (12) मैसर्स कौशिल फरनिशरज।
- (13) श्री चरण दास एस० सी० ओ० 89-91, सैक्टर 17 डी, चन्डीगढ़।
- (14) मैसर्स वजाज इनवेस्टमेंट प्रोपराइटर श्री एस० पी० बोहरा।
- (15) मैसर्स बाबा निहाल सिंह बाबा तीर्थ सिंह।
- (16) श्री कुलवीर सिंह, वकील व
- (17) पंजाब स्कूल एजुकेशन बोर्ड, चन्डीगढ़ एस० सी० ओ० नं० 89-91 सैक्टर 17 डी चन्डीगढ़।
- (18) मैसर्स शिव जयलरज।
- (19) मैसर्स मलहोत्रा बुक।
- (20) मैसर्स मललोत्रा बुक डिपो
- (21) श्री ए० असलम, दर्जी।

एस० सी० ओ० नं० 89-90 व 91 सैक्टर 17 डी, चन्डीगढ़।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(जो यदा-तदा जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़ के विलेख संख्या 50, अप्रैल, 1978 में दर्ज है)

एस० सी० ओ० 89-91, सैक्टर 17-डी, चन्डीगढ़।

नत्थू राम,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 16 नवम्बर 1978

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.—-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 नवम्बर 1978

निर्देश सं० सीएच/138/78-79—यतः मुझे नत्थू राम प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 2174, सैक्टर 15-सी, है तथा जो चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या ग्रन्थ भास्तियों को जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती जोगिन्दर कौर, श्री जायदेव सिंह, श्री मन्दिर सिंह व श्री प्रमदेव सिंह, श्री जतिन्दर देव सिंह, श्री सुचदेव सिंह सब वासी 1513, सैक्टर 33-बी, चन्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुखिन्दर कौर गिल वासी 2174, सैक्टर 15-सी, चन्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान सं० 2174, सैक्टर 15-सी चन्डीगढ़।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी-चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 88/अप्रैल, 1978 में दर्ज है)।

नत्थू राम
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 16 नवम्बर, 1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 नवम्बर 1978

निर्देश सं० एसआरसी/73/77-78—यतः मुझे, नत्थू राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 14 कनाल 14 मरले है तथा जो गांव ब्रह्मनन माजरा, सरहिन्द में स्थित है (और (इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता-अधिकारी के कार्यालय, सरहिन्द में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1. श्री करतार सिंह पुत्र श्री जगत सिंह वासी ब्राह्मन माजरा सरहिन्द।

(अन्तरक)

2. मससे सूद राईस मिल्स, सरहिन्द।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हस्त-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 14 कनाल 14 मरले है और जो गांव ब्राह्मन माजरा सरहिन्द में स्थित है।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सरहिन्द के कार्यालय के विवेक संख्या 3165, मार्च 1978 में दर्ज है)

नत्थू राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 16 नवम्बर, 1978

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 नवम्बर 1978

निर्देश सं० एनबीए/52/77-78—यतः मुझे नत्थू राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 13 कनाल 10 मरले है तथा जो नाभा (थूही रोड) में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नाभा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के शायिष में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री गुरदियाल सिंह पुत्र मित्रु वासी नाभा।

(अन्तरक)

2. श्री अमर नाथ पुत्र मोती राम व सर्वश्री राजेश कुमार ज्ञान चन्द, बरिश भान व मिनंदर कुमार व सुरिन्दर कुमार पुत्र अमर नाथ वासी नाभा मालिक अमर राईस मिलज, थूही रोड नाभा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 13 कनाल 10 मरले है और नाभा में स्थित है। (थूही रोड)।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, नाभा के कार्यालय के विलेख संख्या 2304, मार्च, 1978 में दर्ज है)।

नत्थू राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 16 नवम्बर, 1978
मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, आयकर भवन लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 नवम्बर 1978

निर्देश सं० एसआरडी/72/77-78—यत् मुझे नत्थू राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 76 कनाल 13 मरले है तथा जो गांव साराना, तहसील सरहिंद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सरहिंद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री अजमेर सिंह पुत्र रत्ना सिंह गांव भारतपुर तहसील खरड।

(अन्तरक)

2. श्री साधू सिंह पुत्र श्री रत्नी सिंह गांव साराना, तहसील सरहिंद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 76 कनाल 13 मरले है और गांव साराना तहसील सरहिंद में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सरहिंद के कार्यालय के विलेख संख्या 3133, मार्च, 1978 में दर्ज है)।

नत्थू राम
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख: 16 नवम्बर 1978

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 नवम्बर 1978

निर्देश सं डीबीएस/42/77-78—यतः मुझे नत्थू राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 14 बिघा 13 विश्वा है तथा जो गांव रौनी (रोटी) सब-तहसील डेरा बस्सी जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, डेरा बस्सी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. सर्वश्री हुकम चन्द, बरखा राम व लज्जा राम पुत्र श्री सुन्दर, वासी गांव रौनी (रोटी) सब तहसील डेरा बस्सी, जिला पटियाला।

(अन्तरक)

2. मैसर्स बसंत इंडस्ट्रीज, 201, अन्सल भवन, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली, द्वारा श्री सुरिन्दर सिंह, हिस्सेदार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 14 बिघा 13 विश्वा है और जो गांव रौनी (रोटी), सब-तहसील डेरा बस्सी जिला पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, डेरा बस्सी के कार्यालय के विलेख संख्या 1214, मार्च, 1978 में दर्ज है)।

नत्थू राम
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 16 नवम्बर 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 नवम्बर 1978

निदेश सं० डी०बी०एस० 43/77-78—अतः मुझे, नत्थू राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है,

और जिसकी भूमि जिसका क्षेत्रफल 14 बिघा 12 बिघा है तथा जो गांव रौनी (रोटी) सब-तहसील डेरा बस्ती जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, डेरा बस्ती में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रतीति:—

1. सर्वश्री राम सरूप व अमर नाथ पुत्र श्री प्रभु और श्रीमती बच्चनी, बावी, श्रीमती सोमती पुत्रीयां श्री प्रभु वासी गांव रौनी (रोटी) सब-तहसील डेरा बस्ती, जिला पटियाला

(अन्तरक)

2. मैसर्स बसन्त इंडस्ट्रीज,
201, अन्सल भवन, कस्तूरबा गांधी मार्ग,
नई दिल्ली द्वारा श्री सुरिन्दर सिंह, हिस्सेदार

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 14 बिघा 12 बिघा है और गांव रौनी (रोटी) सब-तहसील डेरा बस्ती, जिला पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, डेरा बस्ती, जिला पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 1215, मार्च, 1978 में दर्ज है)

नत्थू राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 16 नवम्बर, 1978

मोहर :

प्रथम भाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 20 नवम्बर 1978

निर्देश सं० म०, 34/77-78—अतः/मुझे/ नत्थू राम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 700 वर्ग गज है तथा जो रेलवे रोड, मण्डी गोबिन्द गढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमलोह में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त:—

1. श्री बचन सिंह पुत्र श्री माधी राम, बचन सिंह पुत्र रौनक सिंह,
श्री नथा सिंह पुत्र रौनक सिंह
सब बप्सी गांव सौन्ती तहसील अमलोह, जिला पटियाला।

(अन्तरक)

2. श्री राज कुमार पुत्र हन्स राज व श्री रोशन लाल पुत्र श्री हन्स राज,
मार्फत मैसर्स मता कलाथ हाउस, नं० 1, म्यूनिसिपल मार्किट, मण्डी गोबिन्दगढ़, जिला पटियाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 700 वर्ग गज है और जो रेलवे रोड, मण्डी गोबिन्द गढ़ में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, 'अमलोह' के कार्यालय के विलेख संख्या 485, मार्च, 1978 में दर्ज है।)

नत्थू राम
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 20 नवम्बर, 1978

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 20 नवम्बर 1978

निर्देश सं० बी०आर०एन०/20/77-78—अतः मुझे

नत्थू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान जिसका एरिया 68' X 20' है तथा जो बरनाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बरनाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री विजय कुमार पुत्र श्री शिव सरन दाव सूद मारफत मैसर्स सूद सन्ज ट्रैक्टर्स, कालेज रोड, बरनाला।

(अन्तरक)

2. सर्वश्री विजय कुमार, रवि पाल पुत्र श्री प्रेम नाथ अग्रवाल वासी बरनाला तहसील बरनाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान/मकान जिसका एरिया 68' X 20' है और जो बरनाला में स्थित है।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, बरनाला के कार्यालय के जिलेख संख्या 1163, मार्च, 1978 में दर्ज है।)

नत्थू राम

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 20 नवम्बर, 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 20 नवम्बर, 1978

निदेश सं० टी०पी०ए०/38/77-78—अतः मुझे नत्थू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 67 कनाल 10 मरले है तथा जो गांव पखो कलाँ, सब-तहसील तपा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तपा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के क्षयित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अन्वय में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नरन्जन सिंह पुत्र श्री केहर सिंह,
गांव पखो कलाँ, सब-तहसील तपा ।

(अन्तरक)

2. श्री कौर सिंह पुत्र श्री खिउन सिंह,
गांव पखो कलाँ, सब-तहसील तपा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 67 कनाल 10 मरले है और जो गांव पखो कलाँ, सब-तहसील तपा में स्थित है ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, तपा के कार्यालय के विलेख संख्या 226, मार्च, 1978 में दर्ज है)

नत्थू राम
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रंज, लुधियाना ।

तारीख : 20 नवम्बर, 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 20 नवम्बर 1978

निदेश सं० राज/40/77-78—अतः मुझे नत्थू राम
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
₹ से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 8 कनाल 18 मरले
है तथा जो राजपुरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
राजपुरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख मार्च, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, मिश्रलिखित
उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रार्थित :—

1. श्री सुरिन्दर सिंह पुत्र श्री गुरदेव सिंह,
मुख्तयारग्राम श्रीमती नसीब कौर पुत्री श्रीमती प्रेम कौर
वासी गांव राजपुरा तहसील राजपुरा।

(अन्तरक)

2. श्रीमती शाम कौर पत्नी श्री भगवान सिंह व सर्वश्री
गुरिन्दर सिंह, अमरजीत सिंह पुत्र श्री भगवान सिंह वासी
मोहिन्दरगंज, राजपुरा, जिला पटियाला।

(अन्तरिती)

3. (1) मैसर्स ईगल मोटल, वाई पास रोड, राजपुरा
(2) मैसर्स भगवान सरविस स्टेशन, वाई पास,
जी० टी० रोड, राजपुरा।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 8 कनाल 18 मरले है और जो
राजपुरा में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी राजपुरा के
कार्यालय के विलेख संख्या 3256, मार्च, 1978 में दर्ज है)

नत्थू राम

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

ग्रजन रेंज, लुधियाना

तारीख : 20 नवम्बर, 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)।

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 2 नवम्बर 1978

निदेश सं० पी०/ए०/73/77-78—अतः मुझे नत्थू राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है है तथा

और जिसकी सं० मकान नं० 48-बी, माडल टाउन, पटियाला जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

11—396GI/78

1. श्री सम्पूर्ण सिंह पुत्र श्री इन्दर सिंह वासी मौहला अरोरा, पटियाला ।

(अन्तरक)

2. श्री तिर्थ राम पुत्र श्री देस राज, डिप्टी डायरेक्टर, 66-बी, माडल टाउन, पटियाला ।

(अन्तरिती)

3. एस० डी० ओ० (आर० ई० सी०) निर्माण सब-डिविजन नं० 2, पी० एस० ई० बी०, 48-बी, माडल टाउन, पटियाला ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

-(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 48-बी, माडल टाउन, पटियाला ।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 6014, मार्च, 1978 में दर्ज है)

नत्थू राम,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 20 नवम्बर, 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 24 नवम्बर 1978

निदेश सं० सी०एच०डी०/111/77-78—अतः मुझे,
नत्थू राम
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 2813, सैक्टर 22-सी, चन्डीगढ़
है तथा जो चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख मार्च, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिती)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मुकुन्द सिंह पुत्र श्री कपूर सिंह वासी गांव व डाकघर
जमातपुर जिला लुधियाना।

(अन्तरक)

2. श्री गुरदास सिंह व बेअन्त सिंह पुत्र श्री कृपाल सिंह
वासी गांव मतीड, जिला रोपड़
अब 60 बी०टी० रोड, कलकत्ता।

(अन्तरिती)

3. मैसर्स पाल माडल प्राईमरी स्कूल,
2813, सैक्टर 22 सी, चन्डीगढ़।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 2813, सैक्टर 22-सी, चन्डीगढ़ (प्लॉट नं०
437)

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़ के
कार्यालय के विलेख संख्या 1310, मार्च, 1978 में दर्ज है)

नत्थू राम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 24 नवम्बर, 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 24 नवम्बर, 1978

निदेश सं० एस० एम० एल०/50/77-78—अतः मुझे, नत्थू राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जायेदाद जो 'बूड़ लैण्ड' के नाम से जानी जाती है तथा जो सेंट बीड्स कालेज के नजदीक छोटा शिमला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिमला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय का बाबत उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमा करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती सीलाक्षती कपूर ट्रस्ट, द्वारा मनमोहन दास कपूर,
सील एक्ज्यूटर व सील ट्रस्टी, बूड़ बिल्ला,
शिमला।

(अन्तरक)

2. डा० बालक राम वर्मा पुत्र श्री जीन्दू राम वर्मा, वासी कान्गो, तहसील सुन्दरनगर, जिला मन्डी (हि० प्र०) अब डा० बी० आर० वर्मा (एम० डी०), 2787, अलड़गेट ड्राईव,
बलूम फ़िल्ड हिल्स, मीचीगन (यू० एस० ए०)
द्वारा श्री बसन्त राम पुत्र श्री जीन्दू राम,
जनरल अटारनी,
श्री बी० आर० वर्मा वासी कान्गो,
तहसील सुन्दरनगर, जिला मन्डी (हि० प्र०)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायेदाद जो 'बूड़ लैण्ड' के नाम से जानी जाती है और जो सेंट बीड्स कालेज के नजदीक छोटा शिमला में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, शिमला के कार्यालय के विलेख संख्या 185, मार्च, 1978 में दर्ज है)

नत्थू राम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 24 नवम्बर, 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 24 नवम्बर 1978

निदेश सं० एल० डी० एच०/160/77-78—अतः मुझे,
नरथू राम,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 3 बिघा 10 बिश्वा 12
बिश्वासीज है तथा जो गांव जुगियाना, तहसील लुधियाना
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख मार्च 1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि दयापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती मनविन्दर कौर, श्रीमती राजविन्दर कौर
व श्रीमती जसविन्दर कौर पुत्रीयां श्री लीभवन सिंह व
श्री भगविन्दर सिंह पुत्र श्री लीभवन सिंह, गांव
जुगियाना, तहसील लुधियाना

(अन्तरक)

2. मैसर्स इंडस्ट्रीयल कारपोरेशन, जुगियाना,
तहसील लुधियाना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 3 बिघा 10 बिश्वा 12 बिश्वासी
है और जो गांव जुगियाना, तहसील लुधियाना में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के
कार्यालय के विलेख संख्या 6667, मार्च, 1978 में दर्ज है)

नरथू राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 24 नवम्बर, 1978
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 20 नवम्बर 1978

निर्देश सं० 422/एकुरेII/78-79/कल०—अतः मुझे,
भास्कर सेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट 'जि' दोतला पर है तथा जो 2 मंडेपिला गार्डेंस, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 10-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मै० सेलोनी अनारक्षित प्लॉटस स्कीमस प्रा० लि०
6, हेरीटन स्ट्रीट, कल०-16

(अन्तरक)

2. श्रीमती निलिमा दास 25ए, साउथ येन्ड पार्क,
कलकत्ता-26

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

समूचा प्लॉट 'जि' दोतला पर जो 2, मंडेपिला गार्डेंस, कलकत्ता पर बनाया "जयजयन्ति" नाम का मकान पर अवस्थित है।

भास्कर सेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज III, कलकत्ता-16

तारीख : 20 नवम्बर 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 21 नवम्बर, 1978

निर्देश सं० ए० सी० 43/अर्जन रें०-IV/कल०/78-79—

अतः, मुझे, एस० के० दासगुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 161 है तथा जो ब्लाक डी ए सेक्टर-1, सल्टलेक सिटी में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों), के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 69-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री प्रफुल्लचन्द्र दास ।

(अन्तरक)

2. श्री परेशचन्द्र दास तथा श्री तपन कुमार दास ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट सं० 161, ब्लाक डी-ए, सेक्टर-1, सल्टलेक सिटी, कलकत्ता-64 पर स्थित 4.4621 कटा जमीन तथा उस पर निर्मित एक मंजिला मकान का सब कुछ जैसे कि दलील सं० 1515 दि० 20-3-1978 में और पूर्ण रूप से वर्णित है ।

(एस० के० दासगुप्ता)

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता-16

तारीख : 21-11-1978

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 21 नवम्बर, 1978

निर्देश सं० ए० सि०-44/अर्जन रें-IV/कल०/78-79—

अतः, मुझे, एस० के० दासगुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 121 है तथा हालदार पाड़ा लेन में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्दा अधिकारी के कार्यालय हावड़ा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती मनोरमा रित, श्री जगजती रित ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती गीता दाम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्जी-स्तोत्री के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

12/1, हालदारपाड़ा लेन, थाना—शिवपुर, हावड़ा में स्थित 6 कटों 9 छटाक 26 स्क्वेर फिट जमीन तथा उस पर निर्मित मकान का सब कुछ जैसे कि दलील सं० 494 दि० 16-3-1978 में और पूर्ण रूप से वर्णित है ।

एस० के० दासगुप्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कलकत्ता-16

तारीख : 21-11-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 21 नवम्बर, 1978

निर्देश सं० ए० सि०-46/अर्जन रेंज IV/कल०/78-79--

अतः मुझे एस० के० दासगुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० दाग सं० 704, खतियान सं० 1767 है तथा जो मौजा कोतरंग, थाना-उत्तरपाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रीरामपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी कितनी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में से, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री हरेन्द्र नाथ घोष तथा तारकचन्द्र घोष

(अन्तरक)

2. श्री विनोद कुमार पासारि, शिवाराम पासारि, अमर शर्मा पासारि तथा लोकनाथ पासारि

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दाग सं० 704, खतियान सं० 1767, मौजा--कोतरंग, थाना--उत्तरपाड़ा, जिला--हुगली में स्थित 2 बिघा, 6 कट्ठा 13 छटांक 22 स्कोयर फिट जमीन के सब कुछ

एस० के० दासगुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कलकत्ता-16

तारीख : 21-11-1978
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एच०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 26 नवम्बर 1978

निर्देश सं० आई० ए०सी० एचयू० रेंज-IV/78-79—

अतः मुझे एस० के० दासगुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० फ्राण्ज़ एमेनिउ मौजा बाहिर सर्वमंगला वर्धमान स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वर्धमान में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 13-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

12—396GI/78

1. श्रीमति सिबरानी चट्टार्जी (अन्तरक)

2. श्री ड० हेमन्त कुमार जाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्रांज़ एमेनिउ (सामसार का उत्तर) मौजा सर्वमंगला, डि० वर्धमान में अवस्थित .09 एकरस जमिन का पर एक टेम्पोरेरी ढाकसारस है।

एस० के० दासगुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV कलकत्ता

54, रफीअहमद किदवई रोड,

कलकत्ता-16

दिनांक : 26 नवम्बर 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 26 नवम्बर 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्यु० रेंज-IV कलकत्ता/78-79—अतः मुझे एस० के० दासगुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० फाशजार एवनिड है तथा जो मौजा बाहर सर्वमंगला वर्धमान में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वर्धमान में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 10-3-78

को पूर्वोक्त, संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्थात्:—

1. श्रीमति सिबरानी चट्टार्जी (अन्तरक)
2. डा० हेमन्त कुमार जाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फाशजार एवनिड (सामसार का उत्तर) मौजा बाहर सर्वमंगला डि० वर्धमान में अवस्थित .08 एकारस जमीन है।

एस० के० दासगुप्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता
54, रफीअहमद क़िदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 26 नवम्बर, 1978
मोहर।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 4 नवम्बर 1978

निर्देश सं० 1797/कानपुर/7879—अतः मुझे विजय
भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सूची के अनुसार है तथा जो सूची की
अनुसार में धित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
कानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 31-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :—

1. श्रीमति श्याम प्यारी विधवा स्वर्गीय राजेंद्र नारायण
माथुर नि० 48/155 आया नगर, कानपुर (अन्तरक)

2. श्रीमति इन्द्राणी कुंवरी विधवा स्वर्गीय बूज मोहन
सिंह निग्राम कपथी अकबरपुर जिला कानपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

संश्लेषण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

प्लॉट 738 वर्गगज स्थित वेस्ट ब्लॉक कानपुर 46894
के विक्रय मूल्य में बेचा गया ।

विजय भार्गव,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक 4-11-1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269(1) के अधीन सूचना

भारत-सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 नवम्बर 1978

निवेश सं० 166/अर्जुन/बिधूना/78-79—अतः मुझे
विजय भार्गव

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बिधूना
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन दिनांक 21-6-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित न किया हों गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या ग्रन्थ आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब
की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों धर्मात् :—

1. श्री राजकुमार पुत्र सुरती लाल निवासी नारायनपुर
शहर बिधूना इटावा (अन्तरक)

2. श्रीमति रामजानकी विधवा स्व० रामनारायण निवासी
नारायणपुर शहर बिधूना इटावा (अन्तरिती)

3. श्री राजकुमार (विश्रेता) (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियत करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

सन्दीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि 17.49 एकड़ स्थित ग्राम नारायणपुर
शहर बिधूना इटावा 35000/- में बेची गई जिसका क्रि
बाजारी मूल्य 1387.80/- है ।

विजय भार्गव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, कानपुर

दिनांक : 4-11-1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 नवम्बर 1978

निर्देश सं० 1958/अर्जन/कानपुर/78-79—अतः मुझे विजय भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- और जिसकी सं० सूची के अनुसार है तथा जो सूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908) के अधीन दिनांक 28-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ऐसे दृश्यमान प्रतिशत का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने से अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में; मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमति रामकुमारी पत्नि श्री एन० एस० वर्मा 113/190 स्वरूप नगर कानपुर (अन्तरक)

2. श्री अशोक कुमार, सुरेश कुमार, हरीश कुमार महेश कुमार पुत्रगण श्री पी० दास नि० 119/22 नसीमाबाद, कानपुर (अन्तरिती)

3. श्रीमति राम कुमारी पत्नि श्री एन० एस० मा 113/190 स्वरूप नगर कानपुर (वह व्यक्ति जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोस्ताक्षर के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित में है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय दिया गया है।

अनुसूची

गृह सम्पत्ति स्थित 113/190 स्वरूप नगर कानपुर 1,70,000/- के विक्रय मूल्य में बेची गई।

विजय भार्गव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 4-11-1978
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०/

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ (1) अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 नवम्बर 1978

निर्देश सं० 540/मेरठ/78-79—अतः मुझे विजय भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सूची के अनुसार है तथा जो सूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भवना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 15-3-1978]

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के उक्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य व्यक्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये :

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति रामदुलारी पत्नि श्री जय प्रकाश नि० ग्राम नगला हरेक, हस्तिनापुर खास मेरठ (अन्तरक)

2. श्री तिलक राम, नानक चंद तिरखा पुत्रगण श्री छोटे नि० ग्राम शमशपुर पोस्ट लावद, मेरठ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो इस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित नगला हरेक हस्तिनापुर मबाना जिला मेरठ 74,000/— के विक्रय मूल्य में बेची गयी।

विजय भार्गव,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 4-11-1978
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 4 नवम्बर 1978

निर्देश सं० 128/सहारनपुर/78-79—अतः मुझे विजय
भार्गव,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सूची के अनुसार है तथा जो सूची की
अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
हरिद्वार में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 20-3-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की,
जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,
उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री भूरा शाह पुत्र श्री सलारा ग्राम खानपुर पोस्ट
रैशी, सहारनपुर (अन्तरक)

2. श्री सिंगारा सिंह एवं श्री मोहन सिंह चि० ग्राम
बल्ला जलंधर (ग्राम खानपुर पोस्ट रैशी, सहारनपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित ग्राम खानपुर परगना उवालापुर
जिला सहारनपुर 32386/— के विक्रय मूल्य में बेची
गयी।

विजय भार्गव,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख 4-11-1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना ।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 नवम्बर 1978

निर्देश सं० 52ए/मेरठ/78-79—अतः मुझे विजय भार्गव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सूची के अनुसार है तथा जो सूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय गणना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 9-3-1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि मत्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नवाब सिंह पुत्र श्री श्री तारा चंद नि० ग्राम मुबारकपुर पोस्ट, मवाना कला, मेरठ (अन्तरक)

2. श्री नौराज सिंह पुत्र श्री वचन सिंह नि० मुबारकपुर पोस्ट, मवाना कला मेरठ (अन्तरिती)

3. श्री नौराज सिंह पुत्र श्री वचन सिंह (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित ग्राम सादीपुर सेठ, परगना हसनपुर, मवाना मेरठ 55860/- के विक्रय मूल्य में बेची गई ।

विजय भार्गव,
 सक्षम प्राधिकारी,
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
 अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक 4-11-1978
 मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०— ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कानपुर

कानपुर दिनांक 4 नवम्बर 1978

निर्देश सं० 898/मु० नगर/78-79/4168—अतः मुझे
विजय भार्गव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सूची के अनुसार है तथा जो सूची के
अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मु०
नगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 21-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है ।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बात, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

13—396 GI/78

1. डा० वेद प्रकाश पुत्र श्री रघुनन्दन लाल नि०
मोती महल मुजफ्फरनगर (अन्तरक)

2. श्री कालूराम पुत्र बेदा सिंह मुखवीर सिंह, कर्ण
सिंह, शेर सिंह, बाबू राम, बृजेंद्र सिंह, भोदा पुत्र रिणाल
सिंह एवं अन्य नि० विना, परसा, बधरा जिला मु०
नगर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही भर्षे होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित सलेमपुर परगना एवं जिला मुजफ्फर-
नगर 60394/— के विक्रय मूल्य में बेची गई ।

विजय भार्गव
समक्ष प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 4 नवम्बर, 1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 नवम्बर 1978

निर्देश सं० 91/अर्जन/फि० बाद/78-79—अतः मुझे विजय भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार-मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिरोजाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जगत सिंह पुत्र प्यारे लाल निवासी ग्राम हतावली, फिरोजाबाद आगरा (अन्तरक)

2. श्री अनेगसिंह पुत्र श्री गोविन्द सिंह व श्रीमति शारदा स्त्री श्री जगत सिंह निवासी गण ग्राम हतावली, फिरोजाबाद, आगरा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त-सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के माध्यम 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित ग्राम हतावली, फिरोजाबाद आगरा 30,000/— में बेची गयी जिसकी कि स्टाम्प वैल्यू 94000/— है।

विजय भार्गव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 4-11-1978
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 नवम्बर 1978

निवेश सं० 55/अर्जन/78—79—अतः मुझे विजय भार्गव ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 12-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती- (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री एडीसनल कलेक्टर फाइनेंस व रेवेन्यू, कानपुर (अन्तरक)

2. श्री राम अवध तिवारी, श्री जगत नारायण तिवारी निवासी एफ-बी/73 अरमापुर स्टेट, कानपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

चारों ओर बनी हुई बाउन्ड्री व चार अस्थायी कमरे स्थित मल ब्लॉक काकादेव कानपुर 94200/— में बेंची गयी जिसका कि बाजारी मूल्य 2281001/— है।

विजय भार्गव,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक 4-11-1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 नवम्बर 1978

निर्देश सं० अर्जन/979/77—78-अतः मुझे विजय

भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकारि अधिकारी के कार्यालय खैर, अलीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 15-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक का से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बावत, उक्त अधिनियम के अधीन, कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री फत्ते पुत्र चुन्नी सिंह निवासी ग्राम भमरोला पो० कसपुर, अलीगढ़ (अन्तरक)

2. श्री लीलाधर पुत्र छिद्दासिंह, सुखबीर सिंह, मनवीर सिंह, इन्द्रपाल सिंह पुत्रगण छिद्दा सिंह निवासी ग्राम भमरोला पो० कसपुर जिला अलीगढ़ (अन्तरिती)

3. जैमा कि 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सम्पत्ति से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 48000/- में बेची गयी जिसकी कि रटाम्प वैल्यू 79000/- है ।

विजय भार्गव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक 4-11-1978 .
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 नवम्बर 1978

निर्देश सं० 94/अर्जन/फिरोजाबाद/78-79—अतः मुझे

विजय भार्गव

आयकर अधिनियम, 1962 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
फिरोजाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक 28-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुबन्ध
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री माधव प्रसाद गोयनका पुत्र कन्हैया लाल
गोयनका, शशी गोयनका पुत्र माधव प्रसाद गोयनका
निवासी 17 चितरन्जन एवेन्यू, कलकत्ता (अन्तरक)

2. श्री चन्द्र कुमार जैन, जय कुमार जैन, अशोक कुमार
जैन पुत्रागण लाल मनीराम जी जैन निवासी चौकीगेट,
फिरोजाबाद जिला आगरा (अन्तरिती)

3. जैसा कि 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त-सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(1) इस सूचना के राजस्व में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजस्व में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षर के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 26-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

पांच मकान स्थित फिरोजाबाद, आगरा 320000/—
में बेचे गये जिनका कि बाजारी मूल्य 803900/—
है।

विजय भार्गव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक 4-11-1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

अर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 नवम्बर 1978

निर्देश सं० 958/अर्जन/विधना/77-78 अतः मुझे
विजय भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
बिधूना, इटावा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) अधीन दिनांक 13-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित क गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिती)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण केलिए
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे
बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गजोधर पुत्र देशराज निवासी ग्राम सहबद
बदनपुर, बिधूना, इटावा (अन्तरक)
2. श्री मौजीलाल पुत्र अर्जुन सिंह, मकरन्द सिंह पुत्र
बेनी सिंह निवासी ग्राम सहबद बदनपुर, बिधूना, इटावा
(अन्तरिती)
3. जैसा कि 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं :

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आदेश :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कुछ भूमि स्थित ग्राम शाहबाद, बदनपुर, बिधूना
इटावा 40000/ में बेंची गयी जिसकी कि स्टाम्प
वैल्यू 72000/ - है।

विजय भार्गव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 4-11-1978
मोहर :

प्रारूप धार्मिक टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 नवम्बर 1978

निदेश सं० 2/अर्जन/कन्नौज/बिल्होर/78-79— अतः मुझे
विजय भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० है तथा जो
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
कन्नौज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक 17-3-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अमरसिंह, बलवन्त सिंह, प्रतापसिंह कुंवर सिंह
निवासी ग्राम मकरन्द नगर कन्नौज जिला फर्रुखाबाद
(अन्तरक)

2. श्रीमति अन्जुमन आरा स्त्री अब्दुल मलिक श्रीमति
नीलम स्त्री अब्दुल मुईद, श्रीमति फरजारा स्त्री अब्दुल
अब्दुल निवासी पंसारियान कन्नौज फर्रुखाबाद (अन्तरिती)

3. जैसा कि 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

व्यवहारीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि व भवन साथ में कूलिंग चैम्बर, टैन्क व एक
पम्प हाउस आदि 76000/— में बेची गयी।

विजय भार्गव
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 4-11-1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 नवम्बर 1978

निदेश सं० अर्जन/393/बिल्हौर/78—79—अतः मुझे
विजय भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
बिल्हौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक 3-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए

धतः प्रब; उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति शिवकुमारी, विधवा श्री राजासिंह ग्राम
सुहर देवा, बिल्हौर, कानपुर (अन्तरक)

2. श्री जगतपाल सिंह पुत्र मन्सू सिंह ग्राम सुहरदेवा,
बिल्हौर, कानपुर (अन्तरिती)

3. श्री जगतपाल सिंह (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिये कार्यवाहियाँ करता हूँ।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन
की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कुपि भूमि, बीघा, बिस्वा स्थित ग्राम सुहर देवा,
बिल्हौर, कानपुर 40000/— में बेची गई।

विजय भार्गव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक 4-11-1978
मोहर :

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 7th December 1978

No. F. 6/78-SCA(I).—1. The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to appoint Shri D. R. Luthra, Permanent Court Master now officiating as Private Secretary to Hon'ble the Chief Justice of India as officiating Principal Private Secretary to the Hon'ble the Chief Justice of India on *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 1 December, 1978, until further orders.

2. The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to promote and appoint Miss Vijay Lakshmi, officiating Stenographer, as officiating P.A. to Registrar, Supreme Court of India, with effect from the forenoon of 7 December, 1978, until further orders against one of the vacant posts of P.A. to Registrar.

No. F. 6/78-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to promote and appoint Shri P. S. Bhatnagar, officiating Accountant, Supreme Court of India, as officiating Section Officer with effect from the forenoon of 8 November, 1978 upto 28 February 1979 (both days inclusive), until further orders.

MAHESH PRASAD
Deputy Registrar (Adm. J)
Supreme Court of India

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 30th November, 1978

No. A. 32013/1/77-Adm. I.—The President is pleased to appoint the following officers in the office of the Union Public Service Commission to officiate as Under Secretaries on *ad hoc* basis in Grade I of the Central Secretariat Service for the periods shown against each or until further orders, whichever is earlier.

S. No.	Name	Period
	S/Shri	
1.	T.N. Channa (Permanent officer of Section Officer's grade of CSS)	18-10-78 to 17-1-79
2.	B.R. Verma (Permanent officer of Section Officer's grade of CSS)	3-11-78 to 2-2-79
3.	B.B. Mehra (Permanent officer of Grade A of CSSS)	18-10-78 to 17-1-79
4.	B.S. Kapur (Permanent officer of Sec- tion Officer's grade of CSS)	9-10-78 to 23-11-78

No. P/1048-Adm.I.—Consequent upon his section for appointment as Under Secretary in the Department of Statistics, Shri S. P. Sharma an officer of Grade I of Central Secretariat Service, has been relieved of his charge in the office of Union Public Service Commission w.e.f. 30-11-78 (AN).

S. BALACHANDRAN
Under Secy.
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DEPTT. OF PERSONNEL & A.R.

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 5th December 1978

No. A-19036/16/76-AD. V.—Shri N. Patnaik, Dy. Supdt. of Police an Officer of the Orissa State Police, who was on
14—396G/78

deputation to C.B.I., relinquished charge of the Office of Dy. Supdt. of Police in CBI on the afternoon of 24-11-78. His services were placed back at the disposal of State Authorities.

This is in supersession of this Office Notification of even number dated 24-11-1978.

The 6th December 1978

No. A-20014/228/77-AD. I.—Deputy Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints Shri T. K. Roy an Officer of West Bengal Police on deputation as Inspector in the Delhi Special Police Establishment, Division of the Central Bureau of Investigation GOW Calcutta Branch in a temporary capacity with effect from the forenoon of 23-10-1978 until further Orders.

RIPDAMAN SINGH
Administrative Officer (A), CBI

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 7th December 1978

No. O.II-1100/78-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Mangala Rajan as Junior Medical Officer in the CRP Force on *ad hoc* basis with effect from 4-11-78 for a period of 3 months only or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

The 8th December 1978

No. O.II-992/72-Estt.—The services of Shri Kuldip Singh, Dy. S.P., CRPF are placed at the disposal of National Police Commission (M.H.A.) w.e.f. 4-10-78 for appointment as Dy. S.P. on deputation basis.

A. K. BANDYOPADHYAY
Assistant Director (Adm.)

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL

CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110019, the 2nd December 1978

No. E-16013(2)/1/78-Pers.—On transfer on deputation Shri Ajay Kumar Singh IPS (UT-64) assumed the charge of the post of Commandant CISE Unit BSI, Bokaro w.e.f. the afternoon of 6th November 1978.

The 5th December 1978

No. E-17017/6/74-Pers.—Shri S. P. Bag, Fire Officer, Alloy Steel Plant, Durgapur, will cease to hold the ex-office appointment of Asstt. Comdt., Central Industrial Security Force with immediate effect.

R. C. GOPAL
Inspector General, CISE

MINISTRY OF FINANCE

DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS

SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad, the 4th December 1978

No. PD/27/7706.—Shri R. G. Kulthe, Foreman (Mould) Office) is appointed on an *ad hoc* basis for a period of 6 months with effect from 27-11-78 (IN) to officiate as Assistant Works Manager (Mould Cover Making Plant) in the pay scale of Rs 840—40—1000—EB—40—1200.

The 5th December 1978

No. PF-7(36)/7688.—Further to this office notification No. 7(38)5641 dated 17-10-1978 Shri S. I. Shirsat, as allowed to continue to officiate in the post of Fire Officer on an *ad hoc* basis upto 31-3-1979 or till or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

The 6th December 1978

No. AD/4/7867.—Shri P. K. Sharma, Accountant is appointed on an *ad hoc* basis to officiate as Accounts Officer for 34 days with effect from 4-12-1978 to 6-1-1979 in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 *vice* Shri A. K. Ghosal, Accounts Officer officiating as Administrative & Chief Accounts Officer for the aforesaid period.

S. R. PATHAK
General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE COMPTROLLER & AUDITOR
GENERAL OF INDIA

New Delhi, the 6th December 1978

No. 1627-CA-I/66-78.—Additional Deputy Comptroller & Auditor General (Commercial) has permitted Shri S. Subramonia Iyer, Audit Officer (Commercial) to retire voluntarily from Government service under provision of Government of India, Ministry of Home O.M. No. 25013/7377-Estt. (A) dated 26-8-77 with effect from 11-10-78 (FN).

S. D. BHATTACHARYA
Joint Director (Commercial)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, HARYANA

Chandigarh, the 7th November 1978

No. Admn-I/72-TS/78-79/5073.—In pursuance of sub-rule (1) of Rule 5 of the Central Civil Services (Temporary Service) Rules, 1965, I hereby give notice to Shri Ved Parkash Gupta, Auditor that his services shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on which this notice is served on, or, as the case may be, tendered to him.

M. S. GROVER
Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, BIHAR

Ranchi, the 5th December 1978

No. Admn. Audo-3567.—The Accountant General has been pleased to promote Shri Mridul Kumar Dutta, a substantive Section Officer of this office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 29-4-78 (F.N.).

No. Admn. Audo-3595.—The Accountant General has been pleased to promote Shri Girish Chandra Lal Srivastava, a substantive Section Officer of this office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 31-8-78 (F.N.).

No. Admn. Audo-3576.—The Accountant General has been pleased to promote Shri Dilip Kumar Dutta, a substantive Section Officer of this office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 31-8-78 (F.N.).

No. Admn. Audo-3585.—The Accountant General has been pleased to promote Shri Prashanta Kumar Roy, a substantive Section Officer of this office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 24-4-78 Forenoon.

Sd. ILLEGIBLE
Sr. Deputy Accountant General (Admn.)
SRAO

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-II
MADHYA PRADESH

Gwalior, the 7th December 1978

No. DE XI/PP-S. Balakrishnan/300.—Shri S. Balakrishnan a permanent Accountant Officer in the office of the Accountant General-II, Madhya Pradesh, Gwalior has retired

from Government service with effect from 30-11-1978 (AN) on attaining the age of superannuation.

P. S. BHAGAR
Sr. Dy. Accountant General, Admn.

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
KERALA

Trivandrum, the 7th December 1978

No. Estt/Entt/VI/10-3.—Shri C. R. Madhava Warriar, Accounts Officer of the Office of the Accountant General, Kerala, retired from service on superannuation in the (AN) of 30th November, 1978.

R. K. A. SUBRAMANYA
Accountant General

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT
DEFENCE SERVICES

New Delhi, the December 1978

No. 4370/A-Admn/130/75-78.—The Director of Audit, Defence Services, is pleased to appoint Shri D. K. Sen Gupta, Substantive member of SAS to officiate as Audit Officer in the office of the Senior Deputy Chief Auditor, (Ord. Fys) Jabalpur, with effect from 16-10-78 (FN) until further orders.

K. B. DAS BHOWMIK
Sr. Dy. Director of Audit
Defence Services

MINISTRY OF DEFENCE

D.G.O.F. HQrs. CIVIL SERVICE

DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES

Calcutta, the 5th December 1978

No. 15/78/A/E-1.—On attaining the age of superannuation, Shri Animesh Das Gupta, Subst. & Permt. A.S.O. retired from service with effect from 30-11-78 (A.N.).

D. P. CHAKRAVARTI
ADGOF/Admin.
for Director General, Ordnance Factories

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICES

Calcutta, the 8th December 1978

No. 81/G/78.—The President is pleased to re-employ Shri D. N. Sarkar as Ty. A.D.G.O.F. Gr. II for a period of 9 months from 1st Jan., 1978 to 30th Sept., 1978.

No. 82/G/78.—On expiry of 3 months notice of voluntary retirement, Shri S. N. A. Iyer, Offg. A.D.G.O.F. Gr. II (Subst. & Permt. Sr. DADGOF) (on deputation with M/s. Lasco Steel Ltd., Doddampatty), retired from service with effect from 17th Nov., 1977 (FN).

No. 83/G/78.—The President is pleased to accept the resignation of Shri R. N. Mahendru, Subst. & Permt. Sr. DADGOF/Asstt. Director with effect from 1st April, 1976 (FN).

V. K. MEHTA
Asstt. Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND
COOPERATION

(DEPARTMENT OF COMMERCE)

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS

New Delhi, the 7th December 1978

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
(ESTABLISHMENT)

No. 6/873/69-Admn(G)I8598.—Shri M. M. Solanki is re-instated in the post of Assistant Iron and Steel Controller

(redesignated as Controller of Imports and Exports) in the office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay with effect from 18-3-1976 (AN).

2. Shri Solanki was under suspension at the time of premature retirement on 18-3-1976 (AN) and as such he will continue to remain under suspension.

3. This office Notification No. 6/873/69-Admn(G) dated 19-7-1976 is hereby cancelled.

K. V. SESHADRI
Chief Controller of Imports and Exports

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA
(KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-100016, the November 1978

No. 6609A-32/69/19C.—Shri Purnendu Sinha, Assistant Geologist, Geological Survey of India, relinquished charge of the post of Assistant Geologist on the forenoon of 16-5-1977 for joining the post of Senior Geologist under the State Water Board, Govt. of West Bengal on deputation for a period of one year in the first instance on the usual terms and conditions of deputation.

The 1st December 1978

No. 8470B. 2222(RNG)/19A.—Shri Rathindra Nath Ghosh is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 25th September, 1978, until further orders.

No. 8490B. 2222(RVN)/19A.—Shri R. Venugopalan Nair is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 28th August, 1978, until further orders.

The 2nd December 1978

No. 8527B. 2222(RK)/19A.—Shri Rajesh Kumar is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 16th September, 1978, until further orders.

No. 8539B. 51/62/19A.—Shri A. Chatterjee, Administrative Officer, Geological Survey of India retired from Government service on superannuation with effect from the 31st August, 1178 (afternoon).

No. 8549B. 2222(CJK)/19A.—Shri C. J. Kumanan is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 19th October, 1978, until further orders.

No. 8561B. 2222(VKM)/19A.—Shri Vinod Kumar Mathur is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 16th September, 1978, until further orders.

No. 8574B. 2222(RRS)/19A.—Shri Radhika Ranjan Sharan is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 18th September, 1978, until further orders.

No. 8586B. 2222(SB)/19A.—Shri Somnath Bhattacharyya is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 18th September, 1978, until further orders.

No. 8598B. 2222(SS)/19A.—Shri Shyamal Sinha is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 24th October, 1978, until further orders.

No. 8610B. 2222(DB)/19A.—Shri Deepak Bellur is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 11th September, 1978, until further orders.

No. 8622B. 2222(BPP)/19A.—Shri Balmik Prasad Pandey is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 13th September, 1978, until further orders.

The 5th December 1978

No. 8701B. 36/76/19C.—Shri M. Ramachandran received charge of the post of Administrative Officer in the Geological Survey of India on reversion from the Chief Commissioner Secretariat, Andaman and Nicobar Island Administration in the same capacity from the forenoon of 14-8-1978.

The 6th December 1978

No. 8737B. 2222(BVS)/19A.—Shri B. V. Srinivasan is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—880—40—1000—EB—40—1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 27th September, 1978, until further orders.

No. 8749B. 2222(MKK)/19A.—Shri Mohammad Kamal Kazim is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—880—40—1000—EB—40—1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 4th October, 1978, until further orders.

No. 8792B 40/59(AS)/19A.—Shri A. Sampath, Assistant Administrative Officer, Geological Survey of India on resignation for appointment as Senior Administrative Officer Grade II in the Central Proof Establishment, Ministry of Defence with effect from the afternoon of the 30th June, 1978.

The 7th December 1978

No. 8823B. 2222(NKS)/19A.—Shri Nauri Kumar Sahu is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—880—40—1000—EB—40—1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 16th October, 1978, further orders.

V. S. KRISHNASWAMY
Director General

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-1, the 15th November 1978

No. F. 11-9/77-A.1.—The Director of Archives, Govt. of India, hereby sanction proforma promotion to Shri C. P. Mathur, Asstt. Archivist (Gr. I) (Genl.) and at present on

deputation with the Govt. of Haryana to the post of Archivist (General) in the National Archives of India, New Delhi w.e.f. 24-8-77 (F.N.) until further orders under proviso below F.R. 30(1) (Next below Rule).

S. N. PRASAD
Director of Archives,

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING
FILMS DIVISION

Bombay-26, the 8th December 1978

No. 8/21/50-Est. I.—On attaining the age of superannuation, Shri M. K. Jain, Permanent Superintendent and Officiating Asstt. Administrative Officer, Films Division, Bombay, retired from service from the afternoon of the 30th November, 1978.

M. CHANDRAN NAIR
Administrative Officer
for Chief Producer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-6, the 21st November 1978

No. PPEC/3(235)/76-Adm. 15965.—On transfer from Narora Atomic Power Project, Shri P. Venugopalan, a temporary Assistant Personnel Officer in that Project is appointed as an officer in the Assistant Personnel Officer's grade (Rs. 650—960/-) in the Power Projects Engineering Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of November 10, 1978 until further orders.

R. V. BAJPAI
General Administrative Officer
for Director

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 7th December 1978

No. PAR/0704/2789.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri Bh. L. G. Shastri, an industrial temporary Stenographer (SG) to officiate as Assistant Personnel Officer, against leave vacancy in Nuclear Fuel Complex, from 6-12-1978 to 5-1-1979, or until further orders whichever is earlier.

U. VASUDEVA RAO
Administrative Officer

RAJASTHAN ATOMIC POWER PROJECT

Kota, the 16th December 1978

No. RAPP/04627/1(400)/78/S/Adm/216.—Consequent upon his transfer to Narora Atomic Power Project, Department of Atomic Energy, P.O. Narora (UP), Shri V. K. Srivastava, a permanent Assistant Foreman and officiating Scientific Officer/Engineer grade SB in this Project relinquished charge of his post in the afternoon of 30th November 1978.

GOPAL SINGH
Administrative Officer (E)

The 8th December 1978

No. A 12025/1/78-LC.—The President is please to appoint the following two officers in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department in officiating capacity w.e.f. the date indicated against each and to post them to the station indicated against each :—

S. No.	Name	Designation	Stn. of posting	Date of taking over charge
1.	Shri Arup Kumar Sarkar	Technical Officer.	Aeronautical Comm. Stn. Calcutta	6-11-78 (FN)
2.	Shri Virendra Bahadur Singh	Communication Officer.	Aeronautical Comm. Stn. Ahmedabad.	13-11-1978 (FN)

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

Thana, the 17th November 1978

No. TAPS/1/34(1)/77-R (Vol. II).—Consequent on their selection for promotion to the next higher grade, the Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy appoints the undermentioned persons in the Tarapur Atomic Power Station as Scientific Officer/Engineer Grade -SB in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—TB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the same Power Station in a temporary capacity with effect from the forenoon of August 1, 1978.

Sr. No., Name and Designation.

1. Shri D. N. Ghosh, Scientific Assistant 'C'
2. Shri S. V. Abhyankar, Draughtsman 'C'
3. Shri H. M. Agrawal, Draughtsman 'C'

A. D. DESAI
Chief Administrative Officer

REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam, the 22nd November 1978

No. A. 32023/1/77/R-20937.—The Project Director, Reactor Research Centre hereby appoints Shri SUCHINDRUM RAMASUBBA IYER SAMBASIVAN a permanent Stenographer of the Bhabha Atomic Research Centre and officiating Selection Grade Stenographer of this Centre as Assistant Administrative Officer in this Centre in an officiating capacity on an *ad hoc* basis with effect from November 1, 1978, until further orders.

A. SETHUMADHAVAN
Administrative Officer
For Project Director

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 7th December 1978

No. E(1) 07419.—The Director General of Meteorology hereby appoints Shri Xess Anthony, Professional Assistant, office of the Dy. Director General of Meteorology (Forecasting), Pune, as Assistant Meteorologist in India Meteorological Service, Group B Central Civil Service, Group B) in an officiating capacity with effect from the forenoon of 2nd November, 1978 and until further orders.

2. Shri Xess Anthony is posted to the office of the Director, (Instruments), Pune.

G. R. GUPTA
Meteorologist
for Director General of Meteorology

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF
CIVIL AVIATION

No. A. 32014/1/78-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following two Communication Assistants to the grade of Assistant Communication Officer on ad-hoc basis w.e.f. the date indicated against each and to post them at Aeronautical Communication Station, Bombay vice Shri P.S.R. Pillai and V.S. Pillay, Assistant Communication Officers granted earned leave for 92 days w.e.f. 1-5-78 and 30 days w.e.f. 10-5-78 respectively :—

S. No.	Name	Date of taking over charge
1.	Shri A.N. Nair	22-5-78 (FN)
2.	Shri K.P. Swamy	21-5-78 (FN)

No. A. 32014/1/78-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri Krishan Lal, Technical Assistant, Aeronautical Communication Station, Kotah to the

grade of Assistant Technical Officer on *ad hoc* basis w.e.f. the 11-10-1978 (FN) and to post him at Aeronautical Communication Station, Varanasi.

No. A. 38012/1/77-EC.—The following two officers of the Civil Aviation Department relinquished charge of their office on the date indicated against each on retirement from Govt. service on attaining the age of superannuation :—

S. No.	Name	Designation	Stn. of posting	Date of retirement
1.	Shri P. Paulose	Comm. Officer.	Aeronautical Comm. Stn. Bombay	31-10-78 (AN)
2.	Shri K. Srinivasan	Sr. Tech. Officer.	Aeronautical Comm. Stn. Madras.	31-10-78 (AN)

No. A. 38013/1/77-EC.—Shri P. G. Sathe, Assistant Technical Officer, Aeronautical Communication Station, Bombay relinquished charge of his office on the 31-10-1978 (AN) on retirement from Govt. service on attaining the age of superannuation.

S. D. SHARMA
Deputy Director of Administration

New Delhi, the 2nd December 1978

No. A-12032/5/75-EA.—The Director General of Civil Aviation is pleased to accept the resignation from Govt. service of Shri G. S. Batura, Asstt. Aerodrome Officer, Safdarjung Airport New Delhi with effect from the 19th January, 1976.

2. This Department Notification of even number dated the 20th February, 1976 is hereby cancelled.

V. V. JOHRI
Asstt. Director of Administration

New Delhi, the 6th December 1978

No. A. 19013/5/72-E. I.—Shri A. K. Sarkar, Deputy Director General, Civil Aviation Department, New Delhi expired on the 29th November, 1978.

C. K. VATSA
Assistant Director of Administration

VANA ANUSANDHAN SANSTHAN EVAM MAHA-VIDYALAYA

Dehra Dun, the 7th December 1978

No. 16/69/66-Est-I.—The President, Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun is pleased to reinstate Shri S. P. Misra, as Librarian at the Forest Research Institute & Colleges, Dehradun with effect from the forenoon of 6th November, 1978 until further orders.

GURDIAL MOHAN
Kul Sachiv,
Vana Anusandhan Sansthan Evam Mahavidyalaya

OFFICE OF THE COLLECTOR OF CUSTOMS AND
CENTRAL EXCISE
(CENTRAL EXCISE WING)

Cochin-11 the 6th June 1978

CENTRAL EXCISE

No. I/3/77 Admn. Ste EX—In exercise of the powers vested on me under Rule 232 A of the Central Excise Rules 1944, I, T. S. Swaminathan, Collector of Customs and Central Excise, Cochin, publish the name, address and other particulars of a person, who has been found to have contravened the provisions of Central Excise Rules 1944 and on whom a penalty of Rs. 10,000/- (Rupees ten thousand only) has been imposed.

- (i) Name of the person K.S. Ibrahim Rawther
(ii) Address Kallungal House
Kanjirappally Post
Kottayam District
Kerala
(iii) Name of the firm Kallungal Tea Factory
L4 No. 10/59
Kanjirappally.

(h) The provisions of the Act Rules 52A, 173G, 173 F,
or rule contravened : 9(i) of the Central Excise
Rules, 1944.

(v) The amount of penalty imposed Rs. 10,000 (Rupees ten thousand only).

(vi) The value of excisable : Duty on 21104 kgs. of Tea
goods or other property demanded
ordered to be forfeited
by a court under section
10 of the Act or ad-
judged by the officer re-
ferred by to in section
33 to be confiscated.

(vii) Amount of fine in lieu of NIL
confiscation

(viii) Particulars of any licence NIL
revoked under Rule 181.

T. S. Swaminathan
Collector of Customs and Central
Excise, Cochin-11.

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

Kanpur, the 21st October 1978

No. 36/78.—Shri Ram Dhan Officiating Superintendent, Central Excise, Group 'B' Meerut handed over the charge of Superintendent MOR III Meerut in the forenoon of 31-7-1978 to Shri Amrik Singh and retired from Govt. service on the attaining the age of sperannuation in the afternoon of 31-7-1978.

K. L. REKHI
Collector

DIRECTORATE OF INSPECTION AND AUDIT, CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 13th December 1978

No. 19/78.—Shri A. R. Sharma, Office Superintendent in the Directorate of Inspection and Audit, Customs and Central Excise, New Delhi, is appointed to officiate as Assistant Chief Accounts Officer in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from the 13th November, 1978 (Forenoon) vice Shri B. K. Hajra, transferred.

M. V. N. RAO
Director of Inspection

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 12th December 1978

No. A-19012/734/78-Adm-V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints on promotion, Shri M. P. S. Puri, Design Assistant in the grade of EAD in the Central Water Commission in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- on a purely temporary and *ad hoc* basis with effect from the forenoon 19th August 1978 upto 18th February, 1979 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

J. K. SAHA
Under Secretary
Central Water Commission

CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT
OFFICE OF THE DIRECTOR-GENERAL (WORKS)

New Delhi, the 6th December 1978

No. 23/2/77-EC.II.—The following Officers of Central Public Works Department have retired from the Government service on attaining the age of superannuation with effect from 30th November, 1978 (A.N.) : —

Name	Present Designation
1. Shri P.J. Chainani	Executive Engineer (Valuation), Unit No. VIII, Income Tax Department (C.B. D.T.) Bombay-400002
2. Shri D.D. Malik	Executive Engineer, Delhi Development Authority, Housing Division No. III, New Delhi.
3. Shri D.B. Roy	Engineer Officer to C.F. (N.Z.) R.K. Puram, New Delhi.
4. Shri K.S. Soundara Rajan	Executive Engineer, Central Stores Division No. I, C. P. W. D., New Delhi.

S. S. P. RAU
Deputy Director of Administration
for Director General (Works)

CORRIGENDUM

New Delhi, the 27th October 1978

No. 331/78-EC.IX.—In partial modification of this office notification No. 33/1/78-EC.IX dated 26-9-1978, Shri I. K. Popli on his appointment as Deputy Architect will draw a pay of Rs. 845/- per month (Rs. 820+25) as personnel pay to observed in future increment.

KRISHNA KANT
Deputy Director of Administration

DIRECTORATE OF ESTATES

New Delhi, the 6th December 1978

No. 1600-Admn. 'B'.—Shri R. D. Bhatia, Grade I officer of the C.S.S. in the cadre of the Ministry of Works and Housing assumed charge of the post of Deputy Director of Estates in the Directorate of Estates with effect from the forenoon of the 18th September, 1978.

P. S. AGGARWAL
Deputy Director of Estates (Admn.)

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS
DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS
COMPANY LAW BOARD
OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Kameswara Chit Funds and Finance Private Limited*

Pondicherry, the 4th December 1978

No. 74.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Kameswara Chit Funds and Finance Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

S. R. V. V. SATYANARAYANA
Registrar of Companies
Pondicherry

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
J. B. Trading Corporation Private Limited*

Jullundur, the 6th December 1978

No. G/Stat/560/2126/9173.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. J. B. Trading Corporation Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. P. TAYAL
Registrar of Companies
Punjab, H.P. & Chndigarh

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Calcutta (Electrical & Mechanical) Engineers Private
Limited*

Calcutta, the 6th December 1978

No. L/11464/H-D(1784).—Notice is hereby given pursuant to Section 445(2) of the Companies Act 1 of 1956 that an order for winding up of the above-named company was made by the Hon'ble High Court, Calcutta on 18-9-75 and the Official Liquidator, High Court, Calcutta has been appointed the Official Liquidator.

R. K. BHATTACHARYA
Asstt. Registrar of Companies
West Bengal, Calcutta

OFFICE OF THE INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-4000 20, the 7th December 1978

No. F. 48-Ad(AT)/78.P.II.—1. Shri Niranjan Das, Officiating Assistant Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, Delhi Benches who was continued to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Amritsar Bench, Amritsar on ad-hoc basis for a period of three months from 17-7-1978 to 16-10-1978 vide this office Notification No. F. 48-Ad(AT)/1978 dated 11-7-1978 is now permitted to continue in the same capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Amritsar Bench, Amritsar on ad-hoc basis for a further period w.e.f. 17-10-1978 (F.N.) to 28-2-1979 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

The above appointment is ad-hoc and will not bestow upon Shri Niranjan Das a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad-hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

2. Shri M. K. Dalvi, Personal Assistant to the Vice-President, Income-tax Appellate Tribunal (Northern Zone) New Delhi who was continued to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay on ad-hoc basis from 10-2-1978 to 13-11-1978 vide this office Notifications No. F. 48-Ad(AT)/77-P. II dated 9-2-1978 and No. F. 48-Ad(AT)/78 dated 11-7-1978 is now permitted to continue in the same capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay on ad-hoc basis for a further period w.e.f. 14-11-1978 (F.N.) to 28-2-1979 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

The above appointment is ad-hoc and will not bestow upon Shri M. K. Dalvi a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad-hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

P. D. MATHUR
President

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING
DIRECTORATE OF FILM FESTIVALS

New Delhi-110011, the 1978

REGULATIONS

Fo N. 2/5/78-FFD.—1. The National Film Festival of India is organised by the Directorate of Film Festivals, Ministry of Information and Broadcasting, Government of India. Its motto is "SATYAM SHIVAM SUNDARAM".

The Festival aims at.

- (i) Encouraging the production of films of aesthetic excellence and social relevance.
- (ii) Contributing to the understanding and appreciation of the film cultures of different regions.
- (iii) Promoting the feeling of integration and unity of the nation.

2. Any film produced in India and received by the Central Board of Film Censors for certification in 1978 and certified not later than 31st of January, 1979 and consistent with the objectives of the festival can be entered in the festival. In case of Film Institutes recognised by the Government any film produced during 1978 can be entered. This will not, however, exempt such films from the provision of certification by the Board of Film Censors for public screenings. Films entered should be in 35 mm or 16 mm gauge. The length of short films should ordinarily not exceed 1000 meters in case of 35 mm or 400 in case of 16 mm.

3. A censored film entered in the festival should, subject to Regulation 2, be exactly the same as certified by the Board of Film Censors.

4. No film with which a member of the staff of the Directorate of Film Festivals is associated can be entered in the National Film Festival.

5. An entry can be made either by a Government Department, a Government recognised Institute or by individual producer/production company. Enclosed Entry Form (in duplicate) duly completed must reach the Directorate of Film Festivals not later than 15th March, 1979.

6. Prints of films entered for the National Film Festival should reach the Directorate of Film Festivals latest by 15th March, 1979. If possible the prints may be sent along with the entry forms. Immediately after despatching the print, the sender should notify the Directorate of Film Festivals by mail/telegram the title, the language of the film, the number of reels and the date and mode of despatch of the print.

7. The following material pertaining to both features and shorts entered in the festival should be sent along with the entry form to reach the Directorate by 15th March, 1979 :—

- (i) 40 copies of the synopsis in English of feature films and 15 copies of the commentary text for short films.
- (ii) Publicity material comprising six posters and photo sets containing six photographs.
- (iii) 5 copies of the film script of the feature film in original language of the film together with 5 copies of the same in English or Hindi.
- (iv) Short biographical sketch of the producer, the director and the leading artistes of the film.
- (v) 2 sets of photographs of the producer, the director and the leading artistes of the film.

8. Every application for entry must be accompanied by an entry fee of Rs. 100/- in case of films exceeding 1,000 meters in length in 35 mm and 400 meters in 16 mm and Rs. 50/- in the case of films shorter in length than the above mentioned limit. This fee shall not be refundable. The payment of entry fee may be made by Demand Draft, payable at the State Bank of India, Rail Bhavan, New Delhi in favour of the Assistant Director, Directorate of Film Festivals and sent along with entry form.

9. The juries will be constituted by the Government of India one for judging feature films and the other for judging short films.

10. The composition of the Jury for Feature films will be as follows :—

- (a) A chairman nominated by the Government; and
- (b) not more than 24 members distinguished in the field of arts and humanities, including films, and qualified to judge thematic, artistic and technical merits of films. The members will be nominated by the Government.

11. Panels may be constituted by the Chairman (at his discretion, if considered necessary) out of the members of the Jury for Feature Films, to examine feature films in various languages and the children's films.

12. Each panel will recommend to the aforesaid Jury for Feature Films, not more than three films in each language considered suitable for awards, without indicating order of merit. If, however, in the opinion of the panel, a particular film excels over other films examined by it meriting consideration of awards meant for individual achievements under Rule 24-1 (vi) to (xvi) the particular category in that event may be specified along with the title of the film.

13. The Jury for Feature Films will thereafter view all the films recommended by the various panels and the panel for the children's films and recommend films for various categories of awards under rule 24-1 of these regulations.

14. The Jury for Feature Films will first select the award-winners for the following three categories :—

Best Feature film under rule 24-(i). Best Feature film with mass appeal, wholesome entertainment and aesthetic value under rule 24-1 (iii). Best Feature Film on National Integration under rule 24-1(iii).

The films selected for these awards will not be eligible for regional language awards under rule 24-1 (iv) of these regulations.

15. The Jury for Short Films will consist of a Chairman and not more than four other members. The Jury will be constituted by the Government. The jury will recommend films for categories for awards under rule 24-II.

16. Any person directly or indirectly associating with any film entered in the National Film Festival will not be eligible to serve on the Jury for Feature Films and the Jury for Short Films as the case may be.

17. Both the Juries may determine their own procedure for the examination of films.

18. The quorum of the two Juries shall not be less than half the number of members nominated.

19. The Director, Directorate of Film Festivals or his nominees, may attend the deliberations of both the Juries with the objective of providing necessary information and clarification regarding the scheme of National Film Festival.

20. The members of both Juries shall treat the deliberations as confidential. Also while working as members of the Jury, they will not utilise any material made available to them in the course of their work for dissemination through any media e.g., press radio, TV before the formal announcement of the results of the National Film Festival.

21. Nothing contained herein shall be construed as restricting the discretion of the Jury for Feature Films and the Jury for short Films from making a recommendation that none of the films in a particular language or category or that none of the Director, script writer, actor, actress, child actor/actress, cameraman, sound recordist, editor, art director, music director, playback singer, of feature films examined by them is of a standard adequate for an award.

22. Canvassing in any form in respect of an entry will render that entry liable to be disqualified. Any member of the two Juries found canvassing for a particular film is liable to be disqualified for membership of the Jury.

23. The members of the two Juries will be paid travelling expenses and consolidated consultancy fee (at such rates as prescribed by the Government) for attending the meetings previews of the films in connection with the National Film Festival.

24. Films competing in the National Film Festival may be awarded the following prizes :—

I—FEATURE FILMS

- (i) Best Feature Film :
Swaran Kamal and a cash prize of Rs. 40,000 to the producer and Swaran Kamal and a cash prize of Rs. 20,000 to the director.
- (ii) Best Feature Film with mass appeal, wholesome entertainment and aesthetic value :
Swaran Kamal to the producer and Rajat Kamal to the director.
- (iii) Best Feature Film on National Integration : Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 30,000 to the producer and a Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 10,000 to the director.
This award will be given not only for films dealing with communal harmony and patriotic themes but will also cover films dealing with uplift of depressed classes, inter-regional integration etc.
- (iv) Best Feature Film in each regional language : Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 10,000 to the producer. Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000/- to the director of the best feature film in each language, viz.
—Hindi (including Urdu, Hindustani and connected dialects), Bengali, Gujarati and Maithili), Marathi, Kannada, Malayalam, Gujarati, Punjabi, Kashmiri, Saurashtra, Odia, Bengali, Assamese, Oriya, Manipuri, Tamil, Telugu, Kannada and Malayalam.
- (v) Best Children's Film :
Swaran Kamal and a cash prize of Rs. 15,000 to the producer and a Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 10,000 to the director.
- (vi) Best Direction :
Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 20,000 to the best director.
- (vii) Best Screenplay :
Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 10,000 to the best script writer.
- (viii) Best Acting :
 - (a) Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 10,000 to the best actor.
 - (b) Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 10,000 to the best actress,
 - (c) Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000 to the best child actor or actress who is not more than 14 years of age.
- (ix) Best Cinematography (Colour) :
Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000 to the best cameraman of a black and white film.
- (x) Best Cinematography (Black and White) :
Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000 to the best cameraman of a black and white film.
- (xi) Best Sound Recording :
Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000 to the best sound recordist.
- (xii) Best Editing :
Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000 to the best editor.
- (xiii) Best Art Direction :
Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000 to the best art director.
- (xiv) Best Music Direction :
Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 10,000 to the best music director.
- (xv) Best Male Playback Singer :
Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 10,000 to the best male playback singer.

- (xvi) Best Female Playback Singer :
Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 10,000 to the best female playback singer.

II—SHORT FILMS

- (i) Best Information Film (Documentary) :
Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000 to the producer and a Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 4,000 to the director.
- (ii) Best Educational/Instructional Film :
(This category will include educational, instructional and training films).
Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000 to the producer and Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 4,000 to the director.
- (iii) Best Promotional Film (Non-Commercial/Commercial) :
(For the best promotional film on subjects of national importance, e.g., national integration, social justice, etc., or on subjects of national interest, dynamics of development, etc., or on subjects of national interest, practices or the best commercial advertisement film).
Rajat Kamal to the producer and Rajat Kamal to the director.
- (iv) Best Experimental Film :
Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000 to the producer and Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 4,000 to the director.
- (v) Best Animation Film :
Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000 to the producer, Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000 to the animator and Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 4,000 to the director.
- (vi) Best Newsreel Cameraman :
Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000 to the best newsreel cameraman.
- (vii) Best Indian News Review :
Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000 to the producer.

Explanation :

The term 'Producer', 'director', 'screenplay writer', 'actor', 'actress', 'child actor/actress', 'cameraman', 'sound recordist', 'editor', 'art director', 'music director' and 'playback singer', used in these rules will be construed as referring to the 'producer', 'director', 'screenplay writer'/script writer, 'actor', 'actress', 'child actor/actress', 'cameraman', 'sound recordist', 'editor', 'art director', 'music director', and 'playback singer' as the case may be, as given in the credit titles of the film entered in the competition duly certified by the Central Board of Film Censors.

25. Dada Saheb Phalke Award :

In addition to competitive awards mentioned in rule 24, the Government at its discretion will give special award for outstanding contribution to the cause of Indian Cinema. The award will consist of a Swaran Kamal, cash prize of Rs. 40,000 and a shawl.

26. The producer of a feature film which wins an award under categories I-(i) to (vi) of rule 24 of these Regulations will be granted by the Central Government an additional sum of Rs. 5,000 on his getting that film sub-titled from its original to any other Indian or foreign language.

27. Government shall be entitled to retain one print of the film entered for awards and which receives an award. The cost of the print viz., the cost of raw material and processing charges, will be re-imbursed to the producer, reimbursement being made only if a brand new print is made available within three months from the date of announcement of awards. If a brand new print is not supplied to the Directorate within a period of three months of the announcement of the results than no reimbursement may be made and the print entered for the National Film Festival may be retained by the Government without any compensation to the producer.

28. In the event of the same film qualifying for more than one awards under rule 24(i) to (vi) the producer and the

director of the film will receive award only in one capacity carrying a higher cash prize. However, more than one award can be given to the same producer and the director for different films under different categories.

29. The producer of the film entered for the National Film Festival shall have no objection to the screening of the film for the juries or for any of their panels, in public shows or for any other special screening that the Government may organise. The proceeds, if any, shall be credited to the Government revenues.

30. Entire cost on freight for print and publicity material will be borne by the entrant.

31. The decision of the Government of India in respect of the awards and the interpretation of these Regulations shall be final and no appeal shall lie against them.

32. A person who participates in the National Film Festival under these Regulations shall be deemed to have accepted these Regulations.

33. The Print of films entered in the Festival, publicity material and correspondence relating thereto should be addressed to :—

Director of Films,
Directorate of Film Festivals,
Vigyan Bhavan Annexe,
Maulana Azad Road,
New Delhi-110011.

Telegraphic address :
FILMOTSAV, NEW DELHI.

26TH NATIONAL FILM FESTIVAL—1979

ENTRY FORM

(To be completed in duplicate and sent to : The Director of Films, Directorate of Film Festivals, Ministry of Information and Broadcasting, Vigyan Bhavan Annexe, Maulana Azad Road, New Delhi-110011 to reach by 15th March 1979).

1. Title of the Film.
2. Language.
3. *Category : Feature/Children's Film/Short Film.
4. Length of the film (in meters).

*Please strike out the portion not applicable. Entries in the case of Short Films should specify the category for which the film is entered with reference to rule 24-II.

5. Running time : ———— hours ———— minutes.

6. Number of reels.

7. Gauge 35 mm/16 mm.

8. Colour system.

9. Number and date of the Censor Certificate.

10. Classification of the film in the Censor Certificate (whether 'A' or 'U').

11. Name and full address of the Producer (with telephone No. and telegraphic address if any).

12. Name and full address of the Director.

13. Name and full address of Screenplay writer/script-writer.

14. Name and full address of the leading male actor.

15. Name and full address of the leading female actress.

16. Name and full address of the child actor/actress (if any) of an age not exceeding 14 years.

17. Name and full address of the cameraman.

18. Name and full address of sound recordist.

19. Name and full address of the Editor.

20. Name and full address of the Art Director.

21. Name and full address of the Music Director.

22. Name and full address of the male Playback Singer.

23. Name and full address of female Playback Singer.

24. Name and full address of the Animator of Animation Film entered under category of Short Films.

25. Date of release of the film.

26. If the film is a dubbed version, an adaptation or a retake of another film, particulars of the film of which it is a dubbed version, adaptation or retake.

27. Print of the film to be despatched by (Please give name and complete address).

Name of the person making the entry.

Signature
(Seal)

K. BIKRAM SINGH

Joint Director
Directorate of Film Festivals
Ministry of Information and Broadcasting

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, POONA**

Poona, the 25th November 1978

Ref. No. CA5/Aug/78/Nandurbar/375.—Whereas, I SMT. P. LALWANI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

S. No. 167A/2A/167-A/2-B/167/A-1, CTS No. 2958-B situated at Nandurbar, Dist. Dhulia

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nandurbar on August 78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Kumari Firoz Sakhadwala & others,
Nandurbar, Dist. Dhulia.

(Transferor)

- (2) Shri Mangilal Mishrimlal Bafna,
Nandurbar, Dist. Dhulia.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 167-A/2-A/167-A/2-B/167/A-1, C.T.S. No. 2958-B at Nadurbar Dist. Dhulia.
Area : 928 sq. mts.

(Property as described in the sale deed registered under No. 1212 dated August 1978 in the office of the Sub-Registrar, Nandurbar).

SMT. P. LALWANI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date : 25-11-1978,
Seal :

FORM ITNS—

(1) Dr. R. V. Gokhale,
373/74, Narayan Peth, Pune-30.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri K. N. Desai,
1117/A-1, Lakaki Road, Pune-30.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, POONA

Poona, the 25th November 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the office Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act.
shall have the same meaning as given in
that Chapter.Ref. No. CA5/Haveli-I/June '78/376.—Whereas, I Smt.
P. Lalwanibeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000,
and bearingCTS No. 759/118A, situated at Deccan Gymkhana, Pune
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Haveli II, on 6-6-1978for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reasons to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of
the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

C.T.S. No. 759/118A, Deccan Gymkhane, Pune-4.

Plot area : 767.84.

Built up area : 183.47 sq. mts.

(Property as described in the sale deed registered under
No. 917 dated 6-6-78 in the office of the Sub-Registrar, Haveli-
II).

SMT. P. LALWANI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 25-11-1978.

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 9, FOREST PARK,
BHUBANESWAR-9.

Bhubaneswar-9, the 8th December 1978

Ref. No. 79/78-79/IAC(A/R)/BBSR.—Whereas, I B. Misra being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Khata No. 36 situated at Link Road, Cuttack (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dist. Sub-Registrar, Cuttack on 20-3-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Suryamani Swain.
(Transferor)
- (2) (1) Shri Narana Behara,
(2) Shri Srikanta Behara,
(Transferee)
- (3) Ratna Behara.
(person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with building purchased vide Khata No. 36, Khasada No. 1438, situated at Link Road, Cuttack, under the jurisdiction of Dist. Sub-Registrar, Cuttack and registered by sale document No. 2391 dated 20-3-78.

B. MISRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhubaneswar

Date : 8-12-78
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ANJIPARAMBIL BUILDINGS,
ANAND BAZAR, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 15th November 1978

Ref. L.C. No. 262/78-79.—Whereas, I K. Narayana Menon being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Trichur Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichur on 31-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Satheedevi Kunjamma,
D/o Paliyath Ratnamma Kunjamma, Kottappuram,
Trichur.

(Transferor)

(2) Sri Monu alias, Abdurahiman,
S/o Mammabrail Illath Vapputty, Trichur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

17 4/5 cents of land with buildings vide document No. 1408 of SRO, Trichur.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Dated : 15-11-1978.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 24th November 1978

Ref. No. IAC/ACQ/474.—Whereas, I Hari Shankar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. — situated at Kota (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kota on 31-3-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269 D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Jagdip Singh S/o Sh. Sardar Balwant Singh, Gumanpura, Kota.

(Transferor)

(2) Shri Tejmal S/o Shri Tharumal, Sindhi Colony road, Gumanpura, Kota.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX/A of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two shops situated at main road from Surajpole to Goverdhanpura, Gumanpura, Kota and more fully described in the conveyance deed registered by S.R. Kota vide registration No. 399 dated 31-3-78.

HARI SHANKAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 24-11-78
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 24th November 1978

Ref. No. IAC/ACQ./475.—Whereas, I Hari Shankar being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. — situated at Kota

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kota on 31-3-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jagdip Singh S/o Sh. Sardar Balwant Singh, Gumanpura, Kota,
(2) Shri Sakhiram S/o Shri Miyamal, Sindhi Colony, Gumanpura, Kota,

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two shops situated at main road from Surajpole to Goverdhanpura, Gumanpura Kota and more fully described in the conveyance deed registered by S.R. Kota vide registration No. 404 dated 31-3-78.

HARI SHANKAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 24-11-78

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 24th November 1978

Ref. No. IAC/ACQ/4771.—Whereas, I Hari Shankar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1-A situated at Kota (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kota on 27-3-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Tejkaran Bagadia S/o Shri Pyarchundji through GPA M/s. Vinodiram Balchand & Co., Indore.

(Transferor)

(2) Shri Goverdhan Lal and others C/o Karachi Industries, Industrial Estate, Kota.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open Plot of land bearing No. 1-A situated at Gumanpura and more fully described in the conveyance deed registered by S.R. Kota vide registration No. 372 dated 27-3-78.

HARI SHANKAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 24-11-78
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 24th November 1978

Ref. No. IAC/ACQ./476.—Whereas, I Hari Shankar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1-B situated at Kota (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kota on 27-3-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

16—396GI/78

(1) Shri Tejkaran Bagadia S/o Shri Pyarchandji through GPA M/s. Vinodiram Balchand & Co., Indore.

(Transferor)

(2) Shri Sunder Das S/O Shri Jeewatram C/o Karachi Industries, Industrial Estate, Kota.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land bearing No. 1-B situated at Gumanpura, Kota and more fully described in the conveyance deed registered by the S.R. Kota vide registration No. 372 dated 27-3-78.

HARI SHANKAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Jaipur

Date : 24-11-78

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 24th November 1978

Ref. No. IAC/ACQ./481.—Whereas, I Hari Shankar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. — situated at Kota (schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kota on 14-4-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Hakimuddin S/o Shri HAZI Abdul Quadir Musalman Bohra, Bheemganj Mandi, Kota.

(Transferor)

(2) Shri Sardar Gultaran Singh S/o Sh. Jagtaran Singh resident of Kota Junction, Kota.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One shop at ground floor of house situated at Bheemganj Mandi, Kota and more fully described in the conveyance deed registered by S.R. Kota, vide registration No. 479 dated 14-4-78.

HARI SHANKAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 24-11-78

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 24th November 1978

Ref. No. IAC/ACQ./480.—Whereas, I Hari Shankar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. — situated at Kota (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kota on 15-4-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Hakimuddin S/o Shri Hazi Abdul Quadir Musalman Bohara, Bheemganj Mandi, Kota.

(Transferor)

(2) Shri Sardar Gultaran Singh S/O Sh. Jagtaran Singh resident of Kota Junction, Kota.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One shop at ground floor situated in house at Bheemganj Mandi, Kota and more fully described in the conveyance deed registered by S.R. Kota vide registration No. 488 dated 15-4-78.

HARI SHANKAR

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Jaipur

Date : 24-11-78

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Hakimuddin s/o Shri Hazi Abdul Quadir
Musalman Bohra, Bheemganj Mandi, Kota.
(Transferor)

(2) Shri Brijraj Saran Tondan s/o Shri Keshav Saran
c/o M/s. Jag Brothers, Kota Jn. Kota.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 24th November 1978

Ref. No. IAC/ACQ./479.—Whereas, I HARI SHANKAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. ——— situated at Kota

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kota on 13-4-78

for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

First floor of the house situated at Bheemganj Mandi, Kota and more fully described in the conveyance deed registered by S.R. Kota vide registration No. 471 dated 13-4-78.

HARI SHANKAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 24-11-78
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 24th November 1978

Ref. No. IAC/ACQ./478.—Whereas, I HARI SHANKAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. ——— situated at Kota

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kota on 20-4-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Hakimuddin s/o Shri Hazi Abdul Quadir Musalman Bohra, Bheemganj Mandi, Kota.
(Transferor)
- (2) Shri Dalumal and Shri Deepchand Sons of Shri Vasumal, Kota Jn. Kota.
(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One shop at ground floor situated in the house at Bheemganj Mandi, Kota and more fully described in the conveyance deed registered by the S.R. Kota vide registration No. 518 dated 20-4-78.

HARI SHANKAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 24-11-78
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 5th December 1978

Ref. No. A.P. No. 1853.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Bazar Sheikhan, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on April 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Balram
S/o Shri Jawanda Mal
R/o 185 Adarsh Nagar, Jullundur. (Transferor)
- (2) Shri Darshan Kumar
So Shri Chuni Lal
R/o Ali Mohalla, Jullundur. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2
[Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.
[Person whom the under signed knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3/3 Bazar Sheikhan, Jullundur as mentioned in the Registration sale deed No. 546 of April, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 5-12-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 5th December 1978

Ref. No. A.P. No. 1854.—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule, situated at Mota Singh Nagar, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur on April 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Smt. Bachint Kaur
Wd/o Sh. Jaswant Singh
through G. A. Ajaib Singh
S/o Late Sh. Jaswant Singh,
R/o 132, Section 11-A, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Shri Jagtar Singh
S/o Shri Bishan Singh
R/o Maan House, Street No. 4,
Central Town, Jullundur. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2
[Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 128 Master Mota Singh Nagar, Jullundur as mentioned in the Registration sale deed No. 536 of April, 1978 of the Registering Authority Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 5-12-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 5th December 1978

Ref. No. A.P. No. 1855.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Vill. Paragpur on G.T. Road, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on April 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed, by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Jagat Singh
S/o Shri Labhu Singh
S/o Shri Sawan Mal
Mohalla Gobind Garh, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Bhupinder Singh
S/o Shri Kartar Singh
146-Lajpat Rai Nagar, Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

6 Kanal 1 Marla Land alongwith Factory Shed, Electric Motor etc. of Paragpur Village as mentioned in the Registration sale deed No. 271 of April, 1978 of the Registering as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 5-12-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 7th December 1978

Ref. No. A.P. No. 1856.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Village Garaha, Jullundur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on April 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

17—396GI/78

- (1) Smt. Gurwant Kaur
Wd/o Shri Amar Singh
R/o EH-195, Civil Line, Jullundur. (Transferor)

- (2) 1. Shri Manmohan Singh
S/o Shri Naranjan Singh
R/o EH-35 Ladowali Road, Jullundur.
2. Shri Parminder Kaur
W/o Shri Gurcharan Singh
S/o Shri Ram Singh,
Village Saroya, Teh. Garhshanker.
3. Shri Rattan Kumar
S/o Shri Brahma Nand,
Vill. Bundala Teh. Phillaur.
4. Shri Rakesh Kumar
S/o Shri Mohan Lal
S/o Ram Chand,
Vill. Jandiala.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2
[Person in occupation of the property]
(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the under signed knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 46/2 Marla at Village Garaha as mentioned in the Registration sale deed No. 104 of April, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 7-12-1978
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 7th December 1978

Ref. No. A.P. No. 1857.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. as per Schedule situated at Jullundur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on April 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

- (1) Shri Gurbax Singh
S/o Shri Nand Singh
S/o Shri Surain Singh
R/o Gudai Pur Teh. Jullundur.

(Transferor)

- (1) 1. Shri Gurbachan Singh
S/o Shri Punna Singh
2. Smt. Gurmit Kaur
W/o Shri Santa Singh Randhawa Musandan
3. Shri Balbir Singh
S/o Shri Gahiya Ram
4. Shri Balkar Singh
S/o Sewa Singh
R/o Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2
[Person in occupation of the property]
(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 8 K 10 M at Jullundur as mentioned in the Registration sale deed No. 542 of the April, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 7-12-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 7th December 1978

Ref. No. A.P. No. 1858.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Hoshiarpur Road, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on April 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Usha Vij
Wd/o Shri Kishan Kumar
NB-307, Hoshiarpur Road, Jullundur (Transferor)
- (2) Shri Rajinder Kumar Kohli
S/o Shri Jagdish Chander
Prop. Rajinder Coal Depott.
Hoshiarpur Road, Jullundur. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2
[Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.
[Person whom the under signed knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

20 marla plot on Hoshiarpur Road, Jullundur as mentioned in the Registration sale deed No. 280 of April, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 7-12-1978
Seal :

FORM ITNS-----

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 7th December 1978

Ref. No. A.P. No. 1859.—Whereas I, S. B. DEHIYA being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Vill. Chak Hussaina Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, (1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on April 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Aytar Singh
S/o Shri Amar Singh
Self of G.A. to 1 Ranjit Kaur
D/o Shri Amar Singh
2. Smt. Gurmit Kaur
D/o Shri Amar Singh
3. Smt. Surinder Kaur
D/o Shri Amar Singh
4. Shri Jagtar Singh
S/o Shri Amar Singh
R/o Chak Hussaina Daman Pind.
(Transferor)
- (2) S/Shri
1. Asa Nand
2. Romesh Kumar S/o Sh. Anant Ram
Vill. Chak Hussaina, Teh. Jullundur.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2
[Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

8 kanal 1 7 1/2 Marla land at Chak Hussaina as mentioned in the Registration sale deed No. 120 of April, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 7-12-1978
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, BIHAR PATNA

Patna, the 7th December 1978

Ref. No. III-291/Acq/78-79.—Whereas, I, J. NATH, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing T. No. 5175 Khata No. 1036, Khasra No. 2201 situated at Mouza—Khilchipur-Digha, Patna, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patna on 16-3-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Tek Narain Rai s/o Late Punit Gope, resident of village—Khilchipur-Digha P.O. and P.S. Digha Distt. Patna.

(Transferor)

(2) Shri Edwin Anthony Cyrill s/o Late Seraphin Andrew Cyrill, Anandpuri, Boring Canal Rd. (West) PATNA-1.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Homestead Land measuring 5 kathas 10 Dhur bearing Touzi No. 5175 Khata No. 1036 Khasra No. 2201, Thana Survey Phulwari Thana No. 1 situated at Mouza—Khilchipur-Digha Distt. Patna, morefully described in Deed No. 1676 dated 16-3-78 registered with the Distt. Sub-Registrar, Patna.

J. NATH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 7-12-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Swastik builders, 1-2-524/30 Domalguda, Hyderabad.
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Ramesh Kumar, Agarwal, H. No. 21-2-663 at
Urdu Sharif, Chairman, Hyderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th November 1978

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. RAC No. 205/78-79—Whereas, I,
K. S. VENKATARAMAN,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Shop No. 2 situated at Sagar View Domalguda,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Hyderabad on March 1978
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXXA of the
said Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 2 in ground floor at Sagar View Domalguda,
Hyderabad registered vide Document No. 1069/78 in the
office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Dated : 16-11-1978.
Seal :

FORM ITNS

(1) Swastik Builders, H. No. 1-2-524/3 at Domalguda Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Master Rajendra Kumar Agarwal, 21-7-69, Ghansi Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th November 1978

Ref. No. RAC No. 206/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Office No. 215 situated at Sagar View Domalguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hyderabad in March 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been, or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No 215 in IIInd floor of Sagar View, at 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad, registered vide Document No. 965/78 in the Joint Sub-Registrar Hyderabad Office.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 16-11-1978.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th November 1978

Ref. No. RAC No. 207/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Office No. 216 situated at Domalguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in March-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Swastik Builders, 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Master Rajendera Kumar Agarmal, (Minor) guardian father Sri Ishwarlal Agarwal 21-7-69 at Ghansi Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 216 in IIInd floor at Sagar View, 1-2-524/3 Domalguda, Hyderabad, registered vide Document No. 967/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 16-11-1978,
Seal :

FORM ITNS—

(1) Swastik Builders, 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kum. Sheetal Devi, (Minor) guardian Sri. J. Shankarlal Agarwal, H. No. 15-1-53 at Osmangunj, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th November 1978

Ref. No. RAC No. 208/79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Office RC 10 situated at Sagar View Domalguda, Hyd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on March 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
18—396GI/78

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. RC 10 at Sagar View building M. No. 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad, registered vide Document No. 1075/78 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 16-11-1978.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th November 1978

Ref. No. RAC No. 209/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 11 FC situated at Sagar View Domalguda, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in March 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Swastik Builders, 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Kumari Meenakshi, Devi, (Minor) guardian natural father Sri. J. Shankerlal Agarwal, 15-1-53 Osman-gunj, Hyderabad-12.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 11 F.C. in Sagar View, building M. No. 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad, registered vide Document No. 1076/78 in the Joint Sub-Registrar office Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 16-11-1978.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th November 1978

Ref. No. RAC No. 210/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 1 situated at Sagar View Domalguda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad in March 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Swastik Builders, 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Narbada Bai, 2. Sri Mukundlala Pitti, 3. Laxminivas Pitti, all residing at 4-1-10 at Tilak Road, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1 in Sagar View, ground floor M. No. 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 966/78 in the Joint Sub-Registrar Hyderabad office.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 16-11-1978.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th November 1978

Ref. No. RAC No. 211/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Office 217/2 situated at Sagar View Domalguda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in March 78 consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Swastik Builders, 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Dr. K. Rajeshwar, H. No. 1-8-519/8 at Chikkadpally, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Office No. 217 (50%) admeasuring 556 Sq. ft. in Sagar View of 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad, registered vide Document No. 961/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 16-11-1978.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th November 1978

Ref. No. RAC No. 212/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Office No. 217/2 situated at Sagar View Domalguda, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in March 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Swastik Builders, 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Laxmi Subramaniam, 1-2-412/2 at Gaganmahal Colony, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 217 (50%) in IInd floor at Sagar View at Domalguda, Hyderabad, registered vide Document No. 960/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 16-11-1978.
Seal :

FORM ITNS

(1) Swastick Builders, 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. G. Hemalata, H. No. 6-3-609/170 at Khairatabad, Hyderabad (Anandnagar Colony, Hyderabad).

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th November 1978

Ref. No. RAC No. 213/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Office No. 109 situated at Sagar View Domalguda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in March 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 109 in 1st floor of Sagar View at Domalguda, Hyderabad, registered vide Document No. 1072/78 in the Office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 16-11-1978.

Seal :

FORM ITNS

(1) Swastic Builders, 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri. N. Mohan Reddy, H. No. 3-6-198 at Himayatnagar Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th November 1978

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ret. No. RAC No. 214/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Office No. 206 situated at Sagar View Domalguda, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in March 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Office No. 206 on IInd floor in the Sagar View M. No. 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 1070/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 16-11-1978.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th November 1978

Ref. No. RAC No. 215/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Office No. 208 situated at Sagar View Domalguda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in March-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Swastick Builders, 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri S. Krishna Kumar, 553, at Somagiguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office premises No. 208 on the IInd floor of Sagar View situated at 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad, registered vide Document No. 688/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 16-11-1978.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 16th November 1978

Ref. No. RAC No. 216/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 15 RC situated at Sagar View Domalguda, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in March-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
19—396GI/78

(1) Swastik Builders, 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad.
(Transferor)

(2) Smt. Leela S. Sanklecha, W/o Dr. S. No. Sanklecha, R/o 6-A "Sukh Nivas" 3rd paste lane, Colaba, Bombay-400005.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 15 RC on the Sagar View, H. No. 1-2-524/3 at Domalguda Hyderabad, registered vide Doc. No. 1071/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 16-11-1978.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th November 1978

Ref. No. RAC No. 217/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop 13 situated at Sagar View Domalguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in March-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following namely:—

- (1) Swastik Builders, 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad.
(Transferor)
- (2) Smt. P. Krishnaveni. W/o Sri P. Laxminarayan, H. No. 15-8-417/1 at Feelkhana, Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 13 in Ground floor at Sagar View H. No. 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 965/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 16-11-1978.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th November 1978

Ref. No. RAC No. 218/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 14, situated at Sagar View Domalguda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in 24-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Swastik Builders, 1-2-524/3 Domalguda, Hyderabad.
(Transferor)

(2) Smt. P. Laxminarasamma, H. No. 15-8-417/1 at Peelkhana, Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 14 in ground floor at Sagar view, 1-2-524/3 Domalguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 962/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 16-11-1978.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th November 1978

Ref. No. RAC No. 219/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 8 situated at Sagar View Domalguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in March-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Swastik Builders, 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad.
(Transferor)
- (2) Smt. Shakuntala Bai, 21-2-663 at Urdu Shrif Charakman, Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. F.C. No. 8 in Sagar View M. No. 1-2-524/3 at Domalguda Hyderabad, registered vide Doc. No. 1074/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 16-11-1978,
Seal :

FORM ITNS—

(1) Swastik Builders, H. No. 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri. P. Ramachandra Reddy, Advocate, General, 3-6-467/1 at Hardikarbagh, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th November 1978

Ref. No. RAC No. 220/78-79.—Whereas, I,
K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 12 situated at Sagar View Domalguda,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad in March-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 12 F. C. front celler in Sagar View 1-2-524/3 at Domalguda Hyderabad, registered vide Document No. 1073/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 16-11-1978.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Swastic Builders, 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Inder Singh, 2. Sri Raghumir Singh, 3. Sri Anand Singh, all residing at 105 Adarshanagar Hyderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th November 1978

Ref. No. RAC No. 221/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 6 situated at Sagar View Domalguda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration officer at Hyderabad in March-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 6 in Sagar view at 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad, registered vide Document No. 779/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 16-11-1978
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th November 1978

Ref. No. RAC No. 222/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 7 situated at Sagar View Domalguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in March-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Swastic Builders, 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad.
(Transferor)

(2) Sri. Inder Singh, 2. Sri Ragumir Singh, 3. Sri Anand Singh, all residing at 105 Adarshangar Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 7 in Sagar View : 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad, registered vide Document No. 778/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 16-11-1978.
Seal :

FORM ITNS

(1) Swastic Builders, 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th November 1978

Ref. No. RAC No. 223/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 9 situated at Sagar View Domalguda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in March-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Smt. Shrikanta Gangawal, H. No. 8-2-678/1 at Road, No. 12 at Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 9 on ground floor at Sagar View H. No. 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 963/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 16-11-1978.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th November 1978

Ref. No. RAC No. 224/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 9/1/F situated at Saroornagar Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad East in 30-3-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—
20—396GI/78

(1) Shri Valluru Chintamani Laliteswara Raju S/o Valluri Venkateswarlu, H. No. 5-6 at Kothapet Hyderabad-500036.

(Transferor)

(2) Shri Venkateswara Co-operative House Building Society Limited, Saroornagar, Represented by N. Ram Mohan Sastry, 3-5-1140, Ramkote, Hyderabad-27.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

5/12 share of the dendor in the Agricultural land out of an extent of 10 Acres in S. No. 9/1/F at Saroornagar Village, Hyderabad East Taluq Hyderabad District measuring 4 Acres 07 guntas registered vide Document No. 1711/78 at the Office of the Sub-Registrar Office, Hyderabad East.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Dated : 16-11-1978.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th November 1978

Ref. No. RAC No. 225/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 9/1/F situated at Saroornagar Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad East in 30-3-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Valluri Siva Koteswara Raju S/o Vallur Venkateshwarlu, R/o Kothapet, Hyderabad-500035. (Transferor)

(2) Shri Venkateshwara Co-operative House Building Society Limited, Saroornagar, Represented by Secretary N. Ram Mohan Sastry, 3-5-1140, Ramkote, Hyderabad-27.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

5/12 Share of the Vendor in the Agriculture land out of an extent of 10 Acres in S. No. 9/1/F at Saroornagar Village, Hyderabad East Taluq, Hyderabad District measuring 4 Acres 07 guntas registered Vide Document No. 1712/78 at the Office of the Sub-Registrar Office, Hyderabad East.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 16-11-1978.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th November 1978

Ref. No RAC 226/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plt. No. 11 situated at Begumpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad in March-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s Jabbar Real Estate, office at 54 Nallagutta, Secunderabad.
(Transferor)

(2) Smt. Usha Bai, D/o Dr. Gurudatamul, resident of H. A. L. Colony, Balanagar, Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11 on Second floor of 1-11-252/1 at Begumpet, Hyderabad, registered vide Document No. 640/78 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 17-11-1978
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001**

Bangalore-560001, the 8th November 1978

C.R. No. 62/17368/78-79/Acq/B.—Whereas I, J. S. RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing**No. 6/18, situated at 1st Main Road, Vyalikaval Extension, Bangalore-3 (Division No. 45)****(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore, Document No. 154/78-79 on 12-4-1978****for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—**

- (a) **facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or**
- b) **facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);**

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269 D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) 1. Shri Govinda Rao Bhojagade
2. Shri Ramachandra Rao Bhojagade,
Children of Shri Shama Rao Bhojagade,
Both residing at : No. 192, 5th Main Road,
Vyalikaval, Bangalore-3.
(Transferors)
- (2) 1. Shri G. Ramaiah Setty, S/o Late Adeppa Setty,
2. Shri G. Satyanarayana Setty, S/o Shri G. Ramaiah Setty.
3. Shri G. Nanjunda Setty, S/o G. Ramaiah Setty,
All residing at : No. 16, 1st Cross, Nehrunagar,
Seshadripuram, Bangalore-560 020.
(Transferees)
- (3) Shri Narasimhan.
[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 154/78179. Dated 12-4-1978]

Property bearing No. 6/18, 1st Main Road, Vyalikaval Extension, Bangalore-3 (Division No. 45).

Boundries :

North : Road
South : Vrushtabendra's house on site No. 7
East : Road and
West : Jannaiah's house constructed on site No. 50.

J. S. RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 8-11-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 8th November 1978

C.R. No. 62/17380/78-79/ACQ/B.—Whereas I, J. S. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Property bearing old No. 983, New No. 48, situated at Old Kachari Road, Nagarthpet, Bangalore (Division No. 2) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore. Doc No. 185/78-79 on 15-4-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sri S. C. Muniappa S/o Chennarayappa.
2. Smt. Rathnamma W/o Sri S. C. Muniappa.
3. Sri S. M. Surendra Kumar S/o S. C. Muniappa.
4. Miss Manuja D/o S. C. Muniappa.
5. Miss S. M. Shoba D/o S. C. Muniappa.
6. Sri S. M. Chandrashekar S/o Sri S. C. Muniappa.
7. Sri S. M. Murali S/o Sri S. C. Muniappa.
Serial Nos. 6 & 7 are Minors and they are represented by their father and Natural Guardian Sri S. C. Muniappa.
All are residing at No. 49, Subrama chetty Road, Basavanagudi, Bangalore-4.

(Transferors)

- (2) Shri N. S. Krishnamurthy S/o
Late N. K. Subbaiah Setty,
No. 584, Jojjan Rao Rove, V. V. Puram,
Bangalore-4.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 185/78-79. Dated 15-4-1978]

Vacant site with a small built portion, bearing municipal old No. 983, New No. 48, Old Kachari Road, Nagarthpet, Bangalore (Division No. 2).

Boundries :

East : Road
West : Puttappa's House
North : Main Road
South : Conservancy Road.

J. S. RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 8-11-1978

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 8th November 1978

C.R. No. 62/17398/78-79/ACQ/8B.—Whereas I, J. S. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

land measuring A.C in survey No. 52/1 B, along with the building bearing door Nos. 16-128 to 16-151, situated at Shivalli village, Manipal, Udipi Taluk, S.K. Dist.

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udipi. Doc. No. 34/78-79 on 13-4-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s. General Investment and Commercial Corporation Ltd., a Company having their registered office at Syndicate House, Manipal, acting through their chairman P. Venkatesh Nayak, Udipi.

(Transferor)

(2) M/s. Canara Land Investments Ltd, a Company having their registered Office at Syndicate House, Manipal, represented by their General Manager, Tonse Mohandas Pai, Manipal, Udipi Taluk, S. K. Dist.

(Transferees)

(3) 1. M/s. Manipal Power Press, Door No. 16-129, 130, 132, 134, 135, 136, 137, 138, 139, 140, 141, 144, 146, 148, 149, 151 Total 17 tenants.

2. Sri David Vedamuthu, Door No. 16-128.

3. Sri T. Prabhakar Pai, Door No. 16-133.

4. Sri T. Ramachandra Pai, Door No. 16-142.

5. Sri J. Benedicta, Door No. 16-143.

6. The Academy of General Education, Door No. 16-145.

7. M/s. Manipal Tile works, Door No. 16-147.

8. Sri R. Narayana Nayak, 16-150.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 34/78-79, Dated 13-4-1978]
Land measuring 1A. 30 C in Sy. No. 52/1B, along with the building bearing door Nos. 16-128 to 16-151, Shivalli village, Manipal, Udipi Taluk, S.K. Dist.

J. S. RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 8-11-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 8th November 1978

Ref. C.R. No. 62/17633/78-79/ACQ/B.—Whereas I, J. S. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

New No. 2, situated at Gandhi Bazar Road, Basavangudi, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavangudi, Bangalore Doc. No. 3353/77-78 on 30-3-1978 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sri U. S. Sundaresh, S/o Sri U. K. Shanmugappa, No. 153/2, Old Madras Road, Bangalore-8.

(Transferor)

- (2) M/s. 'Dakshina Bangalore Bhavasar Kshatriya Samaja', No. 151/2, Dr. D. V. G. Road, Basavangudi Bangalore, represented by the President Sri T. Yerrappa, So. late Sri Venkoba Rao, Mount Joti Road, Hanumanthanagar, Sunkenahally Extension, Bangalore-19, Secretary, Sri B. M. Krishna Rao Sanney, S/o Late Sri Maniswamy Rao, Mahalakshimi Temple, Kumara Park, West, Bangalore and Treasurer Sri B. S. Venugopala Rao, S/o late Sri B. Sagappa Rao, No. 19, II Main Road, N.R. Colony, Bangalore.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3353/77-78. Dated 30-3-78]

Property bearing Corporation New No. 2, Gandhi Bazar Road, Basavangudi, Bangalore-4.

Boundries :

- East : Property belonging to Sri U. S. Virupakshappa, Sri U. S. Shanbhulingappa and Dr. S. Manohar.
West : Property belonging to Sri G. V. Rudrappa.
North : Premises bearing New Nos. 1, 3 & 4, Gandhi Bazar Road.
South : Conservancy Lane.

J. S. RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 8-11-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
BANGALORE-1

Bangalore-1, the 23rd November 1978

No. C.R. No. 62/17391/7-79/ACQ/B.—Whereas I, P. RANGANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 43/1, H. B. Samaja Road, situated at 4th Cross, Vasavangudi, Bangalore-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavangudi, Bangalore Doc. No. 3159/77-78 on 13-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. S/Shri B. V. Ramaiah Setty,
S/o B. Venkataramalah Setty,
Setty,
2. B. R. Nagraj,
3. B. R. Narayanamurthy,
4. B. R. Srinivanajamurthy,
Children of Sri B. V. Ramaiah Setty,
Sl. No. 4 being the minor RCP by his father
and natural guardian B. V. Ramaiah Setty,
All are residing at No. 648, 6th Main Road,
6th Cross Hanumanthanagar,
Bangalore-560019.
(Transferors)
- (2) 1. Shri S. V. Rathanaiah, S/o Sri Venkatappa,
S. V. Rathanaiah, S/o Sri Venkatappa,
No. 65, Govindappa Road, Basavangudi,
Bangalore-4,
2. Sri S. R. Mohan, S/o Sri S. V. Rathanaiah Setty,
No. 14, 1st Floor,
Shivanganga Mutt, Road, Chamarajpet,
Bangalore-18.
(Transferees)
3. Shri M. S. Bramahaiachari.
[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3159/77-78. Dated 13-3-1978]
Premises bearing No. 43/1, H. B. Samaja Road, 4th Cross, Basavangudi, Bangalore-4, (Division No. 33).

Boundaries

East : Property belonging to Sri M. Krishnaiah Setty.
West : Govindappa Cross Road.
North : Property belonging to Sri K. Chalapathy, and
South : H. B. Samaja Road.

P. RANGANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 23-11-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-1

Bangalore-1, the 22nd November 1978

Ref. No. C.R. No. 62/16677/78-79/ACQ/B.—Whereas I, P. RANGANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1442/41

A situated at 39th cross, IV T Block, Jayanagar, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar, Bangalore. Doc. No. 3275/77-78 on 27/3/1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

21—396GI/78

- (1) 1. Smt. Laxmi Devamma, W/o B. T. Shankara,
2. Kumari B. S. Somashekhar,
3. Kumari B. S. Soubhagya,
4. Kumari B. S. Devi,
5. Kumar B. S. Harisha,
6. Kumari B. S. Tara Devi,
7. Kumari B. S. Loki, Children of B. T. Shankar
No. 2 to 7 are Minors and they are represented by their Natural Guardian and mother Smt. Laxmi Devamma.
All residing at : No. 176, 3rd Block, Jayanagar Extension, Bangalore-11.

(Transferors)

- (2) Sri Patel Nanja Reddy, S/o Late Thimma Reddy, Chemanahalli village, Kasaba Hobli, Chintamani Taluk, Kolar District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3275/77-78, Dated 27-3-1978]
Property bearing No. 1442/41, 39th cross, IV T Block,

A

Jayanagar, Bangalore-11 (Division No. 35).

Boundaries :

North : 39th Cross Road,
South : Private Property,
East : Private Property (Vacant site),
West : Private property.

P. RANGANATHAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 22-11-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore, the 23rd November 1978

Ref. No. C.R. No. 62/17645/78-79/ACQ/B.—Whereas I, P. RANGANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 837, V Main, V Cross Road, situated at West of Chord Road, Vijayanagar, Bangalore-40 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Srirampuram, Bangalore, Doc. No. 263/78-79 on 21-4-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri N. S. Mahadevaiah, S/o Siddaramaiah, No. 837, Ground floor, V Main, V Cross, Magadi Road—Chord Road, Vijayanagar, Bangalore-560040. (Transferor)
- (2) Shrimati Durgamma, W/o late Hanumanthappa, No. 837, 1st floor, V Main, V Cross, Magadi Road—Chord Road, Vijayanagar, Bangalore-560040. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 263/78-79. Dated 21-4-1978]

Property bearing No. 837, V Main, V Cross Road, West of Chord Road, Vijayanagar, Bangalore-560040.

Boundries :

East : Road
West : Site No. 820
North : Site No. 836 and
South : Site No. 838.

P. RANGANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 23-11-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-1

Bangalore-1, the 22nd November 1978

Ref. No. C.R. No. 6-/16762/78-79/Acq/B.—Whereas I, P. RANGANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Old No. 5/31, New No. 1, situated at 4th Cross, Sardar Patrappe Road, Kumbarpet, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore. Doc. No. 3875/77-78 on 23-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other acts which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Hameedudeen Sheriff, S/o late M. Sirajuddin Shariff, at present residing No. 70, Wood wards Avenue, Blampton, Ontario, Canada, represented by his power of attorney holder Sri Naseeruddin Mohamed Sheriff alias Asif Pasha.
2. Smt. Shakila Banu w/o Sri Syed Amcer Ali and
3. Rasheeda Banu, All residing at No. 2103, Mandi Mohalla, Mysore-1.

(Transferors)

- (2) 1. Shrimati Y. Khamarunnissa, d/o Sri Syed Yakoob Sahab,
2. Y. Fathimunnissa, d/o Sri Syed Yakoob Sahab, Both residing at No. 8, 1-Floor, 4th cross Sardar Patrappe Road, Kumbar Pet, Bangalore-2.

(Transferees)

- (3) Mr. M. K. Abdulla Basha, (person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3875/77-78. Dated 23-3-1978]

Property bearing old No. 5/31, New No. 1, 4th Cross, Sardar Patrappe Road, Kumbarpet, Bangalore (Division No. 40).

Boundries :

East : Private property.
West : Road (Sardar Patrappe road, 4th Cross)
North : Private property and
South : Lane and Kamanna's house.

P. RANGANATHAN

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 22-11-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
BANGALORE-1

Bangalore-1, the 22nd November 1978

Ref. No. C.R. No. 62/16741/78-79/Acq.(B).—Whereas I, P. RANGANATHAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 13, Andanappa Galli, situated at Kavadi Bevanna Setty Pet, Bangalore-560002 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhi Nagar, Bangalore—Doc. No. 3774/77-78 on March, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Gangamma, W/o Shri B. Krishnappa, No. 80-81, Kantina Krishnappa Galli, Cottonpet, Bangalore.
2. Smt. Shankaramma, W/o Shri Valkuntaiah, No. 13, Andanappa Galli, Navadi Revanna Settypet, Bangalore-2.
3. Shri Huliappa, S/o late H. Muniyappa, No. 80-81, Kantina Krishnappa Galli, Cottonpet, Bangalore-2. (Transferors)
- (2) 1. Shri T. Annaiahppa, S/o Shri T. Thimaiah.
2. Shri T. Narayanappa S/o Shri T. Thimaiah. Both residing at : No. 17, Sanjeeva Nayak Halli, Avenue Road, Cross, Bangalore-2. (Transferees)
- (3) 1. Shri Shivaraj
2. Shri Perumal
3. Smt. Chinnamma
- Smt. Veliyamma
5. Shri Pachhappa. [Persons in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3774/77-78. Dated March, 1978]

Property bearing No. 13, Andanappa Galli, Kavadi Revanna Setty Pet, Bangalore-560002.

Boundries :

North : Private property
South : Private property
East : Private property, and
West : Road.

P. RANGANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 22-11-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 16th November 1978

Ref. No. SOL/7/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Part of House property known as 'Rajasthan Bhawan' on land measuring 6322 sq. mts. situated in Village Thodo, The Mall, Solan, situated at Solan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta in March, 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Phulan Devi w/o Shri Nihal Chand Gangwal, r/o 9-C, Lord Sinha Road, Calcutta-16.
- (2) 1. Shri Bansidhar s/o Shri Johri Lal, The Mall, Solan. (Transferor)
2. Shri Inder Sarup, s/o Shri Parkash Chand, Chartered Accountant, 18/39, Shakti Nagar, Delhi.
3. Shri Mandir Dass Jain s/o Shri Mahaveer Parshad Jain, Jain House, The Mall, Solan.
4. Shri Yadav Chander Jain s/o Shri Ram Chander Jain, Prof., Agri. University, Rajasthan Bhawan, Solan.
5. Shri Narain Lal Suthor s/o Shri Mohan Lal Suthor, r/o Buskharg, P.O. Mehtapur, Distt. Una (H.P.).
6. Shri Johri Lal s/o Shri Mulkh Ram c/o M/s Johri Lal Bansi Dhar, The Mall, Solan.
7. Shri Arvind Kumar s/o Shri Chander Bhan c/o Chander Bhan Anand Parkash, 31-A, Kamla Nagar, New Delhi.
8. Shri Abhi Shekh Manu Sanghvi s/o Dr. L. L. Singhvi, Advocate, r/o 30, Lodhi Estate, New Delhi.
9. Shri Sampat Raj Raka s/o Shri Chander Mal r/o Raipur Marwar, Distt. Pali, Rajasthan. (Transferee)

- (3) 1. The Dean, Agricultural University, Solan.
2. Shri Hari Singh Bawa, Prop. Education College, Rajasthan Bhawan, The Mall, Solan.
3. Shri Suresh Kumar Gupta prop. Friends General Store, The Mall, Solan.
4. Shri Ram Karan Gupta, Tea Stall, Rajasthan Bhawan, The Mall, Solan.
5. Shri Amrit Lal Khanna, Prop. Neelama Furniture Industries, Red Cross Road, Solan.
6. M/s Hari Saran & Sons, Red Cross Road, Solan.
7. Shri Hari Saran s/o Shri Lakha Ram, Red Cross Road, Solan.
8. Shri Dalipa r/o Rajasthan Bhawan, The Mall, Solan.
9. Shri R. L. Munjal, Prof. of Botany & Plant Pathology, Rajasthan Bhawan, Solan.
10. Shri Y. C. Jain, Associate Professor, Rajasthan Bhawan, Solan.
11. Shri R. K. Yadav, Asstt. Professor of Botany & Plant Pathology, Rajasthan Bhawan, Solan.
12. Shri J. P. Chatrath, Asstt. Professor, Entomology, Rajasthan Bhawan, Solan.
13. Shri D. R. Chauhan, Supdg/Asstt. (Audit), Agricultural University, Rajasthan Bhawan, Solan.
14. Shri Kala Singh, Peon, Agricultural University, Rajasthan Bhawan, Solan.
15. Shri J. C. Verma, Stenographer, Agricultural University, Rajasthan Bhawan, Solan.

(The person occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House Property known as 'Rajasthan Bhawan', situated at Village Thodo, The Mall, Solan.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1603 of March, 1978 of the Registering Officer, Calcutta).

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 16 November 1978

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 16th November 1978

Ref. No. SOL/8/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Part of House property known as 'Rajasthan Bhawan' on a land measuring 6322 sq. mts. situated in Village Thodo, The Mall, Solan, situated at Solan,

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Calcutta in March, 1978,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely :

(1) Smt. Ginnia Devi w/o Shri Prakash Chand Saraogi, r/ 68 Nalini Seth Road, Calcutta-16.

(Transferor)

(2) 1. Shri Tarlok Chand s/o Shri Hari Ram, The Mall Solan.
2. Smt. Raj Dulari w/o Shri Tara Chand r/o Raj Garh Road, Solan.
3. Shri Babu Lal s/o Shri Rameshwar Dass, General Merchants, Udho Mandi, Surajgarh, Rajasthan.
4. Shri Jawala Parshad s/o Shri Rameshwar Dass, r/o Anaj Mandi, Rewari.
5. Smt. Ram Jiواني Kanwar w/o Shri Inder Chand, of T. Nagar, Madras.
c/o Rajasthan Bhawan, The Mall, Solan.

(Transferee)

- (3) 1. The Dean, Agricultural University, Solan.
 2. Shri Hari Singh Bawa, Prop. Education College, Rajasthan Bhawan, The Mall, Solan.
 3. Shri Suresh Kumar Gupta prop. Friends General Store, The Mall, Solan.
 4. Shri Ram Karan Gupta, Tea Stall, Rajasthan Bhawan, The Mall, Solan.
 5. Shri Amrit Lal Khanna, Prop. Neelama Furniture Industries, Road Cross Road, Solan.
 6. M/s Hari Saran & Sons, Red Cross Road, Solan.
 7. Shri Hari Saran s/o Shri Lakha Ram, Red Cross Road, Solan.
 8. Shri Dalipa r/o Rajasthan Bhawan, The Mall, Solan.
 9. Shri R. L. Munjal, Prof. of Botany & Plant Pathology, Rajasthan Bhawan, Solan.
 10. Shri Y. C. Jain, Associate Professor, Rajasthan Bhawan, Solan.
 11. Shri R. K. Yadav, Asstt. Professor of Botany & Plant Pathology, Rajasthan Bhawan, Solan.
 12. Shri J. P. Chatrath, Asstt. Professor, Entomology, Rajasthan Bhawan, Solan.
 13. Shri D. R. Chauhan, Supdg/Asstt. (Audit), Agricultural University, Rajasthan Bhawan, Solan.
 14. Shri Kala Singh, Peon, Agricultural University, Rajasthan Bhawan, Solan.
 15. Shri J. C. Verma, Stenographer, Agricultural University, Rajasthan Bhawan, Solan.
- (The person occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House Property known as 'Rajasthan Bhawan, situated at Village Thodo, The Mall, Solan.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1604 of March, 1978 of the Registering Officer, Calcutta).

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 16 November 1978

Seal :

FORM I.T.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 16th November 1978

Ref. No. CHD/114/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing SCF No. 7/11, Sector 27-C, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Maj. Satayawan Singh (Retd.) s/o Late S. Gurdial Singh r/o 11-A, Windson Place, Lucknow.
c/o S. Sohan Singh Sandhawalia,
r/o H. No. 21, Sector 2, Chandigarh.
(Transferor)
- (2) Shri Bhagwan Dass s/o Shri Ram Lal
r/o House No. 254, Guru Nanak Pura, Ludhiana.
(Transferee)
- (3) 1. Mrs. K. Katiyal,
2. Mr. M. L. Katiyal, s/o Bhagwan Dass,
3. Shri Nand Kishore,
all r/o SCF No. 7/11, Sector 27-C, Chandigarh.
(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property; within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

SCF No. 7/11, Sector 27-C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Regd. Deed No. 1378 of 3/78 of the Registering Officer, Chandigarh).

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 16 November 1978
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 16th November 1978

Ref. No. CHD/132/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S.C.O. Nos. 89, 90 and 91, Sector 17-D, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in April, 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Pawan Kumar and Shri Abhey Kumar s/o Shri Amrit Lal,
2. Smt. Bilbir Kumari w/o Shri Tarsem Chand, through her G.A.
3. Shri Tarsem Chand,
4. Smt. Kamla Devi w/o Shri Pawan Kumar, Smt. Promila Devi w/o Shri Abhey Kumar, Mr. Rakesh Jain and Mr. Rajesh Jain, minor sons of Shri Tarsem Chand, through their father, Shri Tarsem Chand, all residents of House No. 1621, Sector 18-D, Chandigarh.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Bawa Tirath Singh s/o Bawa Sawan Singh,
2. Shri Bawa Harinder Singh, Bawa Sukhinder Singh s/o Bawa Tirath Singh,
3. Smt. Ranjit Kaur w/o Tirath Singh,
4. Smt. Paramjit Kaur w/o Bawa Harinder Singh,
5. Bawa Nihal Singh s/o Bawa Kishan Singh,
6. Smt. Charanjit Kaur w/o Bawa Gurmit Singh,

7. Shri Anupal Singh, Servepal Singh, Sukhpal Singh, minor s/o Shri Gurmit Singh Bawa, all residents of Muktsar, Distt. Faridkot, c/o M/s Bawa Nehal Singh Gurmit Singh, Muktsar.

(Transferee)

- (3) M/s Singh Song, Prop. Shri Kanwaljit Singh,
2. M/s Esquire, Prop. Shri Jatinder Singh,
3. M/s Thompson, Prop. Shri Ram Nath,
4. M/s Darshan Embroidery, Prop. Joginder Singh,
5. M/s Supreme Woollen Mills, Prop. Shri Prem Chand,
6. M/s Lucknow Pan corner, Prop. Shri Naurangi Parshad,
7. M/s Chandigarh Sports, Prop. Shri Amrit Lal,
8. M/s Cheema Electric Works, Prop. Shri Rupinder Singh,
9. M/s M.G. Electric, Prop. Shri Sat Pal,
10. M/s Roxy Hair Dresser, Prop. Shri Adish Ahamad,
11. M/s Kaushal Jewellers, Prop. Shri Pawan Kumar,
12. M/s Kaushal Furnishers,
13. Shri Charan Das,, S.C.O. 89-91, Sector 17-D, Chandigarh,
14. M/s Bajaj Investment, Prop. Shri S. P. Vohra,
15. M/s Bawa Nehal Singh Bawa Tirath Singh,
16. Shri Kuldip Singh, Advocate,
17. Punjab School Education Board, SCO No. 89-91, Sector 17-D, Chandigarh,
18. M/s Shiv Jewellers,
19. M/s Malhotra Book Nook,
20. M/s Malhotra Book Depot, S.C.O. No. 89-91, Sector 17-D, Chandigarh,
21. A. Aslam, Tailors.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S.C.O. No. 89, 90 and 91, Sector 17-D, Chandigarh.
(The property as mentioned in the Regd. Deed No. 50 of April, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh.

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 16 November 1978

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 16th November 1978

Ref. No. CHD/138/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House Property No. 2174, Sector 15-C, Chandigarh situated at Chandigarh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in April, 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

22—396G1/78

(1) Mrs. Joginder Kaur, Shri Jaidev Singh, Shri Mander Singh and Shri Paramdev Singh, Shri Jatinderdev Singh, Shri Suchdev Singh,
all r/o 1513, Sector 33-B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Mrs. Sukhinder Kaur Gill,
r/o 2174, Sector 15-C, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 2174, Sector 15-C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Regd. Deed No. 88 of April, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh).

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 16 November 1978

Seal :

FORM I.T.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 16th November 1978

Ref. No. SRD/73/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 14 kanals 14 marlas situated in Village Brahaman Majra, Sirhind, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirhind in March, 1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kartar Singh s/o Shri Jagat Singh,
r/o Brahaman Majra, Sirhind, Distt. Patiala.
(Transferor)
- (2) M/s Sood Rice Mills, Sirhind, Distt. Patiala.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 14 kanal 14 marlas situated in Village Brahaman Majra, Sirhind, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the Regd. Deed No. 3165 of March, 1978 of the Registering Officer, Sirhind).

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 16 November 1978

Seal :

FORM I.T.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 16th November 1978

Ref. No. NBA/52/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 13 kanal, 10 marlas, situated on Thuhi Road, Nabha, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nabha in March, 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gurdial Singh s/o Shri Mitoo, r/o Nabha.
(Transferor)
- (2) Shri Amar Nath s/o Shri Moti Ram,
S/Shri Rajesh Kumar, Gian Chand, Brish Bhan,
Minder Kumar, and Surinder Kumar ss/o Shri Amar
Nath, r/o Nabha, owners of
M/s Amar Rice Mills, Thuhi Road, Nabha.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 13 kanal 10 marlas situated at Thuhi Road, Nabha.

(The property as mentioned in the Regd. Deed No. 2304 of March, 1978 of the Registering Officer, Nabha).

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 16 November 1978
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 16th November 1978

Ref. No. SRD/72/77-78 —Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1 and measuring 76 kanals 13 marlas situated at Village Sarana, Teh. Sirhind, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirhind in March, 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) S. Ajmer Singh s/o Rala Singh,
Village Bharatpur Teh. Kharar.
(Transferor)
- (2) S. Sadhu Singh s/o S. Ranghi Singh,
Village Samana, Teh. Sirhind.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 76 kanals 13 marlas situated in Village Sarana, Teh. Sirhind.

(The property as mentioned in the Regd. Deed No. 3133 of March, 1978 of the Registering Officer, Sirhind).

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 16 November 1978
Seal :

FORM I.T.N.S. ———

(1) S/Shri Hukam Chand, Barkha Ram and Lajya Ram
s/o Shri Sunder,
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) M/s Basant Industries,
201, Ansal Bhawan, Kasturba Gandhi Marg,
New Delhi, through Shri Surinder Singh, partner,
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 16th November 1978

Ref. No. DBS/42/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Rāuni (Koti), Sub-Tehsil Dera Bassi, Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Dera Bassi in March, 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 14 bighas 13 biswas situated at Village Rauni (Koti), Sub-Tehsil Dera Bassi, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the Regd. Deed No. 1214 of March, 1978 of the Registering Officer, Dera Bassi).

NATHU RAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 7-11-1978.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 16th November 1978

Ref. No. DBS/43/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land measuring 14 bighas 12 biswas situated at Village Rauni (Roti), Sub-Tehsil Dera Bassi, Distt. Patiala. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dera Bassi in March, 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Ram Sarup and Amar Nath s/o Shri Parbhu and Smt. Bachni Babi, Smt. Somti daughter of Shri Parbhu r/o Village Rauni, Sub-Tehsil Dera Bassi, Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) M/s Basant Industries,
201, Ansal Bhawan, Kasturba Gandhi Marg,
New Delhi, through Shri Surinder Singh, partner.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 14 bighas 12 biswas situated at Village Rauni (Roti), Sub-Tehsil Dera Bassi, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the Regd. Deed No. 1215 of March, 1978 of the Registering Officer, Dera Bassi).

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 16 November 1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA,
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 20th November 1978

Ref. No. AML/34/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot measuring about 700 sq. yards situated on Railway Road, Mandi Gobindgarh, situated at Mandi Gobindgarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amloh in March, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shi Bachan Singh s/o Shri Maghi Ram,
Shri Bachan Singh s/o Shri Raunak Singh,
Shri Natha Singh s/o Shri Raunak Singh,
all r/o Village Saunti, Teh. Amloh,
Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Raj Kumar s/o Shri Hansraj and
Shri Roshan Lal s/o Shri Hans Raj,
R/o M/s. Matta Cloth House,
No. 1, Municipal Market, Mandi Gobindgarh,
Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring about 700 sq. yards situated on Railway Road, Mandi Gobindgarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1485 of March, 1978 of the Registering Officer, Amloh).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20th November 1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 20th November 1978

Ref. No. BRN/20/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House property with area of 68'×20', situated at Barnala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Barnala in March, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Vijay Kumar s/o Shri Shiv Saran Dass Sood,
c/o M/s. Sood Sons Tractors,
College Road, Barnala.

(Transferor)

- (2) S/Shri Vijay Kumar, Ravi Pal
Sons of Shri Prem Nath Aggarwal,
R/o Barnala, Tehsil Barnala.

(Transferee)

- *(3) M/s. Friends Garrage,
College Road, Barnala.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop/House property situated at Barnala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1163 of March, 1978 of the Registering Officer, Barnala).

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 20th November 1978

Seal :

*Strike off where not applicable.

FORM TINS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING BUILDING

Ludhiana, the 20th November 1978

Ref. No. TPA/38/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land measuring 67 kanal 10 marlas situated at Village Pakhon Kalan, sub-tehsil Tapa, Distt. Sangrur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tapa in March, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

23—396GI/78

- (1) Shri Niranjan Singh s/o Shri Kehar Singh,
R/o Village Pakhon Kalan, Sub Tehsil Tapa,
Distt. Sangrur.

(Transferor)

- (2) Shri Kaur Singh s/o Shri Kheon Singh,
R/o Village Pakhon Kalan, Sub Tehsil Tapa,
Distt. Sangrur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by an other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 67 kanals 10 marlas situated in village Pakhon Kalan, Sub Tehsil Tapa.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 226 of March 1978 of the Registering Officer, Tapa.)

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 20th November 1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,

CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana. the 20th November 1978

Ref. No. Raj/40/77-78.—Whereas, I. NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Land measuring 8 kanal 18 marlas situated at Rajpura, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajpura in March 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Surinder Singh s/o Shri Gurdev Singh,
Mukhtiar Aam of Smt. Nasib Kaur
D/o Smt. Prem Kaur,
R/o Village Rajpura, Tehsil Rajpura.
(Transferor)

(2) Smt. Sham Kaur w/o Shri Bhagwan Singh and
S/Shri Gurinder Singh, Amarjit Singh
Sons of Shri Bhagwan Singh
R/o Mohinder Ganj, Rajpura,
Distt. Patiala.
(Transferee)

* (3) 1. M/s. Eagle Motel,
Bye Pass, G.T. Road,
Rajpura.
2. M/s. Bhagwan Service Station,
Bye Pass, G.T. Road,
Rajpura.
[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 8 kanal 18 marlas situated at Rajpura.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 3256 of March, 1978 of the Registering Officer, Rajpura).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 20th November 1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,

CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 20th November 1978

Ref. No. PTA/73/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House property No. 48-B, Model Town, Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patiala in March 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sampooran Singh s/o Shri Inder Singh,
R/o Mohalla Arora, Patiala.

(Transferor)

- (2) Shri Tirath Ram s/o Shri Des Raj,
Deputy Director, 66-B, Model Town,
Patiala.

(Transferee)

- * (3) The S.D.O. (REC),
Const. Sub Division No. 2,
P.S.E.B., 48-B, Model Town,
Patiala.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 48-B, Model Town, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 6014 of March, 1978 of the Registering Officer, Patiala).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 20th November 1978

Seal :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 24th November 1978

Ref. No. CHD/111/77-78.—Whereas, J, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House property No. 2813, Sector 22-C, Chandigarh situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mukand Singh s/o Shri Kapoor Singh,
R/o V. & P.O. Jamalpur, Distt. Ludhiana.
(Transferor)
- (2) Shri Gurdas Singh and Shri Beant Singh
Sons of Shri Kirpal Singh,
R/o Village Mataur, Distt. Ropar
Now at 60-BT Road, Calcutta.
(Transferee)
- (3) M/s. Pal Model Primary School,
2813, Sector 22-C, Chandigarh.
[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 2813, Sector 22-C, Chandigarh (Plot No. 437).

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1310 of March, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 24th November 1978
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,****CENTRAL REVENUE BUILDING**

Ludhiana, the 24th November 1978

Ref. No. SML/50/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House property known as 'Wood Lands' situated near St. Beads College, Chhota Simla, situated at Simla (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Simla in March, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Lilawati Kapoor Trust, through Manmohan Dass Kapoor, Sole Executor and Sole Trustee, Wood-Villa, Simla.

(Transferor)

- (2) Dr. Balak Ram Verma s/o Shri Jindu Ram Verma, R/o Kangoo, Teh. Sunder Nagar, Distt. Mandi (H.P.)
Now Dr. B. R. Verma (M.D.),
2787, Aldgate Drive, Bloomfield Hills, Michigan (USA)
Through Shri Basant Ram s/o Shri Jindu Ram, G.A. of Dr. B. R. Verma, R/o Kangoo, Teh. Sunder Nagar, Distt. Mandi (H.P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property known as 'Wood Lands' situated near St. Beads College, Chhota Simla.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 185 of March 1978 of the Registering Officer, Simla).

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 24th November 1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,

CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 24th November 1978

Ref. No. LDH/160/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 3 bighas 10 biswas 12 biswasies (Pukhta) situated at Village Jugiana, Teh. Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Ludhiana in March, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Manwinder Kaur, Smt. Rajwinder Kaur and Smt. Jaswinder Kaur d/o Shri Tribhawan Singh and Shri Bhagwinder Singh s/o Shri Tribhawan Singh, R/o Village Jugiana Teh. Ludhiana.

(Transferor)

(2) M/s. Industrial Corporation, Jugiana, Teh. Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3 bighas 10 biswas 12 biswasies (Pukhta) situated at Village Jugiana, Tehsil Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 6667, of March, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 24th November 1978

Seal :

FORM ITNS ———

(1) M/s. Saloni Ownership Flats Schemes (P) Ltd.,
6, Harrington Street, Calcutta-16.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,
54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA-16(2) Smt. Nilima Das,
25A, Southend Park, Calcutta-29.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Calcutta-16, the 20th November 1978

Ref. No. 422/Acq.R-III/78-79/Cal.—Whereas, I,
VASKAR SEN,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.Flat No. G on 2nd floor situated at 2, Mandeville Gardens,
Calcutta(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
Calcutta on 10-3-1978for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reasons to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45
days from the date of publication of this notice in
the Official Gazette or a period of 30 days from the
service of notice on the respective persons, whichever
period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publica-
tion of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION : The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that entire Flat No. G on the 2nd floor of the building
named "Jay Jayanti" situated at 2, Mandeville Gardens, Cal-
cutta.Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—VASKAR SEN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54. Rafi Ahmed Kidwai Road,
(3rd floor), Calcutta-16Date : 20-11-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Pratul Chandra Das.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Sri Paresh Chandra Das.
Sri Tapan Kumar Das,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA**

Calcutta, the 21st November, 1978

Ref. No. AC-43/Acq.R-IV/Cal/78-79.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

161, situated at Block D-A Sector-1, Salt Lake City (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 20-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 4.4621 cottahs together with the one storeyed building thereon situated at plot No. 161, Block D-A, Sector-1, Salt Lake City, Calcutta-64 more particularly as per deed No. 1515 dated 20-3-1978.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 21-11-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Monorama Rit.
Sri Jagajoti Rit.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Gita Das.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA

Calcutta, the 21st November, 1978

Ref. No. AC-44/Acq.R-IV/Cal/78-79.—Whereas, I,
S. K. DASGUPTA,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.12/1, situated at Haldarpara Lane,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Howrah on 16-3-1978for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reasons to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said im-
movable property, within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);All that piece and parcel of land measuring 6 cottahs
9 chittaks 26 sft together with a building thereon situated
at 12/1, Haldar Para Lane, P.S. Sibpore, Howrah more
particularly as per deed No. 494 dated 16-3-1978.

S. K. DASGUPTA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range IV,

54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

24—396GI/78

Date : 21-11-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Harendra Nath Ghosh
Tarak Chandra Ghosh

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Vinod Kumar Pasari
Sitarum Pasari
Amar Chand Pasari and
Loknath Pasari.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA

Calcutta, the 27th November 1978

Ref. No. AC-46/Acq.R-IV/Cal/78-79.—Whereas, I,
S. K. DASGUPTA,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and hearingDag No. 704 Kh. No. 1767, situated at Mouja Kotrung,
P.S. Uttarpara(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
Serampore on 1-3-1978for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reasons to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
-
- of the transferor to pay tax under the said Act, in
-
- respect of any income arising from the transfer;
-
- and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
-
- moneys or other assets which have not been or
-
- which ought to be disclosed by the transferee for
-
- the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
-
- (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
-
- Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
-
- 45 days from the date of publication of this notice
-
- in the Official Gazette or a period of 30 days from
-
- the service of notice on the respective persons,
-
- whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
-
- able property, within 45 days from the date of the
-
- publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 2 bighas 6
cottahs 13 chittaks 22 sft. situated at Dag No. 704, khatian
No. 1767 in Mouja Kotrung, P.S. Uttarpara, District
Hooghly.S. K. DASGUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.Date : 27-11-1978
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sm. Sibrani Chatterjee.

(Transferor)

(2) Dr. Hemanta Kumar Jana.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA

Calcutta, the 29th November 1978

Ref. No. AC-47/Acq.R-IV/Cal/78-79.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Dag No. 2082 and 2083 situated at Frazer Avenue Mouza Bahir Sarbamangala, Burdwan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Burdwan on 13-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring .06 acres and temporary structure thereon situated at Frazer Avenue (North of Shyam Syer) being Dag No. 2082 and 2083 in Mouza Bahir Sarbamangala, Burdwan more particularly as per deed No. 2378 of 1978.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range IV
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 29-11-1978

Seal :

FORM ITNS ———

(1) Sm. Sibrani Chatterjee,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Hemanta Kumar Jana.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA

Calcutta, the 29th November 1978

Ref. No. AC-48/Acq.R-IV/Cal/78-79.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Dag No. 2083 and 2084 situated at Frazer Avenue Mouza Bahir Sarbamangala, Burdwan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Burdwan on 10-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring .08 acres situated at Frazer Avenue (North of Shyam Syer) being Dag No. 2083 and 2084 in Mouza Bahir Sarbamangala, Burdwan more particularly as per deed No. 2189 of 1978.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 29-11-1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 4th November 1978

Ref. No. 179/Knp./78-79.—Whereas, I, VIJAY BHARGAV

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 31-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Shyam Pyarl (Widow)
Late Rajendra Narayan Mathur
R/o 8/155, Arya Nagar, Kanpur.

(Transferor)

- (2) Shrimati Indrani Kuwanri (Widow)
Late Brij Mohan Singh,
R/o Village Kathethi, Akbarpur,
Distt. Kanpur.

(Transferee)

- (3) As in 2 above.

[Persons in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 738 Sq. Yds. situated at West Block, Kanpur transferred for an apparent consideration of Rs. 46,494/- as against the stamp value of Rs. 75,000/-

VIJAY BHARGAV
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 4-11-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 4th November 1978

Ref. No. 166/Acq./Bidhuna/78-79.—Whereas, I, VIJAY
BHARGAVbeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Bidhuna, Etawah on 21-6-78for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reasons to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Shri Raj Kumar S/o Shri Surti Lal
R/o Narayanpur Shahar, Bidhuna, Etawah.
(Transferor)

(2) Smt. Ramjanki (Widow) Late Ram Narayan
R/o Narayanpur Shahar, Bidhuna, Etawah.
(Transferee)

(3) Shri Raj Kumar (Transferor).
[Persons in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 17.47 Acres situated at Village
Narayanpur Shahar, Bidhuna, Etawan for an apparent con-
sideration of Rs. 35,000/- as against fair market value of
Rs. 1,39,760/-.

VIJAY BHARGAV
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 4-11-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 4th November 1978

Ref. No. Acq./195/Kpr./78-79.—Whereas, I, VIJAY BHARGAV being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 28-3-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Ram Kumari W/o Shri N. S. Verma,
113/190, Swarup Nagar, Kanpur.
(Transferor)
- (2) S/Shri Ashok Kumar; Suresh Kumar; Harish Kumar; Mahesh Kumar S/o Shri P. Dass
R/o 119/22, Naseema Bad, Kanpur.
(Transferee)
- (3) Smt. Ram Kumari W/o Shri N. S. Verma,
113/190, Swarup Nagar, Kanpur.
[Persons in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One constructed house covering 2000 sq. ft. on ground floor situated at 113/190, Swarup Nagar, Kanpur transferred for an apparent consideration of Rs. 1,70,000/- as against fair market value of Rs. 1,90,000/- as per report of the Valuation cell.

VIJAY BHARGAV
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 4-11-1978
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE,
KANPUR**

Kanpur, the 4th November 1978

Ref. No. 54/Meerut/78-79.—Whereas, I, VIJAY BHARGAV being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mawana, Meerut on 15-3-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Ram Dulari W/o Shri Jai Prakash
R/o Village Nagla Hareru, Hastinapur Khao,
Meerut.
(Transferor)
- (2) S/Shri Tilak Ram, Nanak Chand Tirkha
Sons of Shri Chhotey,
R/o Village Shamashpur, P.O. Lawad,
Meerut.
(Transferee)
- (3) As in 1 above.
{Persons in occupation of the property}

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Nagla Hareru, Hastinapur, Mawana, District Meerut transferred for an apparent consideration of Rs. 74,000/- as against Stamp Value of Rs. 1,48,770/-.

VIJAY BHARGAV
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 4-11-1978
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Bhoora Shah S/o Shri Salara,
Village Khanpur, P.O. Raishi, Shaharanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Shri Singara Singh & Shri Mohan Singh,
R/o Village Balla, Jullander,
Village Khanpur, P.O. Raishi, Shaharanpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 4th November 1978

Ref. No. 12/Saharanpur/78-79.—Whereas I, VIJAY
BHARGAV

being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Haridwar on 20-3-78

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reasons to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269-D of the said Act, to the following
persons, namely:—

25—396GI/78

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Village Khanpur, Pargana
Jwalapur, District Shaharanpur transferred for an apparent
consideration of Rs. 32,386/- as against fair market value of
Rs. 65,200/-.

VIJAY BHARGAV

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 4-11-1978

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 4th November 1978

Ref. No. 52/Meerut/78-79.—Whereas, I, VIJAY BHARGAV being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mawana, Meerut on 9-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Nawab Singh S/o Shri Tara Chand,
R/o Village Mubarakpur, P.O. Mawana Kalan,
Meerut. (Transferor)
- (2) Shri Nauraj Singh S/o Shri Bachan Singh,
R/o Mubarakpur, P.O. Mawana Kalan,
Meerut. (Transferee)
- (3) Shri Nauraj Singh S/o Shri Bachan Singh.
[Persons in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Village Sadipur Seth, Pargana Hassanpur, Mawana, Meerut transferred for an apparent consideration of Rs. 55,860/- as against fair market value of Rs. 87,000/-.

VIJAY BHARGAV
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 4-11-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 4th November 1978

Ref. No. 89/Muz.Ngr./78-79/4168.—Whereas, I, VIJAY BHARGAV

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffar Nagar on 21-3-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Dr. Ved Prakash S/o Shri Raghunandan Lal,
R/o Moti Mahal, Muzaffar Nagar. (Transferor)
- (2) Shri Kalu Ram S/o Beda Singh;
S/Shri Sukhbir Singh, Karn Singh, Sher Singh,
Babu Ram, Brijendra Singh, Bhonda
S/o Rishal Singh etc.
R/o Pina Parasa Baghra, Distt. Muzaffar Nagar.
- (3) Shri Kalu Ram etc.
[Persons in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Salempur Pargana & District Muzaffar Nagar transferred for an apparent consideration of Rs. 60,394/- as against Stamp value of Rs. 1,61,052/-.

VIJAY BHARGAV
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 4-11-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 4th November 1978

Ref. No. 91/Acq./Frzbd./78-79.—Whereas, I, VIJAY BHARGAV being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ferozabad, Agra on 16-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jagat Singh S/o Shri Pyare Lal
R/o Vill. Hatawali, Ferozabad, Agra. (Transferor)
- (2) Shri Aneg Singh S/o Shri Govind Singh
R/o Vill. Hatawali, Ferozabad, Agra.
Smt. Sharda W/o Shri Jagat Singh,
R/o Vill. Hatawali, Ferozabad, Agra. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land transferred for an apparent consideration of Rs. 30,000/- as against stamp duty value of Rs. 94,000/-. Agricultural land situated in the village Hatawali, Ferozabad, Distt. Agra.

VIJAY BHARGAV
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 4-11-1978
Seal :

FORM ITNS ———

(1) Additional Collector (Finance & Revenue),
Kanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Ram Awadh Tiwari,
Shri Jagat Narayan Tiwari,
R/o F-T/73, Armapur Estate,
Kanpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 4th November 1978

Ref. No. 55/Acq./78-79.—Whereas, I, VIJAY
BHARGAVbeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE
and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908), in the office of the Registering Officer at
Kanpur on 12-4-1978for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reasons to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferror to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immova-
ble property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Constructed boundary all around and four temporary rooms
transferred for an apparent consideration of Rs. 64,200/- as
against fair market value of Rs. 2,28,000/-. The transferred
land is situated at L Block, Kakadeo, Kanpur.

VIJAY BHARGAV
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 4-11-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 4th November 1978

Ref. No. 979/Acq./77-78.—Whereas, I, VIJAY BHARGAV

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khair, Aligarh on 15-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Fattu S/o Shri Chunni Singh
R/o Village Bhamraula, P.O. Karanpur,
Aligarh.
(Transferor)
- (2) Shri Liladhar S/o Shri Chhidda Singh,
S/Shri Sukhbir Singh, Manbir Singh, Indrapal
Singh S/o Shri Chhidda Singh,
R/o Village Bhamraula, P.O. Karanpur,
Distt. Aligarh.
(Transferee)
- (3) As in 2 above.
[Persons in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land transferred for an apparent consideration of Rs. 48,000/- as against stamp value of Rs. 79,000/-.

VIJAY BHARGAV
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 4-11-1978
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 4th November 1978

Ref. No. 94/Acq/Ferozabad/78-79.—Whereas, I, VIJAY BHARGAV

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ferozabad on 28-3-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Madhav Prasad Goenka
S/o Seth Kanhaiya Lal Goenka,
Shashi Goenka S/o Shri Madhav Pd. Goenka,
R/o 17, Chitranganj Avenue, Calcutta.
(Transferor)
- (2) S/Shri Chandra Kumar Jain, Jai Kumar Jain,
Ashok Kumar Jain, Rajendra Kumar Jain
Sons of Lala Maniramji Jain,
R/o Chawki Gate, Ferozabad, Distt. Agra.
(Transferee)
- (3) As in 2 above (Transferee)
[Persons in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Five house properties situated at Ferozabad, Agra transferred for an apparent consideration of Rs. 3,20,000/- as against fair market value of Rs. 8,03,900/-.

VIJAY BHARGAV
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 4-11-1978

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE,
KANPUR**

Kanpur, the 4th November 1978

Ref. No. 956/Acq./Bidhuna/77-78.—Whereas I, VIJAY BHARGAV

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bidhuna, Etawah on 13-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gajodhar S/o Shri Deshraj
R/o Village Shabhad Badanpur, Bidhuna,
Etawah,
(Transferor)
- (2) 1. Shri Maujilal S/o Shri Arjun Singh
2. Shri Makrand Singh S/o Shri Beni Singh
R/o Village Shabhad Badanpur, Bidhuna,
Etawah,
(Transferee)
- (3) As in 2 above.
[Persons in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land transferred for an apparent consideration of Rs. 40,000/- as against Rs. 72,000/- stamp value. The land is situated in Village Shabhad Badanpur, Bidhuna, Etawah.

VIJAY BHARGAV
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 4-11-1978
Seal :

FORM LT.N.S. ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 4th November 1978

Ref. No. 393/Acq./Bilhaur/78-79.—Whereas, I, VIJAY BHARGAV being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bilhaur on 3-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Smt. Shiv Kulari (Widow) W/o Shri Rajya Singh, Village Suhar Deva, Bilhaur, Kanpur. (Transferor)
(2) Shri Jagatpal Singh S/o Shri Munnoo Singh, Village Suhar Deva, Bilhaur, Kanpur. (Transferee)
(3) Shri Jagatpal Singh. [Persons in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring ——— Beggas ——— Biswas situated at village Suhar Deva, Bilhaur, Kanpur transferred for an apparent consideration of Rs. 40,000/- as against stamp duty value of Rs. 90,000/-.

VIJAY BHARGAV
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 4-11-1978
Seal :

FORM IT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 4th November 1978

Ref. No. 2/Acq./Kannauj/78-79.—Whereas, I, VIJAY BHARGAV

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kannauj on 17-3-78

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) S/Shri Amar Singh, Balwant Singh, Pratap Singh, Kunwar Singh R/o Village Makrand Nagar, Kannauj, Farrukhabad.

(Transferor)

(2) Smt. Anjuman Ara W/o Shri Abdul Malik
Smt. Neelam W/o Shri Abdul Muid
Smt. Farhana W/o Abdul Avval
R/o Pandaria, Kannauj, Farrukhabad.

(Transferee)

(3) As in 2 above: [redacted] of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building equipped with cooling chamber, cooling tank, one pump house etc. transferred for an apparent consideration of Rs. 7,60,000/-

VIJAY BHARGAV

Competent Authority,

Inspecting Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 4-11-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.
57-RAM TIRATH MARG

Lucknow, the 18th November 1978

Ref. No. 26-N/Acq.—Whereas I AMAR SINGH BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

A plot at Bunglow No. 129 situated at Civil Lines, Bareilly, (and more fully described in the Scheduled exceed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bareilly on 15-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

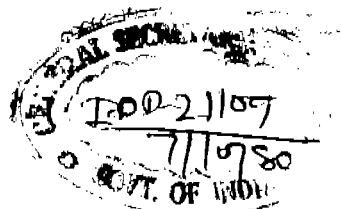
Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Radha Raman Agarwal.
(Transferor)
(2) Shri Nirmal Mohan Singh Bedi.
(Transferee)
(3) Shri Radha Raman Agarwal.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.



THE SCHEDULE

A plot of land measuring 310 sqr. Meter situate at Bunglow, No. 129 civil lines Bareilly and all that which is mentioned in form 37-G No. 1632 dated 15-3-1978 and sale-deed which are registered at Office of the Sub-Registrar Bareilly.

AMAR SINGH BISEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 18-11-1978
Seal :

